अधिकतम :23°C
न्यूनतम: 07°C
सेंसेक्स 75,311.06
निफ्टी 22,795.90
सोना 89,140
चांदी 100,500

खबरें छुपाता नहीं, छापता है

शाह टाइम्स

देहरादून, शनिवार 22 फरवरी 2025 देहरादून संस्करण: वर्ष 24 अंक 202 पृष्ठ 12 मूल्य रुपये 5.00

www.shahtimesnews.com

विस्तृत खबरों के लिए QR कोड स्कैन करें। मुफ्त पढ़ें E-paper

shahtimes2015@gmail.com माघ फाल्गुन पक्ष 8 विक्रमी सम्वत् 2081 23 शाबान 1446 हिजरी नई दिल्ली, मुजफ्फरनगर, देहरादून, हल्द्वानी, मुरादाबाद, बरेली, मेरठ व लखनऊ से प्रकाशित

गुजराती काश पटेल बने अमेरिकी एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर

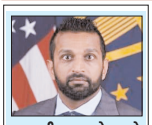

विस्तृत खबर देश-विदेश पर

कोहली ने की कैच पकड़ने में अजहर के रिकॉर्ड की बराबरी

विस्तृत खबर खेल टाइम्स पर

उत्तराखंड में नया भू-कानून बजट सत्र में हुआ पारित

नया भू-कानून राज्य में भू सुधार के लिए प्रयास : धामी

- राज्य की भूमि को भू माफियाओं से बचाने और दुरुपयोग रोकने की कोशिश
- राज्य में अलग-अलग जिलों की परिस्थितियां भी भिन्न-भिन्न प्रकार की हैं

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र में शुक्रवार को नया भू-कानून बिल पास कर दिया गया है।

नए भू-कानून पर चर्चा के दौरान शुक्रवार को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने सदन को संबोधित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य की भौगोलिक परिस्थितियों और डेमोग्राफिक स्थिति, अवैध कब्जों और भू माफियाओं पर अंकुश की आवश्यकता को देखते हुए सशक्त भू कानून लाया जा रहा है। राज्य में लाए जा रहे नए भू कानून को लेकर मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि ये भू कानून एक प्रकार से भू सुधार है और भू प्रबंधन है। ये कोई अंत नहीं है, बल्कि ये शुरुआत है। हम लोकतांत्रिक मूल्यों पर विश्वास रखने वाले लोग हैं। प्रदेश के बाहर के लोगों द्वारा विभिन्न उद्योगों के नाम पर और स्थानीय लोगों को रोजगार देने के नाम पर अन्य प्रयोजनों के लिए जमीन का उपयोग किया जा रहा था। अब सशक्त भू कानून के बाद ऐसे लोगों को सफलता नहीं मिल पाएगी। राज्य बनने के बाद औद्योगिक निवेश और विकास के लिए पैकेज भी दिया गया, जिसके तहत उद्योगों का विकास हुआ इसलिए हम ये भी चाहते हैं कि औद्योगिक विकास भी न रुके और साथ ही राज्य की भूमि का सदुपयोग भी हो। इसके लिए भू-कानून में भू प्रबंधन का ध्यान रखा गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य में 3461.77 एकड़ वन भूमि को कब्जा हटाने का काम हुआ है। राज्य के -शेष पृष्ठ दो पर

2029 तक यूपी बनेगा एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था: सीएम योगी

- राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सपा सदस्य रागिनी के एक सवाल के जवाब में मुख्यमंत्री का दावा

शाह टाइम्स ब्यूरो

लखनऊ। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने दावा किया है कि वर्ष 2029 तक उत्तर प्रदेश एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था के अपने लक्ष्य को हासिल कर लेगा।

श्री योगी ने विधानसभा के बजट सत्र के चौथे दिन राज्यपाल के अभिभाषण पर चर्चा के दौरान सपा सदस्य रागिनी सोनकर के एक सवाल के जवाब में कहा कि उत्तर प्रदेश देश की सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था बनने की दिशा में तेजी से अग्रसर है। उन्होंने कहा कि जब उनकी सरकार आई थी, तब राज्य की अर्थव्यवस्था 12 लाख करोड़ रुपये थी, जो इस वित्तीय वर्ष के अंत तक 27.5 लाख करोड़ रुपये हो जाएगी। प्रदेश सरकार 2029 तक उत्तर प्रदेश को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने विपक्ष पर तंज कसते हुए कहा कि जो लोग भारत को विकसित राष्ट्र नहीं मानते, वे उत्तर प्रदेश की आर्थिक वृद्धि पर भी सवाल उठाते हैं, भारत आज दुनिया की एक बड़ी अर्थव्यवस्था के रूप में आगे बढ़ रहा है।

विकसित भारत के लिए सर्वश्रेष्ठ नेतृत्व जरूरी

पीएम ने भारत मंडपम में 'सोल' लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का किया उद्घाटन

शाह टाइम्स ब्यूरो

> कहा राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का विकास जरूरी है, व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने शुक्रवार को कहा कि 21वीं सदी के 'विकसित भारत' के लिए देश के हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में दिन-रात काम करने के लिए उत्तम से उत्तम नेतृत्व की जरूरत है, जो वैश्विक सोच और स्थानीय विकास के विचार पर चले। पीएम मोदी ने शुक्रवार को यहां भारत मंडपम में स्कूल ऑफ अल्टीमेट लीडरशिप (सोल) लीडरशिप कॉन्क्लेव के पहले संस्करण का उद्घाटन किया। उनके साथ भूटान के प्रधानमंत्री शेरिंग तोबगे भी मौजूद थे।

पीएम मोदी ने अपने संबोधन में कहा कि कुछ आयोजन ऐसे होते हैं, तो हृदय के बहुत करीब होते हैं और आज का ये कार्यक्रम सोल लीडरशिप कॉन्क्लेव भी ऐसा ही आयोजन है। राष्ट्र निर्माण के लिए नागरिकों का विकास जरूरी है, व्यक्ति निर्माण से राष्ट्र निर्माण। उन्होंने कहा कि यदि जन से जगत तक किसी भी ऊंचाई को प्राप्त करना है, तो आरंभ जन से ही शुरू होता है। हर क्षेत्र में बेहतरीन लीडर्स का विकास बहुत जरूरी है और समय की मांग है। इसलिए सोल की स्थापना 'विकसित भारत' की विकास यात्रा में एक बहुत महत्वपूर्ण और बड़ा कदम है। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद भारत को गुलामी से बाहर निकालकर भारत को परिवर्तित करना चाहते थे और उनका विश्वास था कि अगर सौ लीडर उनके पास हों, तो वह भारत को आजादी ही नहीं, बल्कि दुनिया का नंबर वन देश बना सकते हैं। इसी मंत्र को लेकर हम सबको आगे बढ़ना है। आज हर भारतीय, 21वीं सदी के 'विकसित भारत' के लिए दिन-रात काम कर रहा है। ऐसे में 140 करोड़ के देश में भी हर सेक्टर में, हर वर्टिकल में, जीवन के हर पहलू में हमें उत्तम से उत्तम लीडरशिप की जरूरत है। उन्होंने कहा कि स्वतंत्रता के लिए हमारी लड़ाई से बेहतर साझा उद्देश्य का कोई उदाहरण नहीं हो सकता, आज हमें स्वतंत्रता की भावना को पुनर्जीवित करना होगा और इससे प्रेरणा लेकर आगे बढ़ना होगा, यदि आप स्वयं को विकसित करते हैं, तो आप व्यक्तिगत सफलता का अनुभव कर सकते हैं। यदि आप एक टीम विकसित करते हैं, तो आपका संगठन विकास का अनुभव कर सकता है और यदि आप नेताओं को विकसित करते हैं, तो आपका संगठन बहुत तेजगति से प्रभावी विकास कर सकता है।

भागलपुर से किसान सम्मान निधि का वितरण करेंगे मोदी

नई दिल्ली। केंद्रीय कृषि एवं किसान कल्याण मंत्री शिवराज सिंह चौहान ने शुक्रवार को कहा कि बिहार के भागलपुर से प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी सोमवार को किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी कर 22000 करोड़ रुपये की राशि का वितरण करेंगे। श्री चौहान ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में यह जानकारी देते हुए बताया कि भागलपुर में 24 फरवरी को देशव्यापी किसान सम्मान समारोह आयोजित होगा। प्रधानमंत्री मोदी मुख्य अतिथि होंगे। श्री चौहान ने कहा कि किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त में 22,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि किसानों को सीधे उनके बैंक खाते में भेजी जाएगी।

सुप्रीम कोर्ट ने अब्बास अंसारी मामले में आदेश वापस लिया

> पुलिस से पूछा- क्या उनके खिलाफ कोई जांच लंबित है

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने शुक्रवार को अपना एक आदेश वापस ले लिया, जिसमें पुलिस से गैंगस्टर एक्ट के तहत एक मामले में विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ जांच 10 दिनों के भीतर पूरी करने को कहा गया था।

कोर्ट ने इसकी बजाय यह जानना चाहा कि क्या उनके खिलाफ कोई जांच लंबित है? जस्टिस सूर्यकांत और न्यायमूर्ति एन. कोटिश्वर सिंह की पीठ ने मामले की अगली सुनवाई 6 मार्च को तय की। आदेश वापस लेने का वाकया तब हुआ, जब अब्बास अंसारी की ओर से पेश हुए वरिष्ठ अधिवक्ता कपिल सिब्बल ने कहा कि जांच पूरी हो चुकी है और यूपी गैंगस्टर एक्ट के तहत दर्ज मामले में आरोपपत्र दाखिल किया जा चुका है। उन्होंने कहा कि राज्य ने मामले में गलत हलफनामा दाखिल किया है और अब्बास अंसारी के खिलाफ कुछ भी लंबित नहीं है। यूपी सरकार की ओर से पेश हुए अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल केएम नटराज ने कहा कि उन्हें मामले पर और स्पष्टीकरण की जरूरत है। इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने उत्तर प्रदेश पुलिस को गैंगस्टर अधिनियम के तहत विधायक अब्बास अंसारी के खिलाफ एक मामले में 10 दिनों के अंदर जांच पूरी करने का निर्देश दिया था।

छत्तीसगढ़ को सुप्रीम कोर्ट का नोटिस

नई दिल्ली। उच्चतम न्यायालय ने नागरिक पूर्ति निगम (एनएएन) घोटाले में पूर्व महाधिवक्ता सतीश चंद्र वर्मा की अग्रिम जमानत की मांग वाली उनकी याचिका पर शुक्रवार को छत्तीसगढ़ सरकार को नोटिस जारी किया। न्यायमूर्ति विक्रम नाथ और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने छत्तीसगढ़ सरकार के अधिवक्ता का यह बयान दर्ज किया कि अदालत के अगले आदेश तक उनके खिलाफ कोई दंडात्मक कार्रवाई नहीं की जाएगी।

एक करोड़ की ड्रग्स के साथ लेडी डॉन जोया अरेस्ट

नई दिल्ली। दिल्ली पुलिस ने गैंगस्टर हाशिम बाबा की तीसरी पत्नी जोया खान को 270 ग्राम ड्रग्स के साथ गिरफ्तार किया, जिसकी कीमत अंतर्राष्ट्रीय बाजार में करीब एक करोड़ रुपये है। जोया को पुलिस ने 20 फरवरी को नॉर्थ ईस्ट दिल्ली के वेलकम इलाके से गिरफ्तार किया। जोया खान का नाम लंबे समय से पुलिस की निगरानी लिस्ट में था, लेकिन वह हर बार बच निकलती थी। 33 साल की जोया को अपने पति के गैंग को संभालने और कानून से बचने में माहिर माना जाता था। पुलिस को लंबे वक्त से शक था कि वह अपराधों में शामिल है, लेकिन पुख्ता सबूत न मिलने के कारण अब तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो पाई थी। इस बार दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने उसे रंगे हाथों पकड़ लिया। हाशिम बाबा पर हत्या उगाही और हथियार तस्करी के दर्जनों मामले दर्ज हैं।

नई दिल्ली स्टेशन पर भगदड़ के वीडियो हटाने के निर्देश

नई दिल्ली। नई दिल्ली रेलवे स्टेशन पर 15 फरवरी को हुई भगदड़ में 18 लोगों की मौत हो गई थी। मामले में अब तक जांच रिपोर्ट नहीं आई है, लेकिन रेलवे ने एक फरमान जरूर जारी किया है। एक रिपोर्ट के अनुसार रेल मंत्रालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स को नोटिस जारी कर 288 वीडियोज लिंक हटाने का निर्देश दिया है। मंत्रालय ने 17 फरवरी को यह नोटिस भेजा था और एक्स को 36 घंटे में घटना से जुड़े सभी वीडियो लिंक हटाने का निर्देश दिया था।

सोनिया गांधी को मिली अस्पताल से छुट्टी

नई दिल्ली। कांग्रेस की पूर्व अध्यक्ष तथा पार्टी की राज्यसभा सांसद सोनिया गांधी को एक दिन तक डॉक्टरों की देख रेख में रखने के बाद शुक्रवार को यहां गंगाराम अस्पताल से छुट्टी मिल गई। श्रीमती गांधी को गुरुवार सुबह पेट दर्द के बाद यहां सर गंगा राम अस्पताल से नियमित चेकिंग के लिए ले जाया गया, जहां पेट से जुड़ी समस्या के कारण उन्हें भर्ती कराया गया। सूत्रों के अनुसार श्रीमती गांधी की गुरुवार सुबह नियमित जांच की गई, लेकिन पेट में मामूली संक्रमण होने के कारण डॉक्टरों ने उन्हें अस्पताल में भर्ती कर दिया और शुक्रवार सुबह छुट्टी दे दी गई।

सज्जन कुमार की सजा पर फैसला सुरक्षित

नई दिल्ली। दिल्ली में 1984 सिख विरोधी दंगा मामले में कोर्ट ने कांग्रेस के पूर्व सांसद सज्जन कुमार के खिलाफ सजा पर फैसला सुरक्षित रख लिया है। पीड़ित पक्ष ने सज्जन कुमार के लिए मौत की सजा की मांग की है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने 12 फरवरी को सज्जन कुमार को दोषी ठहराया था। उन पर 1984 में दंगों के दौरान सरस्वती विहार में जसवंत सिंह और उसके बेटे तरुणदीप सिंह की हत्या का दोषी पाया।

दिल्ली सीएम रेखा गुप्ता एक्शन मोड में, लिए 5 बड़े फैसले

नई दिल्ली। दिल्ली में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के एक दिन बाद रेखा गुप्ता ने पूर्व सीएम आतिशी और उनके मंत्रियों के पर्सनल स्टाफ को हटा दिया है।

इसके अलावा आतिशी सरकार ने जिन अधिकारियों के कर्मचारियों को दूसरी जगह -शेष पृष्ठ दो पर

1. आतिशी व पूर्व मंत्रियों का पर्सनल स्टाफ हटाया
2. मोहल्ला क्लीनिकों की होगी जांच
3. दिल्ली में लागू होगी आयुष्मान भारत योजना
4. कैग की रिपोर्ट होगी पेश
5. महिलाओं के लिए फ्री बस सेवा जारी रहेगी

अरविंदर लवली प्रोटेम स्पीकर होंगे

बिना वीजा के रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों के खिलाफ हुई कार्रवाई

- 11626 बाहरी व्यक्तियों का हुआ सत्यापन

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा में बजट सत्र के दौरान विधायक आदेश चौहान के एक सवाल के जवाब में सदन में गृह मंत्री की ओर से अवगत कराया गया कि हरिद्वार में समय-समय पर सत्यापन किया जा रहा है, जिसके तहत वर्ष 2024 में पश्चिम बंगाल के 159, असम के 317, उत्तर प्रदेश के 1735 व अन्य राज्यों के 1576 व्यक्तियों और वर्ष 2025 में वर्तमान तक पश्चिम बंगाल का एक, उत्तर प्रदेश के 558 व अन्य राज्यों के 205 व्यक्तियों का सत्यापन किया गया।

वहीं, वर्ष 2022 में 87017, वर्ष 2023 में 121461, वर्ष 2024 में 77106 व जनवरी 2025 से 13 फरवरी तक 11626 बाहरी व्यक्तियों का सत्यापन किया गया है। बाहरी व्यक्तियों के सत्यापन की कार्रवाई नियमित रूप से प्रचलित है। समस्त थाना प्रभारी व स्थानीय अभिसूचना ईकाई को बाहरी व्यक्तियों के विरुद्ध सत्यापन की कार्रवाई करते हुए संदिग्ध पाए जाने पर नियमानुसार विधिक कार्रवाई करने के निर्देश दिए गए हैं। उत्तर प्रदेश एवं अन्य राज्यों की सूचना उपलब्ध नहीं है। इसके अलावा वर्ष 2023-24 में हरिद्वार में बिना पासपोर्ट/वीजा के रह रहे दो बांग्लादेशी नागरिकों के विरुद्ध नियमानुसार वैधानिक कार्रवाई कर जेल भेजा गया, जिनमें से एक बांग्लादेशी की सजा पूर्ण होने पर बांग्लादेश वापस भेजा गया।

भारत-पाक सीजफायर बनाए रखने पर सहमत

जम्मू। भारत और पाकिस्तान ने शुक्रवार को जम्मू-कश्मीर के पुंछ जिले के चक्कन-दा-बाग क्रॉसिंग प्वाइंट पर आयोजित ब्रिगेडियर-स्तरीय फ्लैग मीटिंग में सीमा पर शांति के लिए नए सिरे से संघर्ष विराम समझौते का सम्मान करने पर सहमत हुए हैं।

आधिकारिक सूत्रों ने यहां बताया कि हाल ही में सीमा तनाव के मद्देनजर शुक्रवार सुबह भारत और पाकिस्तान के बीच ब्रिगेडियर- स्तरीय फ्लैग मीटिंग हुई। उन्होंने कहा कि बैठक बहुत सौहार्दपूर्ण माहौल में हुई और एक घंटे से अधिक समय तक चली। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष सीमा पर शांतिपूर्ण माहौल के लिए 25 फरवरी, 2021 को नए सिरे से किए गए संघर्ष विराम समझौते का सम्मान करने पर सहमत हुए हैं। इस वर्ष पाकिस्तान की ओर से संघर्ष विराम का कई बार उल्लंघन हुआ है।

हमारे आंतरिक मामलों में विदेशी दखल चिंताजनक

- भारतीय चुनाव में यूएस फंडिंग वाले अमेरिकी राष्ट्रपति ट्रम्प के बयान पर बोला विदेश मंत्रालय

शाह टाइम्स ब्यूरो

नई दिल्ली। अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने भारतीय चुनाव में अमेरिकी फंडिंग को लेकर बयान दिया है। इसे लेकर विदेश मंत्रालय ने जवाब दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि हमें अमेरिकी प्रशासन द्वारा कुछ यूएस गतिविधियों और फंडिंग के बारे में जानकारी दी गई।

यह बेहद परेशान करने वाली है। भारत के आंतरिक मामलों में विदेशी दखल चिंताजनक है। उन्होंने कहा कि संबंधित विभाग और एजेंसियां इस मामले की जांच कर रही हैं। इस समय सार्वजनिक टिप्पणी करना जल्दबाजी होगी। अधिकारी इस पर गौर कर रहे हैं और उम्मीद है कि हम बाद में इस पर अपडेट दे पाएंगे। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने कहा था कि हमें भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डालर देने की क्या जरूरत है? मुझे लगता है कि वे (बाइडन सरकार) चाहते थे कि चुनाव में किसी और को चुना जाए। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि इस बारे में कि क्या सार्क पर चर्चा हुई या नहीं। जब विदेश मंत्री ने मस्कट में बांग्लादेश के विदेश सलाहकार से मुलाकात की थी, तब यह मामला बांग्लादेश की ओर से विदेश मामलों की बैठक में उठाया गया था। दक्षिण एशिया में हर कोई जानता है कि कौन सा देश और कौन सी गतिविधियां सार्क को बाधित करने के लिए जिम्मेदार हैं। विदेश मंत्री ने कहा कि यह महत्वपूर्ण है कि बांग्लादेश को आतंकवाद को सामान्य नहीं बनाना चाहिए।

चीन के साथ संबंधों में महत्वपूर्ण प्रगति: एस.जयशंकर

जोहान्सबर्ग/नई दिल्ली। विदेश मंत्री एस. जयशंकर ने शुक्रवार को चीन के विदेश मंत्री वांग ई से मुलाकात करके सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति का प्रबंधन, कैलाश मानसरोवर यात्रा, उड़ान कनेक्टिविटी और यात्रा सुविधाओं के बारे में चर्चा की। विदेश मंत्रालय के अनुसार डा. जयशंकर ने जी-20 विदेश मंत्री बैठक से इतर हुई इस बैठक में अपने आरंभिक वक्तव्य में कहा कि मुझे खुशी है कि हम शुक्रवार को जोहान्सबर्ग में जी-20 विदेश मंत्रियों की बैठक से इतर मिल सकते हैं। इस तरह की सभाओं ने हमारी बातचीत के लिए एक अवसर प्रदान किया है, तब भी जब हमारे संबंध एक कठिन चरण से गुजर रहे थे। हमें यह भी स्वीकार करना चाहिए कि ध्रुवीकृत वैश्विक स्थिति में, हमारे दोनों देशों ने एक संस्था के रूप में जी 20 को संरक्षित और संरक्षित करने के लिए कड़ी मेहनत की है।

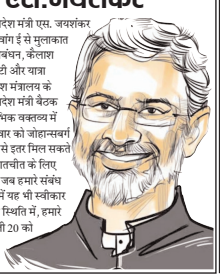

حج عمره و زيارات
बिस्मिल्लाह टूर एण्ड ट्रैवल्स (दधेड़ू वाले)
IATA
CERTIFIED ISO 9001:2015 COMPANY
हज, उमराह, ज़ियारत
25 अप्रैल 2025 उमरा टूर RS. 75,000/- 20 दिन
फुल रमजान उमरा पैकेज RS.1,20,000/-
मक्का होटल : 650 मीटर जोरत मानसिया और हुसैन मोद्दा सीमीलर
मदीना होटल: 800 मीटर पी0सी0 अल मदीना और अल फिरदौस सीमीलर
डाइरेक्ट फ्लाइट
होटल में रहना, खाना व ज़ियारत
मज़ीद जानकारी व बुकिंग के लिए राब्ता करें।
हाजी आलम - 9756508234
एयर टिकट, टूरिस्ट एण्ड बिजनेस वीज़ा के लिए सम्पर्क करें।
मुजफ्फरनगर ऑफिस: निकट सरवट गेट चौराहा, लताफत अली खान मार्किट, रूड़की रोड, मुजफ्फरनगर 0131-2644200, 7017145399, 8534039577
दिल्ली ऑफिस: 1-एफ, बिल्डिंग सेकण्ड फ्लोर, भरत नगर, न्यू फ्रैन्डस कॉलोनी, नई दिल्ली-110025 011-41251668, 9821106157
E-mail:bismillah786@gmail.com
www.bismillahtourandtravel.com info@bismillahtourandtravels.com

आशा कार्यकर्ताओं का पारिश्रमिक विडंबना: न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन

नई दिल्ली, वार्ता

राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग के अध्यक्ष न्यायमूर्ति वी. रामसुब्रमण्यन ने आशा कार्यकर्ताओं के पारिश्रमिक में सुधार के मुद्दे को एक 'विडम्बना' बताते हुए कहा है कई बार जो सबसे अधिक योगदान करते हैं उन्हें सबसे कम मिलता है। उन्होंने केंद्र और राज्यों से इसका समाधान निकालने को कहा है।

न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन शुक्रवार को यहां आशा कार्यकर्ताओं के विषय में आयोग द्वारा आयोजित कोर समूह की एक बैठक को संबोधित कर रहे थे। बैठक की अध्यक्षता करते हुए उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं की इस शिकायत का उल्लेख किया कि उनका पारिश्रमिक समाज में उनके योगदान के अनुपात में नहीं है। उन्होंने कहा कि विडंबना यह है कि कई बार जो सबसे अधिक योगदान देते हैं, उन्हें सबसे कम मिलता है, जो हाशिए पर पड़े लोगों की देखभाल करते हैं, वे खुद हाशिए पर चले जाते हैं। उन्होंने आशा कार्यकर्ताओं की कार्य स्थितियों और जीवन स्तर में सुधार के लिए ठोस नीति और कार्यान्वयन योग्य उपाय करने का भी आह्वान किया। आयोग

■ केन्द्र और राज्य सरकारों से समाधान निकालने को कहा

के अध्यक्ष ने देश में स्वास्थ्य सेवा क्षेत्र में सुधार के लिए पिछले 20 वर्षों में आशा कार्यकर्ताओं द्वारा किए गए उल्लेखनीय योगदान की सराहना की। इसका विषय था मान्यता प्राप्त सामाजिक स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं (आशाओं) को सशक्त बनाना: सम्मान के साथ काम करने के अधिकार को सुरक्षित करना। उन्होंने जोर देकर कहा कि आशा कार्यकर्ताओं के योगदान से नवजात और शिशु मृत्यु दर में कमी लाने में उल्लेखनीय प्रगति हुई है। न्यायमूर्ति रामसुब्रमण्यन ने आशा कार्यकर्ताओं की भूमिका की सराहना करते हुए कहा कि उन्होंने दिखाया है कि औपचारिक शिक्षा के बिना भी व्यक्तियों को कुशल श्रमिक बनने के लिए प्रशिक्षित किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि आज शिक्षित लोगों की संख्या बहुत है, लेकिन कुशल श्रमिकों की संख्या कम हो रही है। आशा योजना के माध्यम से इस अंतर को दूर किया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सार्वजनिक स्वास्थ्य और न्यूनतम मजदूरी तय करना राज्य का विषय है।

राजनीतिक मतभेद से ऊपर उठें और शिक्षा का राजनीतिकरण न करें स्टालिन: प्रधान

नई दिल्ली। केन्द्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेन्द्र प्रधान ने राष्ट्रीय शिक्षा नीति पर तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एम. के. स्टालिन के रूख की आलोचना करते हुए उनसे शिक्षा का राजनीतिकरण न करने तथा छात्रों के हित में राजनीतिक मतभेदों से उपर उठकर निर्णय लेने को कहा है। प्रधान ने स्टालिन द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति का विरोध किए जाने पर शुक्रवार को एक पत्र लिखकर यह हिदायत दी। केन्द्रीय मंत्री ने सोशल मीडिया प्लेटफार्म एक्स पर यह पत्र साझा करते हुए कहा कि किसी राज्य द्वारा राष्ट्रीय शिक्षा नीति को अदूरदर्शी दृष्टिकोण से देखना तथा राजनीतिक आख्यानों को बनाए रखने के लिए धमकियों का उपयोग करना अत्यधिक अनुचित है। सरकार विश्व स्तर पर शाश्वत तमिल संस्कृति और भाषा को बढ़ावा देने तथा लोकप्रिय बनाने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। मैं विनम्रतापूर्वक अपील करता हूं कि शिक्षा का राजनीतिकरण न करें तथा हमारे छात्रों के सर्वोत्तम हित में राजनीतिक मतभेदों से उपर उठें। प्रधान ने पत्र में लिखा है कि यह जरूरी है कि राज्य सरकार राजनीति से ऊपर उठे और ऐसी नीतियों को प्राथमिकता दे, जो हमारे छात्रों को भविष्य के लिए ज्ञान, कौशल और अवसरों से सशक्त बनाएं। राष्ट्रीय शिक्षा नीति केवल एक सुधार नहीं है, यह एक परिवर्तनकारी दृष्टि है, जो हमारी भाषाई और सांस्कृतिक विविधता को संरक्षित और मजबूत करते हुए भारत की शिक्षा प्रणाली को वैश्विक मानकों तक बढ़ाने का प्रयास करती है।

डोलाल्ड ट्रम्प ने भारत में अमेरिकी चुनावी फंडिंग को रिश्वतखोरी बताया

न्यूयार्क, वार्ता

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प ने तीन दिन में चौथी बार भारत में अमेरिकी चुनावी फंडिंग पर सवाल उठाया। उन्होंने बाइडेन प्रशासन की तरफ से भारत को दी गई 182 करोड़ रुपए की फंडिंग को रिश्वतखोरी बताया। ट्रम्प ने कहा कि मैं हैरान हूं, इतना पैसा पाकर भारत क्या सोचता होगा। ये एक किक-बैक स्कीम है। जो लोग ये पैसा भारत को भेज रहे हैं, उसका कुछ हिस्सा लौटकर उन्हीं लोगों के पास आ रहा है।

ट्रम्प ने कहा कि मैं इसकी परवाह क्यों करूं, हमारी अपनी परेशानियां कम नहीं हैं। हमने ये सारी स्कीमें बंद कर दी हैं। अब हम सही रास्ते पर हैं। ट्रम्प रिपब्लिकन पार्टी के स्टेट गवर्नर्स की बैठक में शामिल हुए थे। ट्रम्प अमेरिकी शहर मियामी में

सऊदी सरकार की फ्यूचर इंवेस्टमेंट इनिशिएटिव समिट में बोल रहे थे। इससे पहले ट्रम्प ने गुरुवार को पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडेन पर भारत के आम चुनाव में दखल देने का आरोप लगाया था। उन्होंने कहा कि बाइडेन का प्लान भारत में किसी अन्य नेता (नरेंद्र मोदी के अलावा) को चुनाव जिताने का था। उन्होंने कहा कि बाइडेन प्रशासन ने भारत में वोटर

■ कहा- मैं परवाह क्यों करूं, हमारी अपनी बहुत परेशानियां, तीन दिन में जारी किया चौथा बयान

टर्नआउट बढ़ाने के लिए 182 करोड़ रुपए का फंड मुहैया कराया। ट्रम्प ने कहा कि ये बड़ा खुलासा है, हम इस बारे में भारत सरकार को बताएंगे। इस दौरान उन्होंने कहा कि यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फार इंटरनेशनल डेवलपमेंट ने वोटर टर्नआउट बढ़ाने के नाम पर भारत को 182 करोड़ रुपये का फंड दिया। अमेरिकी चुनाव में रूस ने सिर्फ दो हजार डालर (1.73 लाख रुपये) का इंटरनेट विज्ञापन दिया तो मुद्दा बना था, जबकि अमे. रिका भारत को बड़ी रकम दे रहा था।

संक्षिप्त समाचार

गुजराती पटेल यूएस एजेंसी एफबीआई के डायरेक्टर

वॉशिंगटन। भारतीय मूल के कश्यप काश पटेल, अमेरिकी जांच एजेंसी फेडरल ब्यूरो ऑफ इन्वेस्टिगेशन (एफबीआई) के डायरेक्टर बन गए है। अमेरिकी संसद के ऊपरी सदन सीनेट ने उनकी नियुक्ति को मंजूरी दे दी है। गुरुवार को वोटिंग के दौरान उन्हें 51.49 के मामूली बहुमत से पद के लिए चुना गया। डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों के अलावा पटेल के विरोध में दो रिपब्लिकन सांसद सुसान कॉलिन्स और लिसा मर्कोव्स्की दोमात्र ने भी वोट किया। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के सांसदों को इस बात का डर है कि काश पटेल पद संभालने के बाद डोनाल्ड ट्रम्प के आदेशों का पालन करेंगे और उनके विरोधियों को निशाना बनाएंगे। मंजूरी मिलने के बाद पटेल ने राष्ट्रपति ट्रम्प और अटॉर्नी जनरल पाम बॉन्डी को उनके समर्थन के लिए धन्यवाद दिया।

अमेरिका से निकाले गए 300 अप्रवासी पनामा में कैद

पनामा। अमेरिका ने 300 अवैध अप्रवासियों को डिपोर्ट करके पनामा भेजा है। यहां इन लोगों को एक होटल में हिरासत में रखा गया है। इन अप्रवासियों में भारत के अलावा नेपाल, श्रीलंका, पाकिस्तान, अफगानिस्तान, चीन, वियतनाम और ईरान के लोग शामिल हैं। ये लोग अपने देश लौटने को तैयार नहीं हैं। होटल की खिड़कियों से ये लोग मदद की गुहार लगा रहे हैं। कुछ लोग कागजों पर 'हमारी मदद करें' और 'हमें बचाएं' लिखकर खिड़की से दिखा रहे हैं। अमेरिका अवैध अप्रवासियों को उनके देश डिपोर्ट करने के लिए पनामा को पड़ाव के तौर पर इस्तेमाल कर रहा है। इसके लिए पनामा के अलावा ग्वाटेमाला और कोस्टारिका के साथ भी करार किया है।

वाराणसी में हाईवे पर हादसा, पांच लोगों की मौत

वाराणसी। मिर्जामुराद थाना क्षेत्र के रूपापुर (भेड़हरा) गांव के समीप नेशनल हाईवे पर शुक्रवार की सुबह खड़े एक ट्रक में महाकुंभ की तरफ जा रही क्रूजर ओवर टेक करने के दौरान हादसे का शिकार हो गई, जिसमें महिला समेत पांच लोगों की मौत हो गई। इस घटना में एक महिला का सिर धड़ से अलग हो गया था। इस बाबत 108 एंबुलेंस के प्रभारी कृष्ण देव ने बताया कि घटना की सूचना मिलने पर पांच एंबुलेंस मौके पर भेजी गई थी। क्रूजर में कर्नाटक के रहने वाले 11 लोग सवार थे। इसमें पांच लोग की मौत हुई है। मरने वालों में कर्नाटक के संतोष कुमार, सुनीता, गणेश, शिवकुमार सहित अन्य लोग हैं। कार में कुल 13 लोग सवार थे, जिसमें 7 श्रद्धालु गंभीर रूप से घायल हो गए।

रेखा गुप्ता, प्रवेश ने की धनखड़ से शिष्टाचार भेंट

नई दिल्ली। दिल्ली की नवनियुक्त मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता और मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने शुकवार को उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ से शिष्टाचार भेंट की। उप राष्ट्रपति सचिवालय ने यहां यह जानकारी दी। गुप्ता सुबह उपराष्ट्रपति निवास पहुंची और धनखड़ से मुलाकात की। उनके साथ दिल्ली के लोक निर्माण विकास, संसदीय मामले, सिंचाई एवं बाढ़ नियंत्रण, जल और गुरुद्वारा चुनाव मंत्री प्रवेश साहिब सिंह भी थे। सचिवालय ने इस मुलाकात को शिष्टाचार भेंट बताया है।

कांग्रेस संगठन को मजबूत करें कार्यकर्ता: राहुल

रायबरेली, वार्ता

कांग्रेस नेता और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को रायबरेली में युवाओं को संबोधित करते हुए बीजेपी पर जमकर हमला बोला और कहा कि अगर आप रोजगार चाहते हो, तो छोटे व्यापारियों को मजबूत करना होगा। जीएसटी सिस्टम को बदलना होगा, जितनी जीएसटी आप देते हैं उतनी अडाणी देते हैं। मोदी अमेरिका में जाकर कहते है कि मेरा पर्सनल मैटर है।

कांग्रेस नेता और लोकसभा सांसद राहुल गांधी दो दिवसीय रायबरेली के दौरे पर हैं। इस दौरान उन्होंने युवा संवाद के दौरान पार्टी कार्यकर्ताओं से संगठन को मजबूत करने और 2027 के उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनावों की तैयारी शुरू करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि उस बैंक का दरवाजा आपके लिए खोलना होगा, जो आज बड़े-बड़े लोगों के लिए हो। उन्होंने कहा कि यूपी सरकार फेल्योर सरकार है, काम करना आता नहीं, उल्टी सीधी बातें करते रहते हैं। दिल्ली की सरकार फेल सरकार है। इसको हटाइये और कांग्रेस की सरकार लाइए। उन्होंने कहा कि दो हिन्दुस्तान है-एक अडाणी, अंबानी

■ कांग्रेस नेता ने बीजेपी पर जमकर बोला हमला

और एक गरीबों का। आपने जो शादी देखी वो उनका नहीं, आपका पैसा है। दो हिंदुस्तान नहीं चाहिए, आपको डरना नहीं चाहिए, सवाल पूछना चाहिए। रोजगार कब पैदा होंगे, बेरोजगारी कब खत्म होगी।

इससे पहले राहुल गांधी ने शुक्रवार को पार्टी कार्यकर्ताओं से मुलाकता की। राहुल गांधी से पार्टी कार्यकर्ताओं की मुलाकात उनके संसदीय आवास भुएमऊ में हुई। उन्हें विभिन्न मुद्दों, खासकर दलितों से संबंधित मुद्दों से अवगत कराया गया। रायबरेली में कांग्रेस अनुसूचित जाति विंग के अध्यक्ष सुनील कुमार गौतम ने मुलाकात के बाद कहा कि समुदाय के 12 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने राहुल गांधी से उनके भुएमऊ आवास पर मुलाकात की। गौतम ने बताया कि उन लोगों ने अनुसूचित जाति समुदाय से संबंधित मुद्दों को लेकर बातचीत की।

आरएसएस-भाजपा को विदेशी एजेंसियों से मिलती है गुप्त सहायता : कांग्रेस

लोकतंत्र अस्थिर करने को ले रहे मदद

नई दिल्ली, वार्ता

कांग्रेस पार्टी ने शुक्रवार को दावा किया कि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) और भारतीय जनता पार्टी देश में लोकतंत्र को अस्थिर करने और संवैधानिक संस्थाओं को ध्वस्त करने के लिए विदेशी एजेंसियों से गुप्त सहायता ले रहे हैं और इसके सबूत उसके पास हैं।

पार्टी ने कहा है कि मोदी सरकार अमेरिका की सरकारी एजेंसी यूएसएड द्वारा भारत के चुनावों को प्रभावित करने के लिए धन देने के मामले को लेकर इस समय जो प्रचार कर रही है, वह वास्तव में असली मुद्दों को भटकाने की उसकी कोशिश है, क्योंकि खुद सत्ता पक्ष से जुड़े लोग प्रदेश की एजेंसियों से सहायता लेते रहे हैं। कांग्रेस संचार विभाग के प्रमुख पवन खेड़ा ने यहां पार्टी मुख्यालय पर संवाददाता सम्मेलन में कहा कि कांग्रेस पहले ही भारत में यूएसएड फंडिंग पर श्वेतपत्र की मांग कर चुकी है, यह स्पष्ट कर दें कि हम वैश्विक भागीदारी विकास एजेंसियों, यूएसएड जैसी सहायता तंत्रों को बेईमान नहीं मानते। खेड़ा ने कहा कि भाजपा ही

■ देश में संवैधानिक संस्थाओं को किया जा रहा ध्वस्त: पवन खेड़ा

■ पीएम मोदी सुनते रहे ट्रम्प की धमकी

सबसे पहले 'डीप स्टेट' की कहानी शुरू की और यूएसएड को बदनाम करना शुरू किया था। उन्होंने कहा कि हालांकि हमारे पास पर्याप्त सबूत हैं कि आरएसएस-भाजपा भारतीय लो. कतंत्र को अस्थिर करने और हमारे संविधान को ध्वस्त करने के लिए विदेशी एजेंसियों से गुप्त सहायता ले रही है। कांग्रेस प्रवक्ता ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की पिछली अमेरिका यात्रा का जिक्र करते हुए कहा कि जब राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप अपने यहां आयातित सामानों पर 'जवाबी शुल्क' लगाने और ब्रिक्स समूह को खत्म करने की बात कर रहे थे, तो मोदी मुस्कुरा रहे थे। उन्होंने कहा कि इस तरह हमारे प्रधानमंत्री अमेरिकी राष्ट्रपति की धमकी सुनते रहे और चुपचाप स्वदेश वापस आ गए और अब मोदी सरकार कह रही है कि उसे अस्थिर करने के लिए अमेरिका से धन लिया गया है।

मोदी की यात्रा के बाद भी नहीं रुक रहा अमेरिका में भारतीयों का अपमान: कांग्रेस

नई दिल्ली। कांग्रेस ने कहा है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अमेरिका यात्रा के बाद भी वहां भारतीयों का अपमान नहीं रुक रहा है और भारतीय नागरिकों को स्वदेश भेजने की बजाय लैटिन अमेरिकी देशों में भेजा जा रहा है। कांग्रेस महासचिव केसी वेणुगोपाल ने कहा कि मोदी अमेरिका के नव नियुक्त राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को मित्र बताते हुए उनसे बातचीत कर स्वदेश आ गए हैं, लेकिन उनके लौटने के महज एक सप्ताह बाद वहां से भारतीय नागरिकों को वापस भेजने की बजाय लैटिन अमेरिकी देशों में भेजा जा रहा है।

दिल्ली में कांग्रेस की बदौलत जीती भाजपा: मायावती

लखनऊ। कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए बहुजन समाज पार्टी अध्यक्ष मायावती ने शुक्रवारको कहा कि बसपा पर उंगुली उठाने से पहले उन्हे अपने गिरेबान में झांक कर देख लेना चाहिए था। उन्होंने कहा कि दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस भाजपा की बी टीम बन कर चुनाव मैदान पर उतरी, जिसके कारण भाजपा को दिल्ली की सत्ता में आने का मौका मिला। इससे पहले रायबरेली के दौरे पर आए गांधी ने बसपा पर प्रहार करते हुए कहा था कि लोकसभा चुनाव में बसपा भाजपा की बी टीम बन कर चुनाव में उतरी।

उन्हें नहीं पता कि बसपा अध्यक्ष ने ऐसा क्यों किया। यदि बसपा अध्यक्ष मायावती ने कांग्रेस का साथ दिया होता, तो भाजपा केंद्र की सत्ता में नहीं आती। गांधी के बयान पर पलटवार करते हुए सुश्री मायावती ने एक्स पर सिलसिलेवार ट्वीट में कहा कि कांग्रेस ने दिल्ली विधानसभा आमचुनाव में इस बार बीजेपी की बी टीम बनकर चुनाव लड़ा, यह आम चर्चा है, जिसके कारण यहां बीजेपी सत्ता में आ गई है। वरना इस चुनाव में कांग्रेस का इतना बुरा हाल नहीं होता कि यह पार्टी अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत भी न बचा पाए। अतः इस पार्टी के सर्वेसर्वा राहुल गांधी को किसी भी मामले में दूसरों पर व खासकर बीएसपी की प्रमुख पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में भी जरूर झांक कर देखना चाहिए, तो यह बेहतर होगा। इनको यही सलाह। उन्होंने कहा कि दिल्ली में बनी नई भाजपा सरकार को यहां चुनाव में खासकर जनहित व विकास सम्बंधी किए गए अपने तमाम वादों को समय से पूरा करने की चुनौती है, वरना आगे चलकर इस पार्टी का भी हाल कहीं कांग्रेस जैसा बुरा ना हो जाए।

अर्थ व्यापार

बिकवाली के चलते चौथे दिन भी टूटा बाजार

मुंबई, वार्ता

अमेरिका की संभावित जवाबी टैरिफ और विदेशी निवेशकों की लगातार जारी बिकवाली को लेकर बढ़ती चिंताओं के कारण शुक्रवार को शेयर बाजार में चौथे दिन भी गिरावट का सिलसिला जारी रहा।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 424.90 अंक अर्थात 0.56 प्रतिशत का गोता लगाकर 75,311.06 अंक और नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 117.25 अंक यानी 0.51 प्रतिशत कमजोर रहकर 22,795.90 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह बीएसई का मिडकैप 1.18 प्रतिशत लुढ़ककर 40,374.02 अंक और स्मॉलकैप 0.43 प्रतिशत उतरकर 45,856.00 अंक पर आ गया। इस दौरान बीएसई में कुल 4060 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2246 में बिकवाली जबकि 1701 में लिवाली हुई, वहीं

113 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी 37 कंपनियों में गिरावट, जबकि 13 में तेजी रही।

बीएसई में धातु की 1.23 प्रतिशत की तेजी को छोड़कर अन्य 20 समूहों में गिरावट का रुख रहा। इससे ऑटो 2.60, कमोडिटीज 0.01, सीडी 1.49, ऊर्जा 0.86, एफएमसीजी 0.51, वित्तीय सेवाएं 0.45, हेल्थकेयर 1.60, इंडस्ट्रियल्स 0.11, आईटी 0.71, दूरसंचार 1.19, यूटिलिटीज 0.21, बैंकिंग 0.82, कैपिटल गुड्स 0.06, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.87, तेल एवं गैस 1.42, पावर 0.31, रियल्टी 1.33, टेक 0.54, सर्विसेज 0.70 और फोकस्ड आईटी समूह के शेयर 0.84 प्रतिशत लुढ़क गया। अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर मिला. जुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफटीएसई 0.04, जापान का निक्केई 0.26, हांगकांग का हैंगसेंग 3.99 और चीन का शंघाई कंपोजिट 0.85 प्रतिशत चढ़ गया, जबकि जर्मनी के डैक्स में 0.06 प्रतिशत की गिरावट रही। शुरुआती कारोबार में सेंसेक्स 123 अंक गिरकर 75,612.61 अंक पर खुला, लेकिन लिवाली होने से थोड़ी देर बाद ही 75,748.72 अंक के उच्चतम स्तर पर पहुंच गया। वहीं बिकवाली होने से यह लगातार गिरता हुआ दोपहर बाद 75,112.41 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया।

अंत में पिछले दिवस के 75,735.96 अंक के मुकाबले 0.56 प्रतिशत की गिरावट लेकर 75,311.06 अंक पर बंद हुआ। इसी तरह निफ्टी भी 56 अंक उतरकर 22,857.20 अंक पर खुला और सत्र के दौरान 22,921.00 अंक के उच्चतम जबकि 22,720.30 अंक के निचले स्तर पर रहा।

विदेशी मुद्रा भंडार गिरकर 635.7 अरब डॉलर पर

मुंबई। विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति में भारी गिरावट से 14 फरवरी को समाप्त सप्ताह में देश का विदेशी मुद्रा भंडार तीन सप्ताह बाद 2.54 अरब डॉलर लुढ़ककर 635.7 अरब डॉलर पर आ गया। वहीं इसके पिछले सप्ताह देश का विदेशी मुद्रा भंडार लगातार तीसरे सप्ताह चढ़ता हुआ 7.7 अरब डॉलर की बढ़ोतरी लेकर 638.3 अरब डॉलर पर रहा था। रिजर्व बैंक की ओर से शुक्रवार को जारी साप्ताहिक आंकड़े के अनुसार 14 फरवरी को समाप्त सप्ताह में विदेशी मुद्रा भंडार के सबसे बड़े घटक विदेशी मुद्रा परिसंपत्ति 4.52 अरब डॉलर की गिरावट लेकर 539.6 अरब डॉलर पर आ गई। वहीं इस अवधि में स्वर्ण भंडार 1.94 अरब डॉलर के इजाफे के साथ 74.2 अरब डॉलर हो गया। इसी तरह आलोच्य सप्ताह विशेष आहरण अधिकार 1.9 करोड़ डॉलर बढ़कर 17.9 अरब डॉलर हो गया।

खाद्य तेलों में टिकाव, मसूर दाल महंगी

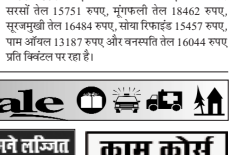

नई दिल्ली, वार्ता

विदेशी बाजारों के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर मांग सुस्त रहने से शुक्रवार को दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा, जबकि मसूर दाल महंगी हो गई, वहीं अन्य जिंसों के भाव स्थिर रहे।

तेल-तिलहन: वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में मार्च का पाम ऑयल वायदा 33 रिंगिट उतरकर 4849 रिंगिट प्रति टन पर पहुंच गया। वहीं मार्च का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.23 सेंट की गिरावट के साथ 47.03 सेंट प्रति पौंड बोला गया। इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ। गुड़-चीनी: मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। दाल-दलहन: दाल-दलहन के बाजार में मसूर दाल में 50 रुपए प्रति क्विंटल की तेजी को छोड़कर अन्य दालों में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मसूर दाल, और अरहर दाल के भाव पिछले दिवस के स्तर पर पड़े रहे। अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान गेहूं और चावल के दाम पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे। सरकारी

वेबसाइट पर जारी खाद्यान्नों के थोक दाम इस प्रकार रहे:- दाल-दलहन: चना 6000-6100, दाल चना 7000-7100, मसूर काली 7350-7450, मूंग दाल 9400-9500, उड़द दाल 9000-9100, अरहर दाल 7750-7850 रुपए प्रति क्विंटल रहे।

अनाज : (भाव प्रति क्विंटल) गेहूं दड़ा 3100-3200 रुपए और चावल : 3150-3250 रुपए प्रति क्विंटल रहा। चीनी-गुड़: चीनी एस. 4280-4380, चीनी एम. 4300-4400, मिल डिलीवरी 3620-3720 और गुड़ 4250-4350 रुपए प्रति क्विंटल बोले गए। खाद्य तेल: सरसों तेल 15751 रुपए, मूंगफली तेल 18462 रुपए, सूरजमुखी तेल 16484 रुपए, सोया रिफाइंड 15457 रुपए, पाम ऑयल 13187 रुपए और वनस्पति तेल 16044 रुपए प्रति क्विंटल पर रहा है।

प्रथम पृष्ठ के शेष...

नया भू-कानून...

इतिहास में पहली बार हुआ है कि वन भूमि पर इतना बड़ा कब्जे हटाने का अभियान चलाया है। सरकार ने पिछले दिनों अवैध कब्जे हटाने के अभियान में वन भूमि पर अवैध कब्जों को हटाने का काम किया था, जिससे इकोलॉजी और इकोनॉमी को संरक्षित करने का काम करेगा। देखा गया है कि तमाम लोगों ने जिस प्रयोजन के लिए जमीन खरीदी थी उसका उपयोग उस कार्यों के लिए नहीं किया गया है। राज्य में कृषि एवं औद्योगिक प्रयोजन के लिए भूमि क्रय की अनुमति 11 जनपदों में समाप्त कर दी गई है। केवल हरिद्वार और ऊधमसिंहनगर में कलेक्टर की बजाए सिर्फ राज्य सरकार के स्तर से ही निर्णय लिया जाएगा। और ये केवल किसी भी व्यक्ति के पक्ष में 12.5 एकड़ के लिए ही अनुमति दी जाएगी। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा है कि राज्य में आवासीय प्रयोजन के लिए 250 वर्ग मीटर के लिए भी शपथ पत्र देना होगा, शपथ पत्र गलत पाए जाने पर उसको सरकार में निहित कर दिया जाएगा। गौरतलब है कि राज्य में हरिद्वार और ऊधमसिंह नगर जनपद में औद्योगिक निवेश बड़ी मात्रा में है।

दिल्ली सीएम....

नियुक्त किया था उन्हें फौरन अपने मूल विभाग में रिपोर्ट करने को कहा गया है। मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता शुक्रवार दोपहर सचिवालय पहुंची और मंत्रियों-अफसरों के साथ मीटिंग की। इसमें दिल्ली जल बोर्ड, पीडब्ल्यूडी और स्वास्थ्य विभाग के अधिकारियों को खास तौर पर बुलाया गया था। मीटिंग में खराब सड़कों, पानी और मोहल्ला क्लिनिक को मॉडिफाई करने पर चर्चा हुई। शपथ लेने के बाद रेखा गुप्ता ने पहली कैबिनेट मीटिंग में दिल्ली में आयुष्मान योजना लागू करने पर मुहर लगाई।

उन्होंने कहा कि 24 फरवरी से विधानसभा का सत्र बुलाया जाएगा, जो 27 फरवरी तक चलेगा। इसमें स्पीकर और डिप्टी स्पीकर पर फैसला हो सकता है। नए विधायक भी इसी दिन शपथ लेंगे। विधानसभा अध्यक्ष पद के उम्मीदवार विजेंद्र गुप्ता ने शुक्रवार को कहा कि अरविंदर सिंह लवली प्रोटेम स्पीकर होंगे। उन्होंने बताया कि सत्र में 25 फरवरी को कैग की सभी 14 पेंडिंग रिपोर्ट पेश होंगी। रिपोर्ट में कहा गया है कि 'आप' सरकार की शराब नीति में गड़बड़ी से दिल्ली को 2026 करोड़ रुपये का नुकसान हुआ है।

पाकिस्तान में मिनी-बस नाले में गिरी, आठ लोगों की मौत

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के पूर्वी पंजाब प्रांत में शुक्रवार तड़के एक खुले नाले में मिनीबस के गिरने से कम से कम आठ लोगों की मौत हो गई ओर अन्य दो घायल हो गए। स्थानीय पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने स्थानीय मीडिया को बताया कि यह दुर्घटना पूर्वी पंजाब प्रांत के कसूर जिले में उस समय हुई, जब मिनीबस एक संगीत समूह के सदस्यों को लेकर एक विवाह समारोह से लौट रही थी और अनियंत्रित होकर सड़क से लुढ़ककर नाले में गिर गई। दुर्घटना की सूचना मिलने पर बचाव टीमें और पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को नजदीकी अस्पताल में भेजा गया। आठ लोगों की मौके पर ही मौत हो गई थी, जबकि अन्य दो को चोटें आई हैं। बचाव अधिकारियों ने बताया कि प्रारंभिक रिपोर्ट से पता चला है कि वाहन चलाते समय चालक को अचानक से झपकी लग गई, जिसके कारण यह दुर्घटना हुई। पाक में सड़क दुर्घटनाएं एक चिंताजनक मुद्दा बन गई हैं, पिछले कुछ वर्षों में दुर्घटनाओं की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। लापरवाही से वाहन चलाना, सड़कों की खराब स्थिति और अपर्याप्त वाहन रखरखाव उच्च दुर्घटना दर के प्राथमिक कारणों में से हैं।

शाह टाइम्स क्लासीफाईड्स Sale

काले इल्म व सिपली इल्म की काली तांत्रिक शक्तियों का चमत्कार सात घंटों में अपनी आंखों से देखें।
पंडित जी शर्मा
9634608433
जैसे:- नौकरी, व्यापार, कारोबार, पति-पत्नी में झगड़ा, लव मैरिज में अड़चन, शादी में रुकावट, प्यार में धोखा खाये प्रेमी व प्रेमिका एक बार अवश्य फोन करें। आपका बेटा-बेटी, पति-पत्नी किसी के वश में हो महावशीकरण करवाएं या तुड़वाएं, सौतन-दुश्मन को अपनी आंखों के सामने तड़पता देखें, घर में खून के छींटे या प्रेत आत्माओं का साया।
My Promise आपका प्यार टूटने नहीं दूंगा। महावशीकरण व मुठकरनी के स्पेशलिस्ट
माताएं व बहनें घर बैठे गारंटीड समाधान करवाएं। 21 वर्षों से आपकी सेवा में
अजमेर शरीफ

स्त्री के सामने लज्जित होने से बेहतर है
आज ही इलाज करा लेना खोई हुई मर्दाना ताकत दोबारा प्राप्त करने के लिए आज ही मिलें या फोन करें।
काजीजादा, अमरोहा-UP
हाशमी दवाखाना
9997161320, 8272800800

काम कोर्स
उदास क्यों?
अधिक संतुष्टि, हैरतअंगेज पावर, शीघ्रपतन, नपुंसकता, बचपन की गलतियों से हमेशा के लिए छुटकारा।
फोन कर घर बैठे औषधियां डाक द्वारा प्राप्त करें।
ऋषि इन्टरनेशनल
08899787114
09808917010

Cipzer
— HEALTH WITH CARE —
हैल्थ प्लस सिरप
खून की कमी, भूख ना लगना, विटामिन व हार्मोन्स की कमी, शारीरिक दुर्बलता, गर्भवती महिला, दूध का कम बनना, लीवर व पेट की समस्याओं में उपयोगी
प्रमुख मेडिकल स्टोर पर उपलब्ध।
86 8484 5757 info@cipzer.com

वैधानिक सूचना
पाठकों को सुझाव दिया जाता है कि इस अखबार में प्रकाशित होने वाले सभी विज्ञापनों पर कार्यवाही करने से पहले पूरी जांच-पड़ताल कर लें तथा उचित सलाह ले लें। कोई भी अभिदाता जो इस अखबार में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन के संदर्भ में कोई राशि भेजता है, किसी चिकित्सीय सलाह पर कोई कार्यवाही या खर्च करता है या कोई वचन देता है, तो ऐसा वह स्वविवेक, बुद्धि तथा जोखिम पर करेंगे। कम्पनी, प्रकाशक या उसका कोई कर्मचारी विज्ञापनदाता या उसके किसी उत्पाद या सेवा हेतु किये गये किसी दावे की सच्चाई का आश्वासन नहीं देते तथा ऐसे विज्ञापनों विश्वास करके किसी व्यक्ति को हुई क्षति, हानि परिणाम के लिए जिम्मेदार नहीं होंगे।

विस में सशक्त भू कानून पास होने पर भट्ट ने दी प्रदेश वासियों को बधाई

देहरादून । भाजपा ने विधानसभा में सशक्त भू कानून पास होने पर समस्त प्रदेशवासियों को बधाई दी है।

प्रदेश अध्यक्ष महेंद्र भट्ट ने जनभावनाओं के अनुरूप राज्य की भू संपदा के संरक्षण वाले इस कानून के लिए मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी का आभार व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि लंबे समय से प्रदेश में लागू वर्तमान भू कानून में सुधार करते हुए अधिक कठोर बनाने की जरूरत महसूस की जा रही थी। भाजपा राज्य निर्माण से लेकर इस संवेदनशील मुद्दे पर बेहद गंभीर रही है। राज्य में विशेषकर पर्वतीय क्षेत्रों में सीमित भूमि होने से उन पर लगातार माफियाओं द्वारा अतिक्रमण करने की कोशिशें की जा रही हैं। इसे समझते हुए विधेयक लाने से पूर्व ही मुख्यमंत्री धामी के निर्देश पर प्रशासन द्वारा सत्त मंशा से खरीदी जमीनों पर कठोर कार्यवाही की जा रही हैं। भट्ट ने कहा कि हम विश्वास पूर्वक कह सकते हैं कि अब इस कानून के धरातल पर उतरने से देवभूमि की पवित्र भूमि पर कोई गलत निगाह नहीं डाल सकता है।

सदन में गूंजा भ्रष्टाचार का मुद्दा, विपक्ष ने उठाए सवाल

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को भोजनावकाश के बाद शुरू हुई सदन की कार्रवाई के दौरान विपक्ष ने सदन में नियम 58 के तहत भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सत्ता पक्ष को घेरा।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने भ्रष्टाचार के मामले को लेकर खुलकर प्रदेश सरकार को घेरा। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि राज्य में हर जगह भ्रष्टाचार का बोल. बाला है। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में बाहर से विभागों में अधिकारी आयतित हो रहे हैं।

राज्य में अवैध खनन जोरों से चल रहा है। उन्होंने कहा कि उद्यान विभाग में बड़ा घोटाला हुआ। ये जांच में भी साबित हुआ है।नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि उद्यान विभाग घोटाले में तत्कालीन निदेशक की बड़ी भूमिका रही।जमरानी बांध परियोजना में नियमों की अनदेखी करते हुए ठेके आवॉटेट कर दिए गए। हरिद्वार में मेडिकल कॉलेज पीपीपी मोड पर दे दिया गया जिससे वहां सब कुछ महंगा हो गया।

उन्होंने कहा कि भाजपा की सरकार में भ्रष्टाचार की सारी सीमाएं लंघा दी गई हैं। प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री और हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत खनन को लेकर आवाज उठा चुके हैं। उन्होंने उत्तराखंड सरकार को कटघरे में खड़ा करने का काम किया है। बिना कमीशन खोरी के भाजपा राज में कोई काम नहीं हो रहा है ।

आम आदमी से लेकर व्यापारी तक को इसका शिकार बनना पड़ रहा है। नेता प्रतिपक्ष ने वागेश्वर में खड़िया खनन को लेकर भी सदन में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कोर्ट कमिश्नर रिपोर्ट तक खा गया और कोर्ट कमिश्नर ने घूस लेने की को. शिश की। उन्होंने कहा कि देहरादून, हरिद्वार, उधम सिंह नगर और नैनीताल में खनन व्यवसाय माफिया चला रहे हैं। उन्होंने खनन करने में सरकारी एजेंसियों को भी निशाने पर लिया और कहा कि सरकारी एजेंटियों ने अवैध खनन कराया है और वे इसमें

संलिप्त हैं। गढ़वाल मंडल विकास निगम और वन विभाग अवैध खनन रोकने में विफल साबित हुए हैं

। उन्होंने कहा कि सरकार के इन काले कारनामों का हाई कोर्ट संज्ञान ले रहा है। तीन मामलों में सीबीआई जांच की संस्कृति कर दी है। सुप्रीम कोर्ट ने भी आदेश पारित किया कि सीबीआई जांच होनी चाहिए।

हिल स्टेशन मसूरी में पर्यटन विकास

अवैध खनन, उद्यान विभाग घोटाला , सरकारी दफ्तरों में घूसखोरी सहित अनेक मुद्दों पर सदन में कांग्रेस विधायकों ने रखी अपनी बात, संसदीय कार्य मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने विपक्ष के सभी सवालों का जवाब दिया

परिषद की 142 एकड़ जमीन को एक अधिकारी ने ।

करोड़ रुपये वार्षिक लीज पर किराया पर दे दिया। उन्होंने कहा कि सरकार व अधिकारियों को ये अधिकार किसने दिया। नेता प्रतिपक्ष ने कहा कि एशियन बैंक से 23 करोड़ रुपये लोन लेकर उसका समतल. ीकरण किया गया।

उसके बाद चहेतों को बांट दी गई। उपनेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी ने भी सरकार को भ्रष्टाचार के मुद्दे पर घेरा। उन्होंने कहा कि नए भ्रष्टाचार के कीर्तिमान सरकार ने स्थापित किए हैं। बुलडोजर लेकर सरकार अवैध निर्माण के खिलाफ अभियान चला रही है, दूसरी तरफ अपने चहेतों को सस्ती दरों में जमीन आवंटन कर रही है। आउट सोर्स से बड़े पैमाने पर भ्रष्टाचार किया जा रहा है। जिसमें कंपनियां वेतन नहीं दे रही हैं। युवा इसके बाद सैलरी के लिए लिए भटक रहे हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस विधायक रवि बहादुर ने भी सदन में अपनी बात रखी। उन्होंने कहा हरिद्वार में बड़े पैमाने पर खनन माफिया के हौसले बुलंद है. ज्वालापुर विधानसभा में खनन से अभी तक कई मौतें हो चुकी हैं। अलग-अलग तरीके से रॉयल्टी जारी कर खनन की खुली छूट दी जा रही है।एक व्यक्ति को 20-20 टॅडर दिए जा रहे हैं, जिसके चलते काम समय पर पूरे नहीं हो पाते हैं। भ्रष्टाचार के मुद्दे पर कांग्रेस विधायक ममता राकेश ने कहा कि सरकारी विभागों में भ्रष्टाचार हरि है बिना पैसा दिए कोई काम नहीं हो रहा है । उन्होंने कहा कि पटवारी तक पैसे लिए बिना कोई काम नहीं कर रहे हैं। हरिद्वार में पिछले 25 सालों से चकबंदी चल रही है।

पटवारी अपना फोन बंद किए रहते हैं। अनुसूचित जाति की लड़कियों की शादी के लिए मिलने वाले 50000 के अनुदान के लिए 10000 तक मांगे जाते हैं। उत्तराखंड पावर कारपोरेशन में भी कम भ्रष्टाचार नहीं है गरीब किसानों से नलकूप कनेक्शन के नाम पर पैसा मांगा जा रहा है। सरकारी अस्पतालों में एक्सपायरी दवा जा रही है जो भ्रष्टाचार की ओर इशारा करती है।

गोपाल सिंह राणा ने भी दाखिल-खारिज में भ्रष्टाचार सवाल उठाए। वहीं, संसदीय कार्य मंत्री डॉ. प्रेमचंद अग्रवाल ने विपक्ष के सभी सवालों का जवाब देते हुए कहा कि भ्रष्टाचार का आरोप लगाया पुरानी बात है। उन्होंने विपक्ष के एक एक मुद्दे का जवाब दिया।

राज्य के संसाधनों व जमीनों को भू माफियाओं से बचाए रखना संकल्प: सीएम

मुख्यमंत्री धामी ने भू कानून पर दी सदन में जानकारी
नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा,उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था संशोधन विधेयक 2025 को प्रवर समिति को भेजा जाए

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून।विधानसभा सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को सदन के पटल पर कई प्रस्ताव रखे गये। इस दौरान सीएम पुष्कर सिंह धामी ने सदन में उत्तराखंड भू कानून को लेकर उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था संशोधन विधेयक 2025 सदन के पटल पर रखा। जिस पर विपक्ष ने चर्चा की मांग की।

चर्चा के बाद भू कानून को पारित कर दिया गया।

इससे पहले भू कानून पर सीएम धामी ने सदन में जानकारी देते हुए कहा कि उनकी सरकार ने ऐतिहा. सिक निर्णय लिये हैं। लोगों की जनभावनाओं के अनुरूप निर्णय लिये जा रहे हैं। उत्तराखंड के संसाधनों को भू माफिया से बचाने के लिए कोशिशें की जा रही हैं।सीएम धामी ने कहा कि उत्तराखंड में पहाड़ी इलाकों के साथ ही मैदानी इलाके भी हैं।जिनकी भौगोलिक परिस्थितियां अगल अलग हैं। इसके साथ ही इन्वेस्टर्स को भी ध्यान में रखा जा रहा है। इन सभी मुद्दों को समाहित करते हुए सरकार ने भू सुधार की नींव रखी है। सीएम धामी ने कहा ये एक शुरुआत है। इसके बाद इसमें आगे भी काम किया जाएगा।

सीएम धामी ने कहा पिछले कुछ सालों में बाहरी लोगों ने जमीनें खरीदी। जिसका उपयोग नहीं किया जा रहा था। इस कानून के लागू होने के बाद ये समस्या नहीं होगी। इससे भू माफिया को पहचानने में मदद

मिलेगी। सीएम धामी ने कहा कि प्रदेश सरकार लगातार अतिक्रमण हटाने का काम कर रही है। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार इकोनॉमी और ईकोलॉजी को ध्यान में रखकर काम किया जा रहा है। सीएम धामी ने सदन में भू कानून को लेकर विस्तार से जानकारी दी।

सीएम धामी ने बताया भू कानून अध्यादेश में कई महत्वपूर्ण प्रावधान किये गए हैं। भू कानून के जरिये राज्य की जमीन बचेंगी।भूमि सुधार कानून राज्यवासियों के लिए हितकर होगा। उन्होंने बताया कि भू कानून उलंघन के 599 मामलों में से 572 मामले न्यायालय में हैं। सीएम धामी ने कहा राज्य बनने के बाद लगातार राज्य विकास में भू प्रबंधन को लेकर काम हुये हैं।इसी को आगे बढ़ाते हुए सरकार प्रयास किया है।।1 जनपदों में भूमि खरीदने पर रोक लगाई है। अब शासन स्तर पर जमीन खरीद के लिए अनुमति लेनी होगी।मुख्यमंत्री ने कहा कि भू प्रबंधन कानून से भू माफिया और भूमिधरों के बीच अंतर पहचानने में मदद करेगा।

नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा कि आज उत्तराखंड भू कानून को लेकर उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश एवं भूमि व्यवस्था संशोधन विधेयक 2025 को प्रवर समिति को भेजा जाना चाहिए,जिस पर एक महीने में रिपोर्ट पेश हो। उन्होंने कहा कि उत्तराखंड में भू कानूनों को लचीला किसने किया ये जानना जरूरी है।नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने कहा इस तरह के कानूनों में जल्दबाजी नहीं होनी चाहिए। उन्होंने कहा कि राजस्व के जानकारों से भी इसकी जानकारी ली जानी चाहिए। नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने उत्तराखंड में जमीनों की खरीद फरोख्त पर रोक लगनी चाहिए।

इसके बाद काजी निजामुद्दीन ने कहा कि प्रदेश में भू माफिया की चर्चा होती है।इसकी परिभाषा तय होनी चाहिए। जिसके बाद उन पर कार्रवाई की जानी चाहिए

इसके साथ ही उन्होंने बैक डोर से जमीनों की खरीद फरोख्त के बारे में भी विस्तार से बताया।

भू कानून के कुछ मुख्य नियम

ख अब राज्य में साढ़े 12 एकड़ से अधिक जमीन खरीद की मंजूरी नहीं दी जाएगी.
ख पहाड़ों पर चकबंदी और बंदोबस्ती को तेजी से पूरा किया जाएगा.
ख दूसरे राज्य के लोगों के लिए राज्य में जमीन खरीदना बेहद मुश्किल हो जाएगा. जमीनों की खरीदारी के लिए अब डीएम अनुमति नहीं दे पाएंगे.
ख प्रदेश में जमीन खरीद के लिए पोर्टल बनाया जाएगा. पोर्टल में राज्य के बाहर के लोगों की एक एक इंच जमीन खरीद का भी ब्यौरा दर्ज होगा.
ख सभी डीएम को राजस्व परिषद और शासन को सभी जमीनों की खरीद की रिपोर्ट नियमित रूप से देनी होगी.
ख राज्य से बाहर के लोगों के इसका दुरुपयोग करने सरकार स्तर से सख्त कार्रवाई की जाएगी.
ख नियमों से हटकर किए गए इस्तेमाल पर जमीन सरकार में निहित की जाएगी.
ख भूमि की कीमतों में अप्राकृतिक बढ़ोतरी पर नियंत्रण रहेगा और राज्य के मूल निवासियों को भूमि खरीदने में सहूलियत होगी.
ख सरकार को भूमि खरीद-बिक्री पर अधिक नियंत्रण प्राप्त होगा, जिससे अनियमितताओं पर रोक लगेगी.
ख पहाड़ी क्षेत्रों में भूमि का बेहतर प्रबंधन होगा, जिससे राज्य के निवासियों को अधिक लाभ मिलेगा.
ख निकाय सीमा में तय भू उपयोग से हटकर जमीन के इस्तेमाल करने पर भी सख्त कार्रवाई होगी

7वें कॉमन रिव्यू मिशन की बैठक में ग्रामीण विकास योजनाओं पर चर्चा

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी सहित कई वरिष्ठ अफसर हुए बैठक में शामिल

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। मुख्य सचिव राधा रतूड़ी तथा भारत सरकार, ग्रामीण विकास मंत्रालय के तहत 7वें कॉमन रिव्यू मिशन का नेतृत्व कर रहे संजय अग्रवाल (सेनानिवृत्त आईएएस, पूर्व सचिव कृषि एवं कृषक कल्याण) ने राज्य में कॉमन रिव्यू मिशन से अपेक्षाओं के सम्बन्ध में आज विधानसभा भवन में बैठक ली। सीआरएम (कॉमन रिव्यू मिशन) द्वारा 7वें कॉमन रिव्यू मिशन के तहत मुख्य सचिव एवं ग्रामीण विकास, जलागम, पंचायती राज सहित सभी संबंधित विभागों से राज्य की विशेष परिस्थितियों के अनुरूप वर्तमान में संचालित योजनाओं में आवश्यक बदलावों के सम्बन्ध में सुझाव मांगे गए हैं। सीआरएम द्वारा ग्राम्य विकास

से सम्बन्धित विभिन्न योजनाओं से बेहतर परिणाम प्राप्त करने हेतु प्रत्येक योजना में कम से कम 5 इनोवेटिव सुझाव मांगे गए हैं। इसके साथ ही सीआरएम सदस्यों ने राज्य में योजनाओं के क्रियान्वयन दौरान अपनायी जा रही बेस्ट प्रैक्टिसेज का विवरण भी सीआरएम को देने के निर्देश दिए हैं। सीआरएम द्वारा राज्य में योजनाओं के क्रियान्वयन के दौरान आ रही समस्याओं, बाधाओं एवं कमियों से भी अवगत कराने के निर्देश दिए हैं, ताकि उनमें आवश्यक सुधार किया जा सके।

मुख्य सचिव राधा रतूड़ी ने राज्य के विशेष परिस्थितियों के अनुरूप कुछ योजनाओं में नीतिगत स्तर पर आवश्यक सुधारों की बात की। उन्होंने मनरेगा के तहत सेवा क्षेत्र को सम्मिलित करने तथा वॉटर शेड प्रोग्राम में राज्य के विशेष परिस्थितियों के अनुकूल सुधार के सुझाव दिए हैं। बैठक में सचिव राधिका झा, चन्द्रेश कुमार, अपर सचिव मनुज गोयल सहित सभी संबंधित विभागों के अपर सचिव एवं अधिकारी मौजूद रहे।ग्रामीण विकास मंत्रालय, भारत सरकार का 7वां कॉमन रिव्यू मिशन (सीआरएम) 18 फरवरी से 02 मार्च तक प्रस्तावित है। सीआरएम को ग्रामीण विकास कार्यक्रमों के प्रकरणों को समझने एवं बेहतर सार्वजनिक सेवा वितरण हेतु सुझाव देने का कार्य सौंपा गया है। 7वां सीआरएम संजय अग्रवाल, पूर्व सचिव, कृषि एवं कृषक कल्याण मंत्रालय द्वारा लीड किया जा रहा है,

आमजन के मुद्दों से भागकर नौटंकी कर रहे कांग्रेसी विधायक: चौहान

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। भाजपा ने विधानसभा में गैरसैंण में सत्र आयोजन को लेकर कांग्रेस के प्रदर्शन को आडंबर और जन मुद्दों से भागने का कृत्य बताया

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने कहा कि एक ओर कांग्रेस सदन की अवधि बढ़ाने को लेकर मांग कर रही है और दूसरी ओर सस्ती लोकप्रियता के लिए नयी नयी नौटंकी कर रही है। कांग्रेस सदन से जन हित के मुद्दों को उठाने के बजाय भाग रही है और गैरसैंण का राग अलाप रही है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेसी विधायकों को अपने क्षेत्र में आम जन की समस्याओं से कोई लेना देना नही है और वह सदन मे बिना होमवर्क के पहुंचे है।

उन्होंने कहा कि विस अध्यक्ष देहरादून में सदन घोषित करने से पहले स्पष्ट कर चुकी हैं कि देहरादून की भौति गैरसैंण मे विधान सभा डिजिटलाइज्ड नही हो पायी है। विधानसभा भवन में साउंड भी काफी ईको करती है। वहीं पर कार्य अंतिम चरण में है और गैरसैंण को भी देहरादून की भौति सुदृढ़ और

सुविधाओं से लैस किया जा रहा है। लेकिन कांग्रेस बेवजह इसे मुद्दा बनाने की फिराक मे है।

चौहान ने कहा कि पूर्व मे गैरसैंण मे हुए सत्र मे ऐसे कई उदाहरण हैं, जब कांग्रेस विधायकों ने सीएम को पत्र लिखकर देहरादून मे शीतकालीन सत्र कराने की मांग की। भाजपा ने पर्वतीय क्षेत्र के विकास के लिए ही गैरसैंण को ग्रीष्मकालीन राजधानी बनाया और इसे लेकर उसकी मंशा साफ है। बेहतर होगा कि कांग्रेसी विधायक अपने क्षेत्र मे सड़क, स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे जन हित के मुद्दों पर बहस करते। उन्होंने कहा कि कांग्रेस विधायकों की इस नौटंकी को जनता माफ नही करेगी।

सैन्यभूमि उत्तराखण्ड में शहीद सैनिकों के आश्रितों को दी बड़ी राहत

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड सरकार ने शहीद सैनिकों के परिवारों के हित में एक महत्वपूर्ण निर्णय लिया है। अब शहीद सैनिकों के आश्रितों को सरक. ारी सेवाओं में अनुकंपा के आधार पर आवेदन करने के लिए 2 साल के बजाय 5 साल का समय मिलेगा। मुख्यमंत्री की अध्यक्षता में 19 फरवरी को हुई कैबिनेट बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी दी गई।

उन्होंने बताया कि राज्य सरकार की इस नीति के तहत अब तक 27 शहीद सैनिकों के परिवारों को अनु. कंपा के आधार पर सरकारी नौकरी दी जा चुकी है। नई व्यवस्था से भविष्य में और अधिक परिवारों को राहत मिलेगी और वे सरकारी सेवाओं में रोजगार प्राप्त कर सकेंगे। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का यह फैसला शहीदों के परिवारों के प्रति सरकार की संवेदनशीलता और सम्मान को दर्शाता है। इस निर्णय से न केवल परिवारों को आर्थिक संबल मिलेगा, बल्कि उन्हें समाज में एक सम्मानजनक जीवन जीने का अवसर

भी प्राप्त होगा। ज्ञात हो कि उत्तराखंड सरकार ने 20 नवंबर 2018 को अधिसूचना जारी कर भारतीय सेना और अर्द्धसैनिक बलों के उन शहीद सैनिकों (जो उत्तराखंड के स्थायी निवासी थे) के परिवारों के लिए सरकारी सेवाओं में अनुकंपा नियुक्ति का प्रावधान किया था। इसके तहत, जिलाधिकारी कार्यालयों में समूह 'ग' और 'घ' के दो-दो पद सृजित किए गए थे। पहले के नियमों के अनुसार, शहीद सैनिक के बेटल कैजुल्टी प्रमाण पत्र जारी होने की तिथि से 2 वर्ष के भीतर उनके आश्रितों को जिला सैनिक कल्याण एवं पुनर्वास कार्यालय में आवेदन करना अनिवार्य था। लेकिन कई परिवार इस अवधि में आवेदन नहीं कर पाते थे, जिससे वे इस योजना का लाभ लेने से वंचित रह

नियुक्ति की समयसीमा को 2 वर्ष से बढ़ाकर 5 वर्ष करने पर सैनिक कल्याण मंत्री जोशी ने मुख्यमंत्री धामी सहित सम्पूर्ण मंत्रिमण्डल का जताया आभार

जाते थे। इस दौरान वे कई प्रशास. निक प्रक्रियाओं को पूरा नहीं कर पाते थे, जिससे वे तय समयसीमा में आवे. दन नहीं कर सकते थे। इसके अलावा, कई शहीदों के बच्चे उस समय कम उम्र के होते हैं और वे 2 साल के भीतर नौकरी के लिए आवे. दन करने योग्य नहीं हो पाते थे। इन सभी समस्याओं को ध्यान में रखते हुए मुख्यमंत्री धामी ने 26 जुलाई 2024 को कारगिल विजय दिवस के अवसर पर इस समयसीमा को बढ़ाकर 5 वर्ष करने की घोषणा की थी। अब कैबिनेट ने इस फैसले को मंजूरी मिलने के बाद यह नियम लागू कर दिया गया है।

कंबल ओढ़कर विधानसभा पहुंचे कांग्रेसी विधायक

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र में कांग्रेस विधायक और उप नेता प्रतिपक्ष भवन कापड़ी हर रोज एक नए अंदाज में नजर आ रहे हैं। शुक्रवार को कुछ कांग्रेसी विधायक मोटे-मोटे कंबल ओढ़ कर विधानसभा पहुंचे और उन्होंने सरकार पर आरोप लगाया है कि सत्ताधारी विधायकों को गैरसैंण में ठंड लगती है, इसलिए उन्होंने गैरसैंण को गैर कर दिया है।

उत्तराखंड में चल रहे बजट सत्र में के अतरंगी रंग देखने को मिल रहे हैं। जहां एक तरफ विगत दिवस कांग्रेस विधायक भुवन कापड़ी हाथ और पैरों में बेड़ियां डालकर विधानसभा पहुंचे थे तो वहीं आज वह मोटे-मोटे कंबल ओढ़ कर विधानसभा पहुंचे। उनके साथ और भी कई विधायकों ने कंबल ओढ़े हुए थे। पिछले दिनों विधानसभा के बजट सत्र की शुरुआत के साथ ही गैरसैंण कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने भी

विधानसभा सत्र वहां ना कराए जाने पर विरोध जताया था। वहीं शुक्रवार को देहरादून विधानसभा में आयोजित बजट सत्र के दौरान उप नेता प्रतिपक्ष भुवन कापड़ी समेत विपक्षी विधायक कम्बल लपेट कर विरोध करने पहुंचे। कांग्रेसी विधायक सरकार पर गैरसैंण में ठंड होने की वजह से सत्र ना करवाए जाने के तंज कसते नजर आए। उपनलकर्मियों की समस्याओं को लेकर विधायक उमेश ने दिया धरना देहरादून। शुक्रवार को खानपुर से निर्दलीय विधायक उमेश कुमार प्रदेश के 22 हजार उपनल यानी उत्तराखंड पूर्व सैनिक कल्याण निगम कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर विधानसभा पहुंचे। इस दौरान उन्होंने विधानसभा के प्रवेश द्वार पर पोस्टर

गैरसैंण में ठंड होने की वजह से सत्र न करवाए जाने पर कसा तंज

लेकर प्रदर्शन किया। बजट सत्र के चौथे दिन सत्र से पूर्व उपनलकर्मियों की लंबे समय से चली आ रही नियमितीकरण की मांग को लेकर निर्दलीय विधायक उमेश कुमार विधानसभा में एक पोस्टर लेकर पहुंचे। जिसके जरिए उन्होंने उपनलकर्मियों को नियमित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि लंबे समय से उपनलकर्मियों ने राज्य में अपनी सेवाएं दी हैं, लेकिन राज्य सरकार उनकी मांगों को नजरअंदाज कर रही है। उमेश कुमार ने राज्य सरकार से अनुरोध किया है कि उनकी नियमित करने की मांग को मानवता के आधार पर पूरा किया जाए।

भाजपा ने की जिला अध्यक्ष के चुनावों के संचालन के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। भाजपा ने संगठन पर्व के अंतर्गत जिला अध्यक्षों के चुनाव की प्रक्रिया प्रारंभ कर दी है। पार्टी के प्रदेश चुनाव अधिकारी खजान दास ने जिला अध्यक्ष के चुनावों के संचालन के लिए पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की है।

प्रदेश मीडिया प्रभारी मनवीर सिंह चौहान ने जानकारी देते हुए बताया कि पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के तहत 21 फरवरी से 28 फरवरी तक जिला अध्यक्ष चयन की प्रक्रिया चलेगी। प्रदेश के सभी 19 सांगठनिक जिलों के अनुशार कुल 57 पर्यवेक्षकों की नियुक्ति की गई है। जिसमें उत्तरकाशी में बतौर पर्यवेक्षक हेमंत त्रिवेदी, रमेश गाडियां और गोविंद अग्रवाल, चमोली के लिए शिव सिंह बिष्ट, मेहरबान सिंह रावत और अतर सिंह तोमर, रुद्रप्रयाग के लिए पुनीत

प्रदेश चुनाव अधिकारी खजान दास ने सौंपी पार्टी पदाधिकारियों को जिम्मेदारी

मित्तल, मधु भट्ट और राम सुंदर नौटियाल, टिहरी विनय रोहेला, अनीता ममगई और ओमवीर सिंह राघव, देहरादून ग्रामीण विनय गोयल, श्याम डोभाल और गीता रावत, देहरादून महानगर दान सिंह रावत, ऋषि कंडवाल और आशीष गुप्ता, ऋषिकेश विश्वास डाबर, विजय कपरवान और रमेश चौहान, हरिद्वार सुरेश भट्ट अभिमन्यु कुमार और रविंद कटारिया, रुड़की सौरभ थपलियाल, नेहा जोशी और बलजीत सोनी, पौड़ी चंडी प्रसाद भट्ट, जोगिंदर पुंडीर और शशांक रावत, कोटद्वार कैलाश पंत, स्वामी यतीश्वरानंद और डॉ स्वराज विद्वान, पिथौरागढ़ दीपक मेहरा, अनिल कपूर डब्बू और समीर आर्य, बागेश्वर दीप भगत, अजय वर्मा और राजेंद्र रावत, रानीखेत प्रकाश हरबोला, कुंदन लटवाल और खूब सिंह बिकल, अल्मोड़ा बलवंत सिंह भौर्याल, राकेश नैनवाल और तरुण बंसल, चंपावत दिनेश आर्य, राम मेहरोत्रा और वीरेंद्र वल्दिया, नैनीताल आशा नौटियाल , रवि मोहन अग्रवाल और रामपाल सिंह, काशीपुर डॉ देवेंद्र भसीन, गणेश भंडारी और भावना मेहरा, उधम सिंह नगर कुसुम कंडवाल, देवेंद्र ढैला और डॉ जोगिंदर पाल रौतेला के नाम शामिल हैं।

भू-कानून बिल पास होने पर मुख्यमंत्री को दी बधाई

देहरादून। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से विधानसभा परिसर में विधानसभा बजट सत्र में उत्तराखंड (उत्तर प्रदेश जमींदारी विनाश और भूमि व्यवस्था अधिनियम, 1950) (संशोधन) विधेयक, 2025 सर्व सहमति से पारित होने पर विधायक उमेश शर्मा काऊ, महंत दिलीप रावत, प्रमोद नैनवाल, रेणु बिष्ट, सुरेश चौहान, राम सिंह कैड़ा, महेश जीना, राजकुमार, अनिल नौटियाल, सहित विभिन्न विधायकों ने भेंट कर इस ऐतिहासिक कार्य के लिए मुख्यमंत्री का आभार व्यक्त किया।विधायकों ने कहा कि भू-कानून के वजूद में आने से अब पर्वतीय जनपदों में जमीन की खरीद फरोख्त पर अंकुश लग सकेगा।

मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना की प्रगति पर समीक्षा बैठक आयोजित

टिहरी में 708 आवेदनों में से 88 संयंत्र स्थापित, 74 ग्रिड से जुड़े सीडीओ ने समस्याओं के समाधान और समन्वय को दिया जोर

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में शुक्रवार को मुख्यमंत्री सौर स्वरोजगार योजना की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में अवगत कराया गया कि जनपद टिहरी में अब तक इस योजना के तहत कुल 708 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 88 संयंत्र स्थापित किए जा चुके हैं।

इनमें 74 संयंत्रों को ग्रिड से जोड़ा जा चुका है।

मुख्य विकास अधिकारी ने विद्युत विभाग, बैंक, उरेडा और संबंधित फर्मों को निर्देश दिए कि संयंत्र स्थापना में आ रही समस्याओं का शीघ्र समाधान करें। उन्होंने कहा कि सभी विभाग आपसी समन्वय स्थापित करें और जहां भी बाधाएं आ रही हैं, उनकी जांच कर समाधान सुनिश्चित करें। इसके अलावा, आवेदकों से निरंतर संपर्क बनाए रखते हुए उन्हें परियोजना की वर्तमान स्थिति से अवगत कराया जाए और आगे की प्रक्रिया की स्पष्ट जानकारी दी जाए।

सीडीओ ने कहा कि यह योजना दीर्घकालिक है और भविष्य में भी विभिन्न प्रकार की चुनौतियां आ सकती हैं।

इसलिए पूर्व नियोजित रणनीति के तहत कार्यों का निष्पादन किया जाए, ताकि किसी भी समस्या का प्रभावी समाधान निकाला जा सके।

बैठक में अधिशासी अभियंता विद्युत अमित आनंद, वरिष्ठ परियोजना अधिकारी उरेडा, एलडीएम मनीष शर्मा, महाप्रबंधक जिला सहकारी बैंक टिहरी, सहायक प्रबंधक उद्योग टिहरी और कार्यरत फर्मों के वेंडर उपस्थित रहे।

पीएमजीएसवाई सड़कों की प्रगति पर समीक्षा बैठक का आयोजन

मुख्य विकास अधिकारी ने प्रतिकर वितरण शीघ्र पूरा करने के दिए निर्देश 84 मोटर मार्गों के लिए 34.97 करोड़ स्वीकृत, 23.31 करोड़ वितरित

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। मुख्य विकास अधिकारी डॉ. अभिषेक त्रिपाठी की अध्यक्षता में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (पीएमजीएसवाई) के कार्यों की डिविजनवार भौतिक प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जनपद के विभिन्न मार्गों पर प्रतिकर वितरण की वर्तमान स्थिति की विस्तृत समीक्षा की गई।

मुख्य विकास अधिकारी ने निर्देश दिए कि अवशेष प्रतिकर वितरण की प्रक्रिया शीघ्र पूर्ण की जाए और सभी संबंधित विभाग आपसी समन्वय स्थापित कर एक अभियान के रूप में कार्य करें। उन्होंने गतिमान सभी कार्यों की प्रगति रिपोर्ट प्राप्त कर उन्हें निर्धारित समय सीमा के भीतर पूर्ण करने के निर्देश दिए। इसके साथ ही, मोटर मार्गों की सुरक्षा को ध्यान में रखते हुए सड़कों के किनारे वृक्षारोपण करने का सुझाव दिया, जिससे पर्यावरण संरक्षण के साथ-साथ इनका उपयोग क्रैश बैरियर के रूप में भी हो सके।

नोडल अधिकारी, पीएमजीएसवाई टिहरी ने जानकारी दी कि विभिन्न खंडों में 84 मोटर मार्गों के लिए कुल 34.97 करोड़ रुपये की स्वीकृति मिली थी, जिसके सापेक्ष अब तक 27.46 करोड़ रुपये का आवंटन प्राप्त हुआ है। इनमें से 23.31 करोड़ रुपये वितरित किए जा चुके हैं, जबकि 4.16 करोड़ रुपये का वितरण अभी शेष है। बकाया राशि के वितरण में पीएमजीएसवाई खंड-प्रथम, नई टिहरी द्वारा 1.43 करोड़ रुपये, खंड-द्वितीय, नई टिहरी द्वारा 1.34 करोड़ रुपये, खंड-चंबा द्वारा 0.23 करोड़ रुपये, खंड-नरेन्द्रनगर द्वारा 0.05 करोड़ रुपये और खंड-कीर्तिनगर द्वारा 1.11 करोड़ रुपये का प्रतिकर वितरण किया जाना बाकी है।

सहकारिता से ग्रामीण आजीविका संवर्धन का संकल्प

नई टिहरी। अंतर्राष्ट्रीय सहकारिता वर्ष के उपलक्ष्य में सहकारिता विभाग और जिला सहकारी बैंक टिहरी ने संयुक्त रूप से कार्यशाला आयोजित कर सहकारिता के माध्यम से किसानों और ग्रामीणों की आजीविका संवर्धन के लिए कार्य करने का संकल्प लिया। जिला सहकारी बैंक के महाप्रबंधक राहुल गैरोला ने बताया कि शुक्रवार को जिला मुख्यालय में सहकारिता एक बेहतर दुनिया का निर्माण करती है विषय पर कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें सहायक निबंधक सुरेंद्र पाल ने सहकारिता के उद्देश्य, लक्ष्यों और केंद्र व राज्य सरकार की विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी। उन्होंने कहा कि सहकारिता के माध्यम से दूरस्थ क्षेत्रों के किसानों को लाभ पहुंचाना प्राथमिकता है। पाल ने बताया कि किसानों के उत्पादों को बाजार उपलब्ध कराने के साथ ही प्रोसेसिंग और विक्रय की सुविधा देने के लिए सहकारिता विभाग कार्यरत है। उन्होंने बैंक प्रतिनिधियों और समितियों के पदाधिकारियों से टीम भावना के साथ कार्य करने का आह्वान किया।

एक नजर ....

श्रीनगर पुलिस ने गुमशुदा युवक को परिजनों को किया सुपुर्द

श्रीनगर। कोतवाली श्रीनगर पुलिस ने गुमशुदा युवक को सकुशल परिजनों को सुपूर्द किया है। थाना श्रीकोट प्रभारी मुकेश गैरोला ने बताया कि बीते 17 फरवरी को श्रीकोट निवासी राजेंद्र बिष्ट ने थाना श्रीनगर पर सुचना दी कि उनके घर पर कार्य करने वाले 26 वर्षीय विजय सिंह (दिगंबर) पुत्र स्व. सोहन सिंह, ग्राम थार्ती, भटवाड़ा, थाना घनसाली, टिहरी गढ़वाल 15 फरवरी से श्रीकोट से श्रीनगर की ओर अपने उपरोक्त गांव जाने के लिए निकला था, लेकिन आज तक घर नहीं पहुंचा। पुलिस ने मामले को गंभीरता से लेते हुए छानबीन शुरू की। बताया कि पुलिस के अथक प्रयासों से युवक डैम कलॉनी के पास ढाबे से बरामद कर परिजनों को सकुशल सुपुर्द कर दिया है।

नाबालिग को भगाने में शामिल युवक गिरफ्तार

श्रीनगर। नाबालिग को भगाने में शामिल युवक को कीर्तिनगर पुलिस ने टिहरी से गिरफ्तारी किया है। प्रभारी निरीक्षक कोतवाली कीर्तिनगर देवराज शर्मा ने बताया कि बीते साल अक्टूबर माह में परिजनों द्वारा उनकी नाबालिग बेटी को भगाने के संबंध में मौखिक सूचना दी थी। जिसमें पाक्सो एक्ट के तहत सलमान समेत अन्य के खिलाफ मुकदमा पंजीकृत किया गया था। बताया कि उप निरीक्षक सुषमा रावत द्वारा मामले की विवेचना की जा रही थी। मामले में वांछित चल रहे युवक मोहम्मद उमर को कीर्तिनगर पुलिस ने बुधवार को नई टिहरी से गिरफ्तार किया है। मामले में पूर्व में भी गिरफ्तारी हुई है।

कीर्तिनगर पुलिस ने सत्यापन न कराने पर काटा चालन

श्रीनगर। कीर्तिनगर पुलिस ने गुरूवार को थाना क्षेत्र में अंतर्गत सघन सत्यापन अभियान चलाया। अभियान के तहत पुलिस ने सत्यापन न करने पर तीस हजार का चालान काटा है। पुलिस द्वारा प्राप्त जानकारी के अनुसार मलेथा गांव में एक भवन स्वामी ने तीन किरायेदारों को बिना पुलिस सत्यापन के रखा था। बिना सत्यापन के दस हजार प्रति किराएदार पर चालान किया गया, जिससे कुल तीस हजार का जुर्माना लगाया गया है। पुलिस ने किराएदारों से अपने प्रत्येक किराएदार का सत्यापन अनिवार्य रूप से करवाने की अपील की है।

टपरारी-11 ने जीता प्रतियोगिता का मैच

श्रीनगर। एनआईटी खेल मैदान में शुक्रवार को स्व. नवीन उनियाल मेमोरियल क्रिकेट प्रतियोगिता के दो मैच खेले गए। प्रतियोगिता का पहला मैच टपरारी-11 व केदार-11 के बीच खेला गया। टपरारी-11 ने टास जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का निर्णय लिया। टपरारी-11 ने केदार-11 के समक्ष 178 रनों का लक्ष्य रखा। लक्ष्य का पीछा करने उतरी केदार-11 की टीम तीस रनों पर ही आल आउट हो गई। दूसरा मैच भंडारी-11 व वेक अप-11 के बीच खेला गया। भंडारी 11 ने पहले बल्लेबाजी करते हुए कुल 119 रन बनाए। इधर वेक अप-11 के बल्लेबाज मैदान में खास कमाल नहीं दिखा पाए व 74 रनों पर आल आउट हो गये। शुक्रवार को खेले गए दोनों मैचों को पहले बल्लेबाजी करने वाली टीमों ने जीता।

थौलधार का आधार केंद्र तीन माह से बंद, जनता परेशान

नई टिहरी। थौलधार विकासखंड का एकमात्र आधार केंद्र पिछले तीन माह से अधिक समय से बंद पड़ा है, जिससे स्थानीय लोगों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। आधार कार्ड बनवाने या संशोधन कराने के लिए लोगों को 80 किलोमीटर दूर चंबा या नई टिहरी जाना पड़ रहा है, जिससे समय और धन दोनों की हानि हो रही है। आधार केंद्र की आईडी दोबारा चालू करने के लिए विभागीय स्तर से यूआईडीएआई को पत्र भेजा गया है, और आईडी खुलते ही केंद्र को पुन: शुरू कर दिया जाएगा।

टिहरी पुलिस ने तीन वारंटियों को किया गिरफ्तार

नई टिहरी। एसएसपी आयुष अग्रवाल के निर्देश पर टिहरी पुलिस ने तीन वारंटियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस की मीडिया सेल के अनुसार, थाना मुनिकीरेती ने दो वारंटियों और थाना नई टिहरी ने एक वारंटी को हिरासत में लिया।

मुनिकीरेती पुलिस ने धारा 60/72 आबकारी अधिनियम के तहत आरोपी रवि (23) पुत्र बीरू, निवासी नई जाटव बस्ती, ऋषिकेश और धारा 60 आबकारी अधिनियम के आरोपी विकास सिंह पुत्र श्याम सिंह, निवासी बनखंडी, ऋषिकेश को गिरफ्तार किया। वहीं, कोतवाली नई टिहरी पुलिस ने रुड़की में दबिश देकर आरोपी वारंटी अंकित पुत्र मुकेश कुमार, निवासी झबरीरा, जनपद हरिद्वार को पकड़ा। इस कार्रवाई में एसआई किशन देवरानी, हेड कांस्टेबल सुनील सैनी, हेड कांस्टेबल दलजीत, एएसआई जाकिर हुसैन और कांस्टेबल सचिन की अहम भूमिका रही।

ग्रामीण विकास मंत्रालय की समीक्षा टीम पहुंची टिहरी

दो दिवसीय भ्रमण में केंद्र की योजनाओं का होगा मूल्यांकन,चंबा और नरेंद्रनगर ब्लॉक के गांवों में होगा निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय के 7वें कॉमन रिव्यू मिशन (सीआरएम) का टिहरी जिले में दो दिवसीय भ्रमण शनिवार से शुरू हो रहा है। मिशन के सदस्य नरेंद्रनगर ब्लॉक के कोडारना और चंबा ब्लॉक के थान व साबली गांवों में जाकर केंद्र सरकार की योजनाओं के क्रियान्वयन, चुनौतियों और जन समुदाय की राय पर समीक्षा करेंगे।

सीडीओ अभिषेक त्रिपाठी ने बताया कि इस टीम का नेतृत्व केंद्र सरकार के पूर्व सचिव संजय अग्रवाल कर रहे हैं। शनिवार को टीम नरेंद्रनगर के कोडारना गांव पहुंचेगी, जहां केंद्र सरकार की ओर से संचालित विभिन्न ग्रामीण विकास कार्यक्रमों की कार्यप्रणाली, क्रियान्वयन की चुनौतियां और महत्वपूर्ण मुद्दों का अध्ययन किया जाएगा। मिशन की टीम योजनाओं के सफल क्रियान्वयन के बेहतरीन उदाहरणों का रिकॉर्ड भी तैयार करेगी। ग्रामीण क्षेत्रों में स्वास्थ्य सुविधाओं के लिए एनएचएम, जल जीवन मिशन, पीएम किसान सम्मान निधि, प्रधानमंत्री आवास योजना और एनआरएलएम जैसी योजनाएं संचालित की जा रही हैं। इनसे ग्रामीणों को सीधा लाभ मिल रहा है और उनकी आजीविका को मजबूती दी जा रही है। मनरेगा के तहत 100 दिन के रोजगार, जल स्रोतों के संरक्षण और कृषि विकास से जुड़े कार्य भी किए जा रहे हैं। रविवार को टीम चंबा ब्लॉक के थान और साबली गांवों का दौरा करेगी, जहां बेहतर विकास मॉडल की विशेष समीक्षा होगी। उत्कृष्ट योजनाओं को देश के अन्य हिस्सों में लागू करने की संभावनाएं भी तलाशी जाएंगी। सीडीओ ने जिला विकास अधिकारी और संबंधित बीडीओ को निर्देशित किया है कि वे मिशन के कार्यों में पूरा सहयोग सुनिश्चित करें।

बूढ़ाकेदार में उपभोक्ताओं ने 40 से अधिक फर्जी बिजली कनेक्शन बंद करने की उठाई मांग

बिजलीघर निर्माण व लो वोल्टेज समस्या के समाधान की अपील उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच ने विभाग को दिए जांच के निर्देश

शाह टाइम्स संवाददाता

नई टिहरी। विद्युत उपभोक्ता शिकायत निवारण मंच उत्तरकाशी के बूढ़ाकेदार शिविर में उपभोक्ताओं ने कागजों में चल रहे 40 से अधिक फर्जी बिजली कनेक्शनों को बंद करने की मांग उठाई। मंच ने विभाग को निर्देश दिए कि सभी कनेक्शनों की जांच कर नियमानुसार स्थायी रूप से विच्छेदन किया जाए। उपभोक्ताओं ने मंच में वाद दायर कर शिकायतों के समाधान की भी अपील की।

बूढ़ाकेदार बाजार में आयोजित इस शिविर में 44 से अधिक उपभोक्ताओं ने बिजली आपूर्ति और सेवाओं से जुड़ी समस्याएं रखीं। इनमें से 80 प्रतिशत शिकायतें उन कनेक्शनों को लेकर थीं, जो वर्षों पूर्व विद्युतीकरण योजना के तहत बांटे गए थे।

लेकिन इनमें से कई केवल कागजों में दर्ज हैं। उपभोक्ताओं ने बताया कि कई परिवारों को जरूरत से ज्यादा कनेक्शन दिए गए, जिनमें से कई का वास्तविक रूप से कोई उपयोग नहीं है। कुछ उपभोक्ताओं के निधन के बाद भी उनके नाम पर कनेक्शन सक्रिय हैं, जिससे अनावश्यक बिलिंग की समस्या बनी हुई है।

पूर्व विधायक बलवीर सिंह नेगी और अन्य जनप्रतिनिधियों ने क्षेत्र में बिजलीघर स्थापित करने की मांग उठाई। उन्होंने कहा कि घनसाली में बिजलीघर न होने से लो वोल्टेज की समस्या बनी रहती है और बारिश, आंधी-तूफान के दौरान आपूर्ति बार-बार बाधित होती है। यदि बूढ़ाकेदार में बिजलीघर बनाया जाता है तो इससे तीन हजार से अधिक उपभोक्ताओं को लाभ मिलेगा।

उपभोक्ताओं ने अतिरिक्त प्रतिभूति राशि (एएसडी) का विरोध करते हुए इसे आर्थिक बोझ बताया और बिजली बिल जमा करने की सुविधा बढ़ाने की मांग की। मंच के न्यायिक सदस्य कीर्ति प्रसाद भट्ट, तकनीकी सदस्य भूपेंद्र सिंह कनेरी और उपभोक्ता सदस्य संतोष भट्ट ने उपभोक्ताओं को उनके अधिकारों की जानकारी दी।

शिविर में ऑनलाइन बिलिंग, जर्जर पोल और लाइनों की मरम्मत, लोपिंग की समस्या के समाधान और नए पोल लगाने की मांगें भी उठाई गईं। मंच ने विभाग को निर्देश दिया कि इन समस्याओं का तत्काल समाधान किया जाए। इस अवसर पर एसडीओ अदिति सैनी, जेई जोशी समेत अन्य अधिकारी और उपभोक्ता उपस्थित रहे।

गढ़वाली भाषा एवं संस्कृति का हो संरक्षण: प्रो. एमपी नगवाल

शाह टाइम्स संवाददाता

गोपेश्वर। राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय गोपेश्वर में शुक्रवार को गढ़वाली मातृभाषा दिवस बड़ी धूम धाम से मनाया गया। कार्यक्रम में महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. एमपी नगवाल ने कहा कि वैश्वीकरण के दौर में भले ही हिंदी एवं अंग्रेजी भाषाओं का वर्चस्व बढ़ रहा है लेकिन स्थानीय बोली भाषा भी संरक्षित रहनी चाहिए।

कार्यक्रम संयोजक अंग्रेजी विभाग के सहायक प्रोफेसर दर्शन सिंह नेगी ने कहा कि 21 फरवरी को यूनेस्को द्वारा अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस घोषित किया गया है। इसी क्रम में हर वर्ष अंग्रेजी विभाग द्वारा गढ़वाली मातृभाषा दिवस का आयोजन किया जाता है। उन्होंने आगे कहा कि अंतराष्ट्रीय भाषा के साथ साथ राष्ट्रीय एवं आंचलिक भाषाओं को भी रोजगार, विज्ञान एवं तकनीकी के लिए प्रयोग किया जाना चाहिए। कार्तिक तिवाड़ी पहाड़ी ने अपनी गढ़वाली कविता के माध्यम से दर्शकों को भाव विभोर किया। भाषण में नीतू सती ने प्रथम, श्रेय रावत ने द्वितीय, दिया कंडारी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। काव्यपाठ में अंजलि ने प्रथम, मुस्कान ने द्वितीय, कनिष्का ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। गढ़वाली भेषभूषा में नीतू ने प्रथम, प्रियंका नौटियाल ने द्वितीय, डॉली ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोकोक्ति एवं औखाण में किशन सिंह ने प्रथम, पवन कुमार ने द्वितीय, आदित्य नेगी ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। लोकगीत में अमन कुमार ने प्रथम, पायल ने द्वितीय, प्रियंका नौटियाल ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर डॉ बीपी देवली, जिला सचिव सुरेंद्र रावत, मनोज रावत, पीटीए अध्यक्ष मोहन नेगी, उपाध्यक्ष लोकेंद्र रावत, डॉ पीएल शाह, डॉ भावना मेहरा, डॉ दिगपाल कंडारी, डॉ संध्या रावत, डॉ विनीता नेगी, डॉ दिनेश पंवार आदि उपस्थित रहे।

एचएनबी केंद्रीय विवि में धूमधाम से मनाया मातृभाषा दिवस

नई टिहरी। एचएनबी केंद्रीय विश्वविद्यालय परिसर बादशाहीथौल में अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस उत्साहपूर्वक मनाया गया। इस अवसर पर परिसर के प्रभारी निदेशक प्रो. मनमोहन सिंह नेगी ने बताया कि 21 फरवरी को मातृभाषा दिवस मनाने की परंपरा वर्ष 1999 से चली आ रही है, जिसका उद्देश्य राष्ट्रभाषा हिंदी और मातृभाषाओं के संरक्षण और संवर्धन को बढ़ावा देना है। उन्होंने कार्यालयों में हिंदी के प्रचलन को बढ़ाने पर भी जोर दिया ताकि इसका व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके। इस दौरान शिक्षण संकाय के प्रभारी विभागाध्यक्ष डॉ. नीरज जोशी ने कहा कि हिंदी आम जनमानस की भाषा है, जिसे सभी समझते और बोलते हैं, लेकिन इसे लिखने में हिचकिचाते हैं। उन्होंने विद्यार्थियों और शिक्षकों से लेखन में हिंदी के अधिकाधिक उपयोग की अपील की

छात्रों की सुविधा के लिए कीर्तिनगर तक बसों संचालन करें

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। गढ़वाल विवि के छात्रों से जुड़ी मांगों को लेकर छात्रम् छात्र संगठन ने गढ़वाल विवि के कुलसचिव प्रो. आरके ढोडी से वार्ता की। छात्रसंघ उपाध्यक्ष अमन काला के नेतृत्व में छात्रम छात्र संगठन से जुड़े छात्र कुलसचिव कार्यालय पहुंचे। यहां छात्रों ने विवि में छात्रों के समक्ष आने वाली विभिन्न समस्याओं के समाधान की कुलसचिव से मांग की। अमन काला ने कहा कि विश्वविद्यालय द्वारा डिग्री आनलाइन कर दी गई है, अब छात्र आनलाइन माध्यम से डिग्री के लिए आवेदन कर सकता है। किंतु कई ऐसे छात्र हैं जिन्हें डीग्री की तत्काल आवश्यकता होती है। ऐसे में इन छात्रों को आफलाइन माध्यम से डिग्री उपलब्ध कराई जाए। कहा कि विवि में पढ़ने वाले कई छात्र कीर्तिनगर व श्रीकोट क्षेत्र में भी रहते हैं, लेकिन विवि की बस इन क्षेत्रों में नहीं जाती है। यहां बस संचालन की भी मांग रखी गई है। पूर्व छात्रसंघ उपाध्यक्ष रूपेश नेगी ने कहा कि आईटीपी द्वितीय वर्ष में पढ़ने वाले छात्रों का सत्र नियमित रूप से चलाया जाए। साथ ही उनका आईडी कार्ड व लाइब्रेरी कार्ड भी जल्द से जल्द बनाए जाएं। कहा कि पीएचडी प्रवेश परीक्षा में जो छात्र अभी अपीयरिंग में है उनको भी मौका दिया जाए। कुलसचिव से छात्रों ने चौरास परिसर स्थित राक क्लाइंबिंग वाल को ठीक करने व क्रिकेट प्रैक्टिस विकेट की मरम्मत कराए जाने की भी मांग रखी। कुलसचिव प्रो आरके डयोडी द्वारा छात्रों को सकारात्मक कार्रवाई का आश्वासन देते हुए कुछ मांगों पर तत्काल प्रभाव से कार्य करने की बात कही। इसके उपरांत छात्र कुलसचिव कार्यालय से लौटे। मौके पर ध्रुव, तनुज समेत अन्य छात्र मौजूद रहे।

देवलसारी रेंज में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर 100 से अधिक ग्रामीणों ने कराई जांच

शाह टाइम्स संवाददाता

थत्यूड़। मसूरी वन प्रभाग की देवलसारी रेंज में लखवाड़ कैट परियोजना के तहत गुरुवार को ग्राम बंगसील में नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर का उद्देश्य ग्रामीणों को आवश्यक स्वास्थ्य सेवाएं उपलब्ध कराना और चिकित्सा सुविधाओं से वंचित लोगों तक सहायता पहुंचाना था। शिविर का उद्घाटन जिला पंचायत उपाध्यक्ष टिहरी गढ़वाल भोला सिंह परमार ने किया। उन्होंने इस पहल की सराहना करते हुए कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में इस तरह के स्वास्थ्य शिविरों का आयोजन बेहद आवश्यक है, ताकि लोग समय पर अपनी स्वास्थ्य जांच करा सकें और गंभीर बीमारियों से बचाव हो सके।

विशेषज्ञ चिकित्सकों की मौजूदगी स्वास्थ्य शिविर में फिजीशियन, स्त्री रोग विशेषज्ञ, नेत्र रोग विशेषज्ञ और दंत चिकित्सकों द्वारा मरीजों की जांच की गई। शिविर में आए लोगों को उनकी आवश्यकतानुसार परामर्श दिया गया और नि:शुल्क दवाओं का वितरण किया गया। इस पहल से 100 से अधिक ग्रामीणों ने लाभ उठाया। वन क्षेत्राधिकार लतिका उनियाल ने बताया कि इस स्वास्थ्य शिविर का मुख्य उद्देश्य ग्रामीणों को बेहतर चिकित्सा सेवाएं उपलब्ध कराना और स्वास्थ्य के प्रति जागरूक बनाना था। उन्होंने कहा कि वन विभाग न केवल पर्यावरण संरक्षण में अपनी अहम भूमिका निभा रहा है, बल्कि जनकल्याण के लिए भी लगातार कार्य कर रहा है। भविष्य में भी इस तरह के शिविरों का आयोजन कर जरूरतमंदों तक स्वास्थ्य सेवाएं पहुंचाई जाएंगी। स्वास्थ्य शिविर में बड़ी संख्या में ग्रामीणों ने भाग लिया और अपने स्वास्थ्य की जांच करवाई। शिविर में उच्च गुणवत्ता वाली स्वास्थ्य सेवाएं प्रदान की गईं, जिससे स्थानीय लोगों को काफी राहत मिली।यह स्वास्थ्य शिविर ग्रामीण समुदाय के लिए एक महत्वपूर्ण पहल साबित हुआ, जिससे दूरस्थ क्षेत्रों के लोगों को विशेषज्ञ डॉक्टरों की सेवाएं प्राप्त हुईं। ग्रामीणों ने वन विभाग और चिकित्सा दल का आभार व्यक्त करते हुए भविष्य में भी इस तरह के शिविरों के आयोजन की मांग की।

छात्रों को नवाचार और उद्यमिता के प्रति जागरूक किया

नवाचार एवं उद्यमिता पर स्कूल आउटरीच कार्यक्रम आयोजित

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। गढ़वाल विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूशन इनोवेशन काउंसिल द्वारा रैनबो पब्लिक स्कूल में नवाचार एवं उद्यमिता पर स्कूल आउटरीच कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यालयी छात्र-छात्राओं को नवाचार और उद्यमिता के प्रति जागरूक करना और उन्हें प्रोत्साहित करना था। आईआाईसी के अध्यक्ष डॉ. राम साहू ने नवाचार, अटल टिंकरिंग लैब और उद्यमिता की अवधारणाओं पर प्रकाश डालते हुए बताया कि भारत सरकार की अटल टिंकरिंग लैब योजना के तहत विद्यार्थी अपने नवाचारों को निखार सकते हैं और उन्हें व्यापक स्तर पर प्रस्तुत कर सकते हैं। सूक्ष्म जैविकी विभाग के डॉ. विनीत कुमार मौर्य ने सूक्ष्म जैविकी के विभिन्न व्यावसायिक और नवाचार संबंधी संभावनाओं पर चर्चा की। उन्होंने बताया कि हिमालयी क्षेत्र में जैविक खाद, मशरूम उत्पादन, बुरांश जूस, औषधीय पौधों के उपयोग और मेडिकल डायग्नोस्टिक लैब जैसी कई संभावनाएं हैं। जिनसे विद्यार्थी आत्मनिर्भरता की दिशा में बढ़ सकते हैं। रसायन शास्त्र विभाग के डॉ. भास्कर ने बौद्धिक संपदा अधिकार, पेटेंट और कॉपीराइट की विस्तृत जानकारी छात्रों को दी। उन्होंने छात्रों को समझाया कि एक नया विचार कितना मूल्यवान होता है व पेटेंट प्रक्रिया से कैसे आर्थिक लाभ प्राप्त किए जा सकते हैं। विद्यालय प्रबंधन रिद्धीश उनियाल ने छात्रों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि वे अपने नवाचारों को विद्यालय स्तर पर प्रस्तुत करें और विश्वविद्यालय की सहायता से उन्हें राष्ट्रीय स्तर तक पहुँचाने का प्रयास करें। कार्यक्रम में प्रधानाचार्या डा. रेखा उनियाल समेत शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने प्रतिभाग किया।

बंजर भूमि को औषधीय पौधों की खेती से किया जा सकता हरा भरा: प्रो. जोशी

शाह टाइम्स संवाददाता

श्रीनगर। हेमवती नंदन बहुगुणा गढ़वाल विवि के उच्च शिखरीय पादप कार्यिकी शोध केंद्र (हैप्रेक), क्षेत्रीय सह सुविधा केंद्र (उतरी क्षेत्र 1) राष्ट्रीय औषधीय पादप बोर्ड, आयुष मंत्रालय, जोगिंदर नगर, हिमाचल प्रदेश और उद्योगिनी संस्था के संयुक्त तत्वावधान में गुरुवार को औषधीय एवं सुगंधित पौधों की खेती, मूल्य संवर्धन एवं बाजार एकीकरण विषय पर दो दिवसीय क्षेत्रीय कार्यशाला का शुभारंभ हुआ। शिविर में घेस, बलांण, कनोल, सीतेल सहित विभिन्न स्थानों से पहुंचे 100 से अधिक काश्तकारों ने जड़ी-बूटी के कृषिकरण एवं उसके बाजारीकरण के बारे में जानकारी जुटाई। हैप्रेक संस्थान के प्रो. केके नंदा सभागार में शुरू हुई कार्यशाला में बतौर मुख्य अतिथि वीर चंद्र सिंह गढ़वाली उत्तराखंड औद्यानिकी एवं वानिकी विश्वविद्यालय (भरसार) के उद्यान संकाय के संकायाध्यक्ष प्रो. एके जोशी ने कहा कि तेजी के साथ खेत बंजर हो रहे हैं। बंजर भूमि पर संगध या औषधीय पौधों की खेती की जा सकती है। कहा कि सगन्ध व औषधीय पादपों की 170 से अधिक प्रजातियां है, जिन्हें लगाकर भूमि को हरा भरा करने के साथ आजीविका भी सृजित हो सकती है। विशिष्ट अतिथि जिला उद्यान अधिकारी राजेश तिवाडी ने सरकार की ओर से संचालित योजनाओं के बारे में बताया। कहा कि सरकार की किसानों के जिए तमाम योजनाएं तो चला रहीं है, लेकिन काश्तकार कोई दिलचस्पी नहीं ले रहा है। बताया कि काश्तकारों को जागरूक होकर योजनाओं का लाभ लेना होगा। कार्यक्रम में वर्चुअल माध्यम से जुड़े आरसीएफसी एनएमपीबी, आयुष मंत्रालय, जोगिंदर नगर, हिमाचल प्रदेश के निदेशक डा. अरूण चंदन ने कहा कि हिमाचल और उत्तराखंड दोनों राज्य ही जड़ी-बूटी के कृषिकरण एवं संरक्षण के लिए बहुत महत्वपूर्ण जगह है। कहा कि यहां उगने वाले औषधीय पौधे पूरे विश्व में कहीं नहीं पाये जाते। कहा कि हाल ही में कृषि मंत्रालय और आयुष मंत्रालय की सुंयक्त बैठक में जड़ी-बूटी की खेती को राष्ट्रीय स्तर पर शामिल कर दिया है। कार्यक्रम की अध्यक्षता करते हुए प्रो. जेएस चौहान ने काश्तकारों से उद्यमशील बनने को कहा। कार्यशाला में साथ हैप्रेक के निदेशक डा. विजयकांत पुरोहित ने सभी अतिथियों का स्वागत किया तथा अंत में कार्यशाला की समन्वयक डा. बबीता पाटनी ने धन्यवाद ज्ञापित किया। इस मौके पर प्रो. एमसी सती, एनके गुप्ता आरसीएफसी से मिनाक्षी ठाकुर, अविका शुभा, डा. विजयलक्ष्मी, डा. जेएस बुटोला, डा. टीएस बिष्ट, डा. लक्ष्मण कंडारी, डा. सुदीप सेमवाल, डा. जयदेव चौहान, डा. प्रदीप डोभाल के साथ ही उद्योगिनी संस्था के निदेशक शिवम पंत, ब्लॉक संयोजक मनीष पंवार सहित आदि मौजूद थे।

प्राकृतिक और परंपरागत खेती में उलझे कृषि मंत्री

पक्ष-विपक्ष के हंगामे के बाद स्थगित करना पड़ा प्रश्न

पर्ची पे पर्ची आती रही फिर भी सही जवाब नहीं दे सके गणेश जोशी, पूछा पॉलीहाउस में कितना खर्च किया तो बताया क्षेत्रफल

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन पक्ष और विपक्ष ने मिलकर कृषि मंत्री को इस कदर घेरा की उनका प्रश्न ही विधानसभा अध्यक्ष को स्थगित करने पर मजबूर होना पड़ा।

शुक्रवार को प्रश्नकाल के दौरान डोईवाला से भाजपा विधायक बृजभूषण गैरोला ने कृषि मंत्री से पूछा था कि उत्तराखंड में प्राकृतिक खेती को बढ़ावा देने के लिए क्या किया जा रहा है, इसके जवाब में कृषि मंत्री ने कुछ योजनाओं का हवाला देते हुए कहा कि प्राकृतिक कृषि को बढ़ावा दिया जा रहा है। नमामि गंगे प्राकृतिक

कृषि कोरिडोर योजना के तहत पौडी, टिहरी, उत्तरकाशी व चमोली में 1950 है. क्षेत्रफल में प्राकृतिक खेती की जा रही है।

उसके बाद शुरू हुए अनुपूरक सवालों में पहले कांग्रेस विधायक प्रीतम सिंह ने इस सवाल को लपका, तो वहीं उसके बाद कांग्रेस के खटीमा विधायक भुवन कापड़ी ने परंपरागत और प्राकृतिक शब्द पर जोर देते हुए पूछा कि किन फसलों को प्राकृतिक खेती कहा जा रहा है? कृषि मंत्री से जवाब से असंतुष्ट कापड़ी ने दोनों खेती को लेकर स्पष्ट किया और फिर सवाल दागा कि-आप परंपरागत खेती को बढ़ावा दे रहे हैं या प्राकृतिक खेती को? इस सवाल पर कृषि मंत्री उलझ गये। अधिकारी गैलरी में बैठे अफसरों ने कुछ पर्ची भेजी तो मामला और उलझ गया। सवाल कुछ और पूछा जा रहा था, और जवाब कुछ और मिल रहा था। इसी बीच विपक्ष की और से आवाज आई कि कंफ्यूजन है, कंफ्यूजन! फिर सदन में एक आवाज आती है कि, अरे, कोई सचिव से ही मालूम कर लो, तभी आवाज आती है कि सचिव को भी नही पता होगा। इस बीच कांग्रेस के खटीमा विधायक भुवन कापड़ी ने गणेश जोशी का जवाब स्थगित करने की मांग उठाई, उनका कहना था कि दोनों खेती को लेकर मंत्री व उनके अधिकारी समझ नहीं पा रहे हैं।

इस बीच विधायक विनोद चमोली ने कहा कि आप यही बता तो की प्रदेश भर में कितने प्रकार की खेती हो रही है, यह सुनते ही मंत्री गणेश जोशी कुछ बताने की कोशिश करने वाले थे कि तभी प्रीतम सिंह ने सवाल किया कि एक तरफ मंत्री की ओर से कहा जा रहा है कि प्राकृतिक खेती के लिए 8 करोड़ की व्यवस्था की है और फिर ये भी कह रहे हैं कि खेती शुरू नहीं हुई? स्पीकर भी प्राकृतिक खेती के सवाल पर चुटकी लेती नजर आई। सदन के बीच से एक आवाज और सुनाई दी, भई इतने सारे सचिव बैठे हैं कोई तो पर्ची भिजवा दो।

कृषि मंत्री को पर्याप्त समय दिया, संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए: स्पीकर

देहरादून। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी को यह सवाल बिना उत्तर दिए स्थगित करना पड़ा। बड़ी बात यह है कि मंत्री पर लगातार आ रहे सवालों के बाण के बावजूद भी कृषि विभाग के किसी अधिकारी ने सवालों का सही जवाब लिख कर मंत्री तक नहीं भेजा। कृषि मंत्री गणेश जोशी ने इस मामले में कहा कि उनसे जो सवाल पूछा गया था, उसका उन्होंने पूरा जवाब दिया। उसमें किसी तरह का कोई संदेह किसी को नहीं है, इसके अलावा जो विपक्ष के लोग बार-बार एक के बाद एक सवाल ऊपर से पूछ रहे थे, उसका भी लगातार जवाब दिया जा रहा था। लेकिन फिर विधानसभा अध्यक्ष की पीठ से सवाल को स्थगित करने का निर्देश दिया गया तो उन्होंने पीठ का सम्मान किया, हालांकि कृषि मंत्री ने अधिकारियों की खूब क्लास लगाई। वहीं, विधानसभा अध्यक्ष ने कृषि मंत्री गणेश जोशी के द्वारा विधानसभा में प्राकृतिक कृषि को लेकर सही जवाब न देने पर सवाल को स्थगित कर दिया। इस पर विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी का भी कहना है कि कृषि मंत्री को पर्याप्त समय दिया गया, लेकिन जब वह संतोषजनक जवाब नहीं दे पाए, तो फिर उनके द्वारा सवाल को स्थगित करना पड़ा है।

विनोद चमोली, मुन्ना सिंह चौहान व दुर्गेश लाल ने भी घेरा

देहरादून। प्राकृतिक और परंपरागत खेती में उलझे कृषि मंत्री गणेश जोशी को विपक्ष के विधायकों से ही नही अपनी पार्टी के विधायकों से भी लोहा लेना पड़ा। भाजपा विधायक विनोद चमोली ने पूछा कि परंपरागत और प्राकृतिक खेती में क्या-क्या फसल होती हैं, वही मुन्ना सिंह चौहान ने 17.17 लाख खर्च के बारे में पुछा तो मंत्री ने बताया कि पैसा नही क्षेत्रफल की बात हो रही है। इसके अलावा दुर्गेश लाल भी बीच बीच में बोल रहे थे।

प्रदेश में संचालित हो रहे 5813 पॉलीहाउस

देहरादून। प्राकृतिक और परंपरागत खेती में उलझे कृषि मंत्री गणेश जोशी पॉलीहाउस के सवाल पर भी घिरते हुए दिखाई दिये। उन्होने कांग्रेस विधायक विरेंद्र कुमार के सवाल के जवाब में बताया कि नाबार्ड की आरआईडीएफ योजनान्तर्गत क्लस्टर आधारित 50 से 100 वर्गमी आकार के पॉलीहाउस की स्थापना को 80 प्रतिशत राजसहायता प्रदान की जा रही है। वहीं केन्द्रपोषित बागवानी मिशन योजनान्तर्गत पॉहीहाउस स्थापना के लिये 50 प्रतिशत राजसहायता प्रदान की जा रही है। इसके अलावा जिला सेक्टर योजनान्तर्गत कतिपय जनपदों में 30 वर्गमी के पॉलीहाउस स्थापना को 50 से 90 प्रतिशत तक राजसहायता प्रदान की जा रही है। प्रदेश में 5813 पॉलीहाउस संचालित हो रहें हैं।

गुमशदा युवती को पुलिस ने किया बरामद

देहरादून। राजपुर पुलिस ने विगत एक माह से लापता एक नाबालिक व्यक्ति को बरामद कर उसे उसके परिजनों के सुपुर्द कर दिया। विगत 20 जनवरी को एक महिला निवासी चालंग गांव सहस्त्रधारा रोड देहरादून द्वारा थाना राजपुर पर सहसदरा रोड चलन गांव निवासी एक महिला ने तहरीर देते हुए बताया था कि उसकी नाबालिक पुत्री घर से नाराज होकर बिना बताए कहीं चली गई है। तहरीर के आधार पर थाना राजपुर पुलिस द्वारा युवती की सकुशल बरामदगी हेतु टीम गठित की गई। थाना अध्यक्ष राजपुर परमेश्वरी दत्त भट्ट ने जानकारी देते हुए बताया कि गठित टीम द्वारा युवती की बरामदगी हेतु लगातार प्रयास किए गए। इतना ही नहीं नाबालिक युति को बरामद करने के लिए इलेक्ट्रानिक सर्विलासं की मदद भी ली गई। पुलिस टीम द्वारा किये जा रहे लगातार प्रयासों के विकास दिवस मोबाइल सर्विलांस की सहायता से उक्त गुमशुदा युवती को जनपद सरसावा बिहार से सकुशल बरामद कर उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया।

एक नजर ....

कांग्रेस आज सरकार का पुतला दहन करेगी

देहरादून। महानगर कांग्रेस की और से कहा गया कि उत्तराखंड राज्य गंगा जमुनी सस्कृति वाला प्रदेश है, मगर भाजपा सरकार के वरिष्ठ मंत्री प्रेम चंद अग्रवाल की और से शुक्रवार को विधानसभा सदन मे जिस प्रकार 'पहाड़ी' शब्द का प्रयोग करते हुए अपशब्दों का प्रयोग किया गया वह राज्य निर्माण की मूल भावना के खिलाफ है। भाजपा सरकार के मंत्री के अपशब्दों से प्रत्येक उत्तराखंडी को ठेस पहुंची है। महानगर कांग्रेस अध्यक्ष डॉ. जसविंदर सिंह गोगी ने कहा कि सभी उत्तराखंड वासियों का स्वाभिमान धूमिल हुआ है। भाजपा सरकार के मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल की और से प्रयोग किए गए अपमान जनक शब्दों के विरोध में कल (आज) एश्लेहॉल चौक में महानगर कांग्रेस कमेटी भाजपा सरकार का पुतला दहन करेगी।

राजनीतिक नेता व धर्मगुरु मंदिरों के भविष्य पर मंथन के लिए हुए एकजुट

देहरादून। आध्यात्मिक नगरी तिरुपति में आयोजित इंटरनेशनल टेम्पल्स कन्वेंशन एंड एक्सपो (आईटीसीएक्स) 2025 ने भारत के सबसे बड़े और प्रभावशाली मंदिर प्रबंधन सम्मेलन के रूप में अपनी विशेष पहचान बनाई। इस अनूठे आयोजन में देशभर के 1500 से अधिक मंदिरों, प्रतिष्ठित राजनीतिक नेताओं और हिंदू, सिख, बौद्ध व जैन धर्म के धर्मगुरुओं ने अपनी उपस्थिति दर्ज कराई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत 2047 विजन को मजबूती देते हुए, यह आयोजन एक अहम् मंच के रूप में सिद्ध हुआ, जहाँ मंदिरों के प्रबंधन, स्थायी विकास और तकनीकी समावेशन को नई दिशा मिली। सनातन धर्म की मान्यताओं को और मजबूत करते हुए, यहाँ मंदिरों की स्वायत्तता, स्मार्ट टेंपल मिशन और वैश्विक श्रेष्ठ प्रथाओं पर गहन मंथन हुआ। आईटीसीएक्स और टेम्पल कनेक्ट के संस्थापक गिरीश कुलकर्णी और आईटीसीएक्स अध्यक्ष एवं महाराष्ट्र विधान परिषद के मुख्य सचेतक प्रसाद लाड की परिकल्पना से जन्मा यह मंच मंदिर नेतृत्व को एक नई दिशा देने में अहम् भूमिका निभा रहा है। हिंदू समाज के शक्ति केंद्र के रूप में मंदिरों की पुनर्रचना का यह प्रयास अब एक व्यापक आंदोलन बन चुका है।

एसजीआरआर के छात्रों ने हिमालया वेलनेस कंपनी का दौरा किया

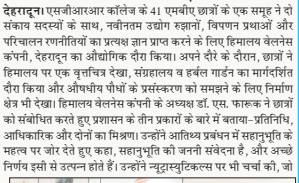

देहरादून। एसजीआरआर कॉलेज के 41 एमबीए छात्रों के एक समूह ने दो संकाय सदस्यों के साथ, नवीनतम उद्योग रुझानों, विपणन प्रथाओं और परिचालन रणनीतियों का प्रत्यक्ष ज्ञान प्राप्त करने के लिए हिमालय वेलनेस कंपनी, देहरादून का औद्योगिक दौरा किया। अपने दौरे के दौरान, छात्रों ने हिमालय पर एक वृत्तचित्र देखा, संग्रहालय व हर्बल गार्डन का मार्गदर्शित दौरा किया और औषधीय पौधों के प्रसंस्करण को समझने के लिए निर्माण क्षेत्र भी देखा। हिमालय वेलनेस कंपनी के अध्यक्ष डॉ. एस. फारूक ने छात्रों को संबोधित करते हुए प्रशासन के तीन प्रकारों के बारे में बताया-प्रतिनिधि, आधिकारिक और दोनों का मिश्रण। उन्होंने आतिथ्य प्रबंधन में सहानुभूति के महत्व पर जोर देते हुए कहा, सहानुभूति की जननी संवेदना है, और अच्छे निर्णय इसी से उत्पन्न होते हैं। उन्होंने न्यूट्रास्युटिकल्स पर भी चर्चा की, जो

1979 में गढ़ा गया एक शब्द है, और पोषण के कल्याण में भूमिका को उजागर किया। उन्होंने हिमालय की अग्रणी योगदानों पर प्रकाश डाला, जिसमें सर्पिना पहली एंटीहाइपरटेंसिव दवा, शामिल है। डॉ. सज्जाद हुसैन ने प्रबंधन में नेतृत्व के महत्व पर जोर देते हुए कहा, टीम उतनी ही अच्छी होती है जितना उसका नेता। डॉ. ममता बंसल ने डॉ. फारूक का उनकी मूल्यवान अंतर्दृष्टियों के लिए धन्यवाद दिया और इस दौरे को छात्रों के लिए औषधीय पौधों के प्रसंस्करण के व्यावहारिक अनुप्रयोग को देखने का एक अनूठा अवसर बताया।

बुजुर्ग महिला फरियादी से प्रेम भाव से मिले पालिकाध्यक्ष

विकासनगर। नगरपालिका अध्यक्ष धीरज बॉबी नौटियाल, सम्मान से भावुक हुई फरियादी महिला। जब नगरपालिका कार्यालय में कुछ लोगों के साथ मीटिंग में होने के बावजूद उन्होंने एक बुजुर्ग महिला को दरवाजे के पास खड़ा देखा तो उन्होंने बुजुर्ग महिला को अपने पास बुला लिया और मीटिंग में चल रहे विषय को छोड़ कर उनकी परेशानी को पूरी विनम्रता के साथ ससम्मान सुना। उन्होंने बुजुर्ग महिला को उनके कार्य के लिये पूरी तरह से आश्वस्त किया।

दरअसल बुजुर्ग महिला अपनी विकलांग बेटी के प्रमाण पत्र के संबंध उनसे मिलने पहुँची थी। इस दौरान धीरज बॉबी नौटियाल ने बुजुर्ग महिला से बातचीत की उससे बुजुर्ग महिला थोड़ी भावुक हो गई। उसके बाद महिला ने निसंकोच धीरज बॉबी नौटियाल से बातचीत की और बड़े ही प्रेम भाव से उनके समक्ष अपनी बात रखी।

एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड ने गोल्ड लोन कारोबार में प्रवेश किया

देहरादून। एलएंडटी फाइनेंस लिमिटेड, जो एक अग्रणी गैर-बैंकिंग वित्तीय कंपनी है, ने पॉल मर्चेंट्स फाइनेंस प्राइवेट लिमिटेड के गोल्ड लोन व्यवसाय के अधिग्रहण के माध्यम से गोल्ड लोन क्षेत्र में प्रवेश करने की घोषणा की है। एलटीएफ के मैनेजिंग डायरेक्टर एवं सीईओ, सुदीप्त रॉय ने कहा कि हम सतत विकास और आकर्षक रिटर्न देने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और यह प्रस्तावित अधिग्रहण उसी दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

देवभूमि उद्यमिता योजना को मिला स्कोच गोल्ड अवार्ड

देहरादून। देवभूमि उद्यमिता योजना (डीयूवाई), उच्च शिक्षा विभाग, उत्तराखंड सरकार द्वारा आरंभ एवं समर्थिक और भारतीय उद्यमिता विकास संस्थान, अहमदाबाद द्वारा कार्यान्वित पहल है जिसे स्कोच पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। प्रोजेक्ट को शिक्षा की श्रेणी में स्वर्ण पदक से सन्मानित किया गया है। प्रोजेक्ट डीयूवाई ने इस पुरस्कार को सुरक्षित करने के लिए 40 से अधिक प्रविष्टियों के साथ प्रतिस्पर्धा की। स्कोच पुरस्कार भारत का सर्वोच्च स्वतंत्र नागरिक सम्मान है। स्कोच अवार्ड समाज में योगदान देने के लिए लोगों, परियोजनाओं और संस्थानों को उनकी असाधारण उपलब्धियों के लिए दिया जाता है। सितंबर 2023 में शुरू की गई, देवभूमि उदयमिता योजना एक महत्वपूर्ण पहल है जिसका उद्देश्य उद्यमिता को बढ़ावा देना है। डॉ. सुनील शुक्ला, डायरेक्टर जनरल, ईडीआईआई व डॉ. अमित कुमार द्विवेदी, प्रोजेक्ट डायरेक्टर के अनुसार, हमारे युवाओं में अपार संभावनाएं हैं।

स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर डॉ. रावत ने विस्तार से दिया जवाब

विपक्ष के स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर उठाए गए सवालों पर सरकार के प्रयासों व कार्यों की दी जानकारी

शाह टाइम्स ब्यूरो

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा बजट सत्र के चौथे दिन शुक्रवार को स्वास्थ्य मंत्री डॉ. धन सिंह रावत ने विपक्ष के स्वास्थ्य सेवाओं को लेकर किए गए सवालों के जवाब विस्तार से दिए। उन्होंने कहा कि हमने कोविड काल में सबको निशुल्क वैक्सीन दी। बदरीनाथ में 50 बेड का अस्पताल तैयार किया हुआ है।

हमारी सरकार की मंशा है कि प्रत्येक व्यक्ति को पहाड़ में ही इलाज मिले। एक साल में अभी तक सरकार ने सभी 26,77,811 लोगों की निशुल्क जांच की है। 94,52,065 सैम्पल की जांच की गई। 1,51,007 संस्थागत प्रसव राज्य में कराए। ईजा बोई योजना के तहत महिलाओं को प्रसव के बाद पौष्टिक आहार के लिए 2000 रुपये दिए जाते हैं। राज्य में मोतियाबिंद के ऑपरेशन के लिए आना, जाना, ऑपरेशन, चश्मा फ्री है। राज्य में टीबी का इलाज फ्री है। मरीज को 1000 रुपये पौष्टिक आहार के लिए दे रहे हैं।

टीबी उन्मूलन में 5000 से ज्यादा गांव टीबी मुक्त हो गए। 2025-26 तक राज्य को टीबी मुक्त करेंगे। घर-घर टीबी की जांच के लिए गाड़ियां भी रवाना की हैं। उत्तराखंड में एनीमिया का इलाज फ्री है। आज राज्य में देहरादून मेडिकल कॉलेज में 150, हल्द्वानी में 150, श्रीनगर में 150, अल्मोड़ा और हरिद्वार में 100-100 छात्र एमबीबीएस कर रहे हैं। इनमें से करीब 40 से 50 फीसदी बच्चे बांड से पढ़ाई करते हैं, जो पढ़ाई के बाद पहाड़ में सेवा देंगें। 2027 तक राज्य में 400 में से 90 फीसदी तक छात्र पीजी करके आ जाएंगे। स्वास्थ्य मंत्री डॉ रावत ने कहा कि आपातकालीन सेवाओं को मजबूत किए जाने के उद्देश्य से वर्ष 2024 25 में महा दिसंबर तक 108 एंबुलेंस द्वारा 107 131 लाभार्थी (प्रसव व दुर्घटनाएं आदि) लाभान्वित हुए हैं। उन्होंने बताया कि उत्तराखंड में चिकित्सकों के कुल 2885 पद स्वीकृत है जिसके सापेक्ष 2342 चिकित्सक कार्यरत हैं इन स्वीकृत पदों के सापेक्ष विशेषज्ञ चिकित्सकों के 1276 पद स्वीकृत है जिसके सापेक्ष मात्र 550 विशेषज्ञ चिकित्सक कार्यरत है तथा 726 पद रिक्त हैं।

वर्तमान में नर्सिंग अधिकारी के कुल 2720 पदों के सापेक्ष 2285 नर्सिंग अधिकारी कार्यरत हैं। उन्होंने कहा की उपलब्धता सुनिश्चित किए जाने के लगातार प्रयास किया जा रहे हैं। विभाग में कार्यरत विश्व यज्ञ चिकित्सकों को उनके विकल्प के आधार पर उनकी अधिवर्षता पर सेवानिवृत की आयु 60 वर्ष से बढ़कर 65 वर्ष की गई है। राष्ट्रीय स्वास्थ्य मिशन के तहत वर्तमान में राज्य के अंतर्गत कुल 120 18 आशा कार्यकत्रियों के सापेक्ष 11996 कार्यरत हैं।

चिकित्सा स्वास्थ्य विभाग को उच्च कोटि की स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कारण जाने की दृष्टिगत 3311540 400 का बजट आवंटित किया गया है। स्वास्थ्य मंत्री ने कहा कि गर्भवती महिलाओं को प्रसव के लिए अस्पताल लाने के दिए 108 तथा प्रसव के बाद जच्चा बच्चा को घर तक छोड़ने के लिए खुशियों की सवारी एंबुलेंस की निशुल्क सुविधा दी जा रही है। सरकार का प्रयास है कि हर एक आदमी को आसानी से स्वास्थ्य सुविधाओं का लाभ मिले।

शनिवार को भी चलेगा सत्र, कार्य मंत्रणा में एजेंडा तय

देहरादून। उत्तराखंड विधानसभा का बजट सत्र शनिवार को भी चलेगा। विधानसभा अध्यक्ष ऋतु खंडूड़ी भूषण की अध्यक्षता में हुई कार्य मंत्रणा समिति ने एजेंडा तय किया। कार्य मंत्रणा की समिति में विपक्ष ने सत्र की अवधि बढ़ाने की मांग फिर दोहराई। बृहस्पतिवार को सदन में बजट पेश होने के बाद सियासी चर्चा थी कि शुक्रवार को सत्रावसान हो सकता है। कार्य मंत्रणा की बैठक में तय किया गया कि शुक्रवार को विधेयक पारित करने के साथ ही बजट पर चर्चा शुरू की जाएगी। सत्र शनिवार को भी चलेगा।

विधायक प्रीतम सिंह ने उठाया स्वास्थ्य सुविधाओं का मुद्दा

देहरादून। नियम-58 के तहत चर्चा में विधायक प्रीतम सिंह ने स्वास्थ्य सुविधाओं का मामला उठाया। वहीं, विधायक मदन सिंह बिष्ट ने कहा कि द्वाराहाट सीएचसी में पद स्वीकृत होने के बावजूद डॉक्टर नहीं हैं। प्रदेश में बड़ी बड़ी इमारतें तो बना रहे हैं लेकिन डॉक्टर उपलब्ध नहीं हैं। जो डॉक्टर पहाड़ में रहना चाहते हैं, उन्हें रहने दिया जाए। विधायक लखपत सिंह बुटोला ने कहा कि जिला अस्पताल में लोग दूर से आते हैं। पहाड़ में सड़कों की जैसी स्थिति होती है, बहुत परेशानी होती है। चमोली जनपद के गोपेश्वर जिला अस्पताल में डॉक्टर नहीं हैं। श्रीनगर का मेडिकल कॉलेज केवल रेफर सेंटर बना हुआ है। देहरादून में हर आधा किलोमीटर पर अस्पताल है लेकिन पहाड़ में मानक का हवाला दिया जाता है। पलायन का सबसे बड़ा कारण स्वास्थ्य है।

सहसपुर विधायक ने उच्चीकरण को शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत से की मुलाकात

विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने रा.उ.मा.वि. कैंचीवाला के उच्चीकरण के लिए किया अनुरोध, जल्द ही इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने का मिला आश्वासन

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने राजकीय उच्चतर माध्यमिक विद्यालय कैंचीवाला के उच्चीकरण के संबंध में उच्च एवं विद्यालय शिक्षा मंत्री धन सिंह रावत से भेंट की। इस मुलाकात में विधायक पुंडीर ने मंत्री रावत से विद्यालय के उच्चीकरण के लिए अनुरोध किया और इसे क्षेत्र के विद्यार्थियों के भविष्य के लिए महत्वपूर्ण कदम बताया। पुंडीर ने कहा कि विद्यालय का उच्चीकरण छात्रों को बेहतर शिक्षा देने में सहायक होगा, साथ ही यह क्षेत्र में शिक्षा के स्तर को भी बढ़ाएगा। मंत्री धन सिंह रावत ने इस पहल को सकारात्मक रूप से लिया और जल्द ही इस दिशा में आवश्यक कदम उठाने का आश्वासन दिया।विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने शिक्षा मंत्री से यह भी अनुरोध किया कि इस विद्यालय में आधुनिक सुविधाएं और संसाधन प्रदान किए जाएं, जिससे छात्रों को बेहतर शैक्षिक वातावरण मिल सके।

पुण्डीर ने मालढुंग जलाशय योजना के निर्माण की उठाई मांग

विकासनगर। उत्तराखंड विधानसभा के बजट सत्र के दौरान सहसपुर विधायक सहदेव सिंह पुंडीर ने नियम 300 के तहत विधानसभा में क्षेत्रवासियों की पेयजल और सिंचाई की समस्याओं को लेकर अपनी आवाज उठाई। विधायक पुंडीर ने कहा कि सहसपुर क्षेत्र में लगातार पेयजल संकट और सिंचाई की किल्लत बनी हुई है, जिससे यहां के किसान और आम लोग गंभीर रूप से प्रभावित हो रहे हैं। पुंडीर ने मालढुंग जलाशय योजना के शीघ्र निर्माण की मांग की, जिससे न केवल पेयजल की समस्या का समाधान होगा, बल्कि सिंचाई सुविधाएं भी उपलब्ध हो सकेंगी। जल संकट को दूर करने के लिए इस योजना को प्राथमिकता देने की अपील की। पुंडीर ने बताया कि इस जलाशय योजना के निर्माण से सहसपुर क्षेत्र के हजारों लोग लाभान्वित होंगे और किसानों को सिंचाई के लिए जल मिल सकेगा, जो उनके कृषि कार्यों में सहायक होगा।

सुभारती में स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। ग्राम सभा कुंजा हरबर्टपुर में झाझरा स्थित गौतम बुद्ध चिकित्सा महाविद्यालय व सम्बद्ध डॉ. केकेबीएम सुभारती अस्पताल की और से शुक्रवार को ग्रामवासियों के लिए एक विशेष नि:शुल्क स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया जिसमें सुभारती अस्पताल के चिकित्सकों की टीम ने 200 से अधिक मरीजों का स्वास्थ्य परीक्षण किया।

कैम्प में वरिष्ठ चिकित्सक डॉ. कृष्णा पांडुरंग व महिला चिकित्सक डॉ. दीक्षा ने सभी मरीजो का रूटीन चेक-अप किया। कान, नाक गला विशेषज्ञ डॉ. ईशान चौधरी ने मरीजों कान व गले में दर्द की समस्या का निदान किया गया।

दंत विशेषज्ञ डॉ. अपर्णना उनियाल द्वारा दांतों की जाँच की मरीजों में दांतों में दर्द की समस्या पायीं गयी। फिजियोथेरेपिस्ट डॉ. प्रिया ने मरीजों को जोड़ो में दर्द, गठिया, बाई के दर्द से निजात को व्यायाम बताए एवं

फिजियोथेरेपी भी की गयी।

नैचुरोपैथी विशेषज्ञ डॉ. अभिलाष द्वारा मरीजों को स्वस्थ जीवन शैली की सलाह दी गयी। नेत्र रोग विभाग के तकनीशियन पंकज ने मरीजों की नि:शुल्क आँखों की जाँच भी की।

चिकित्सकों ने सभी को स्वास्थ्य संबंधी जानकारी दी तथा शीत ऋतु में बदलते मौसम से होने वाले रोगों से बचाव के उपाये बताए। ज्यादातर लोगों को बुखार, नजला. खासी, साँस एवं पेट संबंधी रोग, कान बहना व कान के पर्दे की शिकायत मिली। कैंप में सुभारती अस्पताल की और से नि:शुल्क दवा का वितरण किया गया। उच्चस्तरीय स्वास्थ्य परीक्षण एवं इलाज के लिये मरीजों को सुभारती अस्पताल संदर्भित किया गया।

शिविर के आयोजन में अस्पताल के प्रचार-प्रसार एवं मार्केटिंग प्रमुख एवं सहायक आचार्य डॉ. प्रशान्त कुमार भटनागर का मार्गदर्शन रहा। नर्सिंग स्टाफ प्रिया आर्या फार्मासिस्ट कविता व ममता हॉस्पिटल एग्जीक्यूटिव सन्नी धीमान व अंशुल धीमान का विशेष सहयोग रहा। ग्राम कुंजा के समस्त ग्रामवासियों व सचिन, चेति देवी द्वारा एसडीओ मार्केटिंग आदित्य गौतम, व समस्त मेडिकल टीम का अनिभनंदन एवं धन्यवाद ज्ञापित किया।

चकराता-पाटियाधार मार्ग सुधारीकरण पर छावनी बोर्ड अधिकारियों का सम्मान

शाह टाइम्स संवाददाता

चकराता। ग्रामीणों की मांग पर चकराता से खादरा पाटियाधार मोटर मार्ग के सुधारीकरण के बाद ग्राम पाटी में आयोजित एक समारोह में छावनी परिषद के अध्यक्ष, सीईओ व बोर्ड सदस्यों को खत बणगांव के ग्रामीणों ने सम्मानित किया। इस अवसर पर ग्रामीणों ने मार्ग के नवीनीकरण के लिए छावनी प्रशासन का आभार प्रकट किया।

शुक्रवार को ग्राम पाटी में आयोजित इस सम्मान समारोह में छावनी परिषद के अध्यक्ष ब्रिगेडियर अलीन देब साहा, सीईओ आर. एन. मंडल, बोर्ड सदस्य अनिल चांदना और एसओ टू पीसीबी लेफ्टिनेंट कर्नल अरविंद सिरोही पहुंचे। ग्रामीणों ने पारंपरिक ढोल-नगाड़ों व रणसिंघे की गूंज के बीच फूलमालाओं से उनका भव्य स्वागत किया। इस दौरान उन्हें स्मृति चिन्ह और शॉल भेंट कर सम्मानित

चकराता से पाटियाधार तक बने संपर्क मार्ग की जर्जर स्थिति को सुधारने की मांग

किया गया।

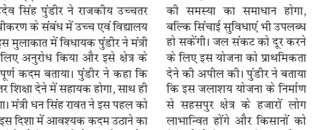

समारोह में ग्रामीण मातवर सिंह चौहान ने कहा कि एक वर्ष पूर्व जब बोर्ड अध्यक्ष व सीईओ गांव आए थे, तब ग्रामीणों ने चकराता से पाटियाधार तक बने संपर्क मार्ग की जर्जर स्थिति को सुधारने की मांग की थी। इसके बाद यह मामला बोर्ड में रखा गया और छावनी परिषद के अंतर्गत आने वाले इस मार्ग का सुधारीकरण किया गया। उन्होंने बताया कि इस मार्ग से खत बणगांव के लोगों का चकराता आने-जाने का सफर 20 किलोमीटर तक कम हो गया है।

कार्यक्रम में बोर्ड अध्यक्ष ब्रिगेडियर अलीन देब साहा ने कहा कि चकराता न केवल एक जनजातीय क्षेत्र है बल्कि एक उभरता हुआ पर्यटन स्थल भी है। इसे स्वच्छ, सुरक्षित और सुंदर बनाए रखना सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने बताया कि अपने कार्यकाल के दौरान उन्होंने क्षेत्र की शिक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के प्रयास किए हैं, जिसमें कैंट इंटर कॉलेज और जौनसार पब्लिक स्कूल में विभिन्न सुधार कार्य शामिल हैं।

बोर्ड सदस्य अनिल चांदना ने ग्रामीणों द्वारा सम्मान समारोह आयोजित करने पर आभार व्यक्त किया और कहा कि छावनी परिषद हमेशा जनहित और विकास कार्यों को प्राथमिकता देती है।

सीईओ आर. एन. मंडल ने भी ग्रामीणों के सहयोग के लिए धन्यवाद दिया। इस अवसर पर खत स्याणा राकेश तोमर, ग्राम प्रधान रावना पाटी बॉबी चौहान, गंभीर सिंह, आनंद सिंह, चमन चौहान, अजब सिंह, शरण, नरेश रावत, जवाहर सिंह नेगी, नारायण सिंह आदि उपस्थित रहे।

पुलिस ने मानसिक रूप से विक्षित व्यक्ति को 'अपना घर' आश्रम के किया सुपुर्द

शाह टाइम्स संवाददाता

विकासनगर। चौकी हरबर्टपुर थाना विकासनगर क्षेत्र में घूम रहे मानसिक रूप से विक्षिप्त व्यक्ति को कोतवाली विकासनगर पुलिस द्वारा किया 'अपना घर' आश्रम के सुपुर्द।

चौकी हरबर्टपुर कोतवली विकासनगर क्षेत्र में एक व्यक्ति घूमता मिला। जिससे नाम पता पूछा तो अपना नाम संतोष पासवान पुत्र रमेश पासवान निवासी ग्राम पिल्खी थाना साकरा जनपद मुजफ्फरपुर बिहार बताया। जिसके सम्बन्ध में संबंधित थाना.व ग्राम सरपंच से संपर्क किया गया तो उनके द्वारा जानकारी दी गई कि उक्त व्यक्ति लगभग 1 साल से घर से बाहर है व घर में माता-पिता का देहांत होना होने कारण उक्त व्यक्ति का कोई वारिस नहीं है। जिस पर चौकी प्रभारी हरबर्टपुर एसआई सनोज कुमार द्वारा गैर सरकारी संस्था अपना घर आश्रम शुक्रताल मुजफ्फरनगर से संपर्क कर उक्त व्यक्ति के उपचार एवं अन्य भरण दृपोषण हेतु अनुरोध किया गया। एसआई सनोज कुमार चौकी प्रभारी हरबर्टपुर के सार्थक प्रयासों से उक्त व्यक्ति को को गैर सरकारी संस्था अपना घर आश्रम शुक्रताल मुजफ्फरनगर उ0प्र0 दाखिल कराया गया ताकि उक्त व्यक्ति भविष्य में सामान्य जीवन जी सके।

पांच सूत्रीय मांगों को लेकर लघु व्यापारियों ने किया सहायक नगर आयुक्त का घेराव

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। लघु व्यापारी संगठन लघु व्यापार एसोसिएशन के प्रांतीय अध्यक्ष संजय चोपड़ा के नेतृत्व में लघु व्यापारियों ने अपनी पांच सूत्रीय मांगों को लेकर फेरी समिति प्रभारी अधिकारी सहायक नगर आयुक्त रविंद्र दयाल का घेराव किया। इस अवसर पर संजय चोपड़ा ने कहा कि नगर निगम प्रशासन द्वारा समय से फेरी समिति की बैठक न बुलाए जाने के कारण हरिद्वार नगर निगम क्षेत्र के लघु व्यापारियों का पीडब्ल्यूडी, सिंचाई विभाग, पुलिस प्रशासन द्वारा उत्पीड़न व शोषण किया जा रहा है। संजय चोपड़ा ने कहा प्रधानमंत्री स्ट्रीट वेंडर्स आत्मनिर्भर योजना, राष्ट्रीय आजीविका मिशन, उत्तराखंड नगरीय फेरी नीति नियमावली के अनुसार शहरी समृद्धि को बढ़ावा देने के लिए रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को

वेंडिंग जोन, हाकिंग जोन में व्यवस्थित व स्थापित किया जाना चाहिए था। लेकिन नगर निगम प्रशासन की लापरवाही की वजह से नगरीय फेरी नीति नियमावली का क्रियान्वन नहीं हो पा रहा है। उन्होंने कहा कि वर्ष 2018 के नगर निगम सर्वे के अनुसार अभी तक तीन वेंडिंग जोन विकसित किए गए हैं। लेकिन विकसित किए गए वेंडिंग जोन में भी लाभार्थियों को मूलभूत सुविधाओं का लाभ नहीं मिल पा रहा है। उन्होंने कहा शीघ्र ही शहरी विकास मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल से मुलाकात कर पूरे प्रदेश में रेडी पटरी के लघु व्यापारियों की समस्याओं का अवगत कराकर शासन स्तर पर फेरी नीति नियमावली की समीक्षा बैठक की मांग को प्रमुख रूप से उठाया जाएगा। लघु व्यापारियों को आश्वासन देते हुए सहायक नगर आयुक्त रविंद्र दयाल ने कहा कि शीघ्र ही उच्च अधिकारियों से निर्देशन प्राप्त कर मार्च के प्रथम सप्ताह में फेरी समिति की बैठक आयोजन कर नगर निगम में सभी पंजीकृत रेडी पटरी के लघु व्यापारियों को योजनाबद्ध तरीके से सरकार के संरक्षण में व्यवस्थित व स्थापित किया जाएगा। इस दौरान प्रद्युम्न सिंह, विकास सक्सेना, सुनील कुकरेती, मनीष, धर्मपाल सिंह, आजम अंसारी, मोहनलाल, सचिन बिष्ट, प्रमोद, वीरेंद्र, श्याम कुमार, भोले यादव, चंदन सिंह रावत, जय सिंह बिष्ट, ओमप्रकाश आदि लघु व्यापारी प्रमुख रूप से शामिल रहे।

योनेक्स सनराइज उत्तराखंड मास्टर वेटरेन बैडमिंटन चैंपियनशिप शुरू

हरिद्वार। नवनिर्मित सिटी स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में तीन दिवसीय योनेक्स सनराइज 23वीं उत्तराखंड मास्टर वेटरेन बैडमिंटन चैंपियनशिप का आयोजन किया गया। जिसमें प्रदेश के करीब ढाई सौ से भी अधिक खिलाड़ी प्रतिभाग करेंगे। एचआरडीए के उपाध्यक्ष अंशुल सिंह ने बताया कि स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स का शुभारंभ बड़ी प्रतियोगिता से हुआ है। जिसका लाभ यहां के युवाओं को होगा। बैडमिंटन एसोसिएशन के सचिव आशुतोष शर्मा का बताया कि तीन दिन चलने वाली इस प्रतियोगिता में राज्य के सभी जिलों से खिलाड़ी प्रतिभाग कर रहे हैं। प्रतियोगिता में पुरुष और महिला वर्ग में मैच खेले जाएंगे।

दुर्भाग्यपूर्ण है भाजपा विधायक बिशन सिंह चुफाल का बयान: दीपक

हरिद्वार। भाजपा के पूर्व प्रदेश अध्यक्ष विधायक बिशन सिंह चुफाल के बयान को कांग्रेस नेता दीपक टंडन ने दुर्भाग्यपूर्ण बताया है। दीपक टंडन ने कहा कि भाजपा विधायक बिशन सिंह चुफाल गैर जिम्मेदाराना बयान देकर भाजपा की रीती नीतियों से प्रदेश की जनता को अवगत करा रहे हैं। दीपक टंडन ने कहा कि प्रदेश के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी प्रदेश को नशा मुक्त करने के लिए अभियान चला रहे हैं। लेकिन उनके ही विधायक मांग कर बीड़ी पीने जैसे बयान देकर उत्तराखंड की छवि को धूमिल करना चाहते हैं। गैर जिम्मेदाराना बयान देकर चुफाल प्रदेश की जनता को क्या संदेश देना चाहते हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश की जनता विधायक बिशन सिंह चुफाल के बयान से आहत है। तंबाकू जैसे उत्पाद को लेकर उनका बयान तंबाकू की वस्तुओं को लोकप्रिय करने जैसा है। उन्हें प्रदेश की जनता से अपने बयान के लिए माफी मांगनी चाहिए।

दीपक टंडन ने यह भी कहा कि विधायक को शर्म आनी चाहिए। जनप्रतिनिधि ही इस तरह का बयान देंगे तो प्रदेश का हित कैसे हो सकता है। पूरे प्रदेश में बंदरबांट का खेल जारी है। सत्ता के विधायक बेहतर जीवन जी रहे हैं। जनता की समस्याओं से उनका कोई लेना देना नहीं है। प्रदेश के लोग अनेकों प्रकार के टैक्स, महंगाई का बोझ और बेरोजगारी झेल रहे हैं और भाजपा विधायक बिशन सिंह चुफाल बीड़ी पीने जैसी बातें कर रहे हैं। जन समस्याओं से इनका कोई लेना देना नहीं है।

कांवड़ियों की सुरक्षा के हों पुख्ता इंतजाम: कविता यादव

शाह टाइम्स संवाददाता

काशीपुर। भाजपा की पूर्व पार्षद एवं जिला उपाध्यक्ष महिला मोर्चा कविता यादव ने प्रशासन से मांग की है कि महाशिवरात्रि पर्व के दौरान जिस मार्ग से कांवरिये गुजरते हैं उस मार्ग पर पुलिस की सुरक्षा व्यवस्था के पुख्ता इंतजाम एवं पुलिस पेट्रोलिंग होनी चाहिए क्योंकि गत वर्षों में देखने में आया है कि कुछ सामाजिक तत्व शहर का माहौल बिगड़ने का कार्य करते हैं।

ऐसे असामाजिक तत्वों पर कड़ी से कड़ी नजर रखी जाए ताकि कोई भी अप्रिय घटना घटित न हो। उन्होंने नगर निगम प्रशासन से भी आग्रह किया है कि निर्धारित मार्ग पर सफाई एवं प्रकाश व्यवस्था का उचित प्रबंध किया जाए, साथ ही काशीपुर के सभी मंदिरों के आसपास साफ सफाई एवं चूने की व्यवस्था की जाए। उन्होंने स्वास्थ्य विभाग से भी आग्रह किया है कि मुख्य चौराहे पर एक मेडिकल कैंप लगाया जाए जिसमें कांवरियों को स्वास्थ्य संबंधी परेशानी होने पर उनका निशुल्क उपचार किया जा सके।

सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने किया कॉमर्स एंड इंडस्ट्री विकास संस्थान द्वारा आयोजित तीन दिवसीय एक्सपो का उद्घाटन

हरिद्वार। कॉमर्स एंड इंडस्ट्री विकास संस्थान द्वारा प्रेम नगर आश्रम के गोवर्धन हॉल में आयोजित तीन दिवसीय हिमालयन एक्सपो व भारत डेवलपमेंट स्कीम एक्सपो का उद्घाटन हरिद्वार सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने किया। प्रदर्शनी 23 फरवरी तक चलेगी। जिसमें देश-विदेश की सैकड़ों कंपनियां और उत्तराखंड राज्य सरकार व भारत सरकार के मंत्रालय ओर विभाग भाग ले रहे हैं। सांसद त्रिवेंद्र सिंह रावत ने कहा कि इस तरह की प्रदर्शनियों से स्थानीय उत्पादों को लेकर लोगों में उत्साह बढ़ता है। स्थानीय लोगों द्वारा तैयार किए गए उत्पादों को लोग प्रदर्शनी के माध्यम से यहां देख भी सकते हैं और परख भी सकते हैं। जिससे उनकी अच्छी मार्केटिंग हो जाती है। उन्होंने कहा कि वोकल फॉर लोकल का जो सपना देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा देखा गया है। वो इस प्रदर्शनी में झलक रहा है। यहां पर कई राज्यों के लोग आकर अपने-अपने उत्पादों के स्टॉल लगा रहे हैं। साथ ही लोग भी इन उत्पादों को परख रहे हैं। इसी के साथ उन्होंने कहा कि कोरोना काल के बाद पूरे विश्व ने भारत के आयुर्वेद का लोहा माना है। बलिन्दर कुमार ने बताया की प्रदर्शनी में एमएसएमई मंत्रालय भारत सरकार द्वारा देश की लगभग 100 इकाइयों को भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। सीएसआईआर, उत्तराखंड जल विद्युत निगम, बाग, वानी विभाग तमिलनाडु, बागवानी विभाग उत्तराखंड, आईसीएआर द्वारा जनकल्याणकारी योजनाओं को प्रदर्शित किया किया जा रहा है। प्रदर्शनी देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के आत्मनिर्भर भारत लक्ष्य से प्रेरित होकर आयोजित की गई है। जिसमें आयुर्वेद, ऑर्गेनिक, हैंडलूम, हैंडीक्राफ्ट कृषि, बागवानी, जूट आदि घरेलू उत्पादों को बढ़ावा मिलेगा।

रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाए जाने पर श्री वैश्य बंधु समाज ने जताया हर्ष

महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही भाजपा:अशोक अग्रवाल

हरिद्वार। श्री वैश्य बंधु समाज मध्य क्षेत्र हरिद्वार एवं संस्था की महिला विंग की सदस्यों ने रेखा गुप्ता को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाए जाने पर हर्ष जताते हुए पुराने रानीपुर मोड़ पर एकत्र होकर राहगीरों को मिठाई वितरित की।

श्री वैश्य बंधु समाज मध्य क्षेत्र हरिद्वार के मार्गदर्शक पराग गुप्ता एवं संस्थापक अध्यक्ष अशोक अग्रवाल ने कहा कि भाजपा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा दे रही है। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता निश्चित रूप से दिल्ली के विकास में अपना योगदान देंगी। पार्टी को भी उनके अनुभव का लाभ प्राप्त होगा। उन्होंने कहा कि वैश्य समाज की महिलाएं राजनीति के माध्यम से भी देश सेवा में भी अग्रणी भूमिका निभा रही है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पार्टी में समान रूप से महिलाओं को हिस्सेदारी दे रहे हैं।

अशोक अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज बड़ी संख्या में भाजपा की विचारधाराओं से जुड़ा हुआ है। हिंदुओं के संरक्षण संवर्धन में केंद्र एवं राज्य सरकार अनेकों जन कल्याणकारी योजनाएं चला रही हैं। उन्होंने रेखा गुप्ता को दिल्ली का मुख्यमंत्री बनाए जाने पर भाजपा के शीर्ष नेतृत्व का आभार जताया। महिला विंग की संस्थापक शशि अग्रवाल, अध्यक्ष पूजा अग्रवाल ने कहा कि वैश्य समाज की महिला को दिल्ली की मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने समाज की सभी महिलाओं को सम्मान दिया है। रेखा गुप्ता अनुभवी प्रशासक के रूप में दिल्ली का चहुंमुखी विकास करेंगी। दिल्ली सरकार की योजनाओं का लाभ सभी दिल्ली वासियों को समान रूप से दिलाएंगी।

आभार जताने वालों में सीमा अग्रवाल, नमिता गुप्ता, अर्चना अग्रवाल, लपकी अग्रवाल, सपना गर्ग, शालिनी अग्रवाल, विवेक अग्रवाल, वेनीत अग्रवाल, प्रवीण आदि शामिल रहे।

भारतीय मानक ब्यूरो ने आईआईटी रुड़की के छात्रों को कराया हैवल्स इंडिया का भ्रमण

हरिद्वार। भारतीय मानक ब्यूरो देहरादून की ओर से भारतीय प्रौद्योगिकी संस्थान रुड़की के मानक क्लब के विद्यार्थथयों के लिए हरिद्वार सिडकुल स्थित हैवल्स इंडिया लिमिटेड में इंडस्ट्रियल एक्सपोजर विजिट का आयोजन किया गया। इस दौरान आईआईटी रुड़की के विद्यार्थियों ने औद्योगिक प्रक्रिया को जाना। हैवल्स इंडिया लिमिटेड की ओर से भीष्म सिंह गहलोत तथा अनुप सिंह ने व्याख्यान के माध्यम से औद्योगिक इकाई की कार्यप्रणाली पर विस्तार से जानकारी दी। मानक क्लब के मेंटर डा.मोहित प्रकाश मोहंती ने कहा कि हैवल्स इंडिया लिमिटेड में आयोजित शैक्षिक भ्रमण द्वारा विद्यार्थियों को मैन्युफैक्चरिंग की प्रक्रिया को विस्तार से जानने का अवसर मिला।

भारतीय मानक ब्यूरो की ओर से डा.जितेंद्र नेगी ने बताया कि भारतीय मानक ब्यूरो का यह प्रयास विद्यार्थियों को मानक के प्रति जागरूक करने का अहम प्रयास है। इस अवसर पर कार्यक्रम के समन्वयक एसएमओएल पीजी कॉलेज के प्राध्यापक एवम् भारतीय मानक ब्यूरो के रिसोर्स पर्सन डा. विजय शर्मा ने भारतीय मानक ब्यूरो द्वारा मानक जागरूकता कार्यक्रमों की जानकारी भी साझा की। उन्होंने भारतीय मानक ब्यूरो तथा हैवल्स इंडिया लिमिटेड की स्थानीय इकाई का आभार व्यक्त किया।

हल्द्वानी से फरार हुआ कैदी काशीपुर में दबोचा

काशीपुर। हल्द्वानी स्थित सुशीला तिवारी चिकित्सालय से सुरक्षा कर्मियों को चकमा देकर फरार विचाराधीन कैदी को आईटीआई थाना पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। अभियुक्त के खिलाफ विभिन्न थानों में 14 मामले पंजीकृत हैं। बताते चलें कि पुलिस ने चोरी के एक मामले में रोहित कुमार पुत्र मनीपाल निवासी चैती गांव हाल सत्यम पैलस के पास खड़कपुर देवीपुरा थाना आईटीआई, काशीपुर को गिरफ्तार किया था। बीती 18 फरवरी को पेट दर्द की शिकायत करने पर कांस्टेबल पवन गोसाईं व खेम सिंह इलाज के लिए आरोपी को एसटीएच लेकर आए थे। इसी दौरान रोहित पुलिस को चकमा देकर भाग गया था। इस मामले में हल्द्वानी थाने में एफआईआर दर्ज कराई गई थी।

डा.चिन्मय पण्ड्या ने रीगा में कराया गायत्री महायज्ञ

शाह टाइम्स संवाददाता

हरिद्वार। देवसंस्कृति विवि के प्रतिकुलपति डा.चिन्मय पंडया अपने यूरोप प्रवास के दौरान लातविया पहुँचे। उन्होंने लातवियां की राजधानी रीगा में नवगठित गायत्री परिवार के सहयोग से गायत्री यज्ञ आयोजन का संचालन किया। यह आयोजन बाल्टिक देशों और भारत के बीच गहरे आध्यात्मिक और सांस्कृतिक संबंधों को और सशक्त बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

ज्ञात हो कि देव संस्कृति विश्व. विद्यालय में एशिया का पहला और विश्व का सबसे बड़ा बाल्टिक संस्कृति एवं अध्ययन केंद्र स्थापित किया गया है, जहां लातवियाई परिजन लगातार आते हैं। डा. चिन्मय पंडया के मार्गदर्शन में गायत्री परिवार की संस्थापिका भगवती देवी शर्मा के जन्मशताब्दी वर्ष छुट्टछुट्ट में आयोजित किए जाने वाले कार्यक्रमों की शृंखला के तहत पहली बार लातवियां के गायत्री परिवारजनों ने ज्योति कलश यात्रा यज्ञ किया। इसमें सौ से अधिक लातवियाई परिजनों ने भाग लिया और अपने घरों में ज्योति कलश व वेद स्थापना करवाया और नियमित गायत्री उपासना, साधना व आराधना का संकल्प लिया। डा.चिन्मय पंडया ने बताया कि ज्योति कलश अब लिथुआनिया की यात्रा करेगा। जहां गायत्री यज्ञ, देव स्थापना व अन्य कार्यक्रम सम्पन्न होंगे।

सनातन धर्म संस्कृति को आगे बढ़ाने में संत महापुरुषों की अहम भूमिका: श्रीमहंत रविंद्रपुरी

हरिद्वार। मिस्सरपुर स्थित श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर का 35वां स्थापना दिवस संत महापुरूषों व श्रद्धालु भक्तों के सानिध्य में उत्साहपूर्वक मनाया गया।

इस अवसर पर हवन यज्ञ एवं संत सम्मेलन का आयोजन किया गया। संत सम्मेलन को संबोधित करते हुए अखाड़ा परिषद अध्यक्ष एवं श्री पंचायती अखाड़ा महानिर्वाणी के सचिव श्रीमहंत रविंद्रपुरी महाराज ने कहा कि श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर श्रद्धालु भक्तों की आस्था का केंद्र है। सनातन धर्म संस्कृति और परंपराओं को आगे बढ़ाने में संत महापुरूषों की हमेशा अहम भूमिका रही है। श्री सिद्धेश्वर मंदिर के महंत हनुमान बाबा जिस प्रकार मंदिर की व्यवस्थाओं का संचालन कर रहे हैं, वह सराहनीय है।

महंत हनुमान बाबा ने सभी संत महापुरूषों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि श्री सिद्धेश्वर महादेव मंदिर में आने वाले श्रद्धालु भक्तों की सभी मनोकामनाएं भगवान शिव अवश्य पूरी करते हैं। उन्होंने कहा कि शिवरात्रि पर मंदिर में विशेष आयोजन किया जाएगा। जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालु भक्त और संतजन शामिल होंगे। बापेश्वर धाम के परमाध्यक्ष महंत मधुसूदन गिरी महाराज ने कहा कि इस सृष्टि के कण-कण में भगवान शिव का वास है। जो श्रद्धालु भक्त नियमपूर्वक भगवान शिव का ध्यान करते हैं। भगवान शिव की कृपा से उनके कल्याण का मार्ग प्रशस्त होता है। इस अवसर पर महामंडलेश्वर स्वामी कपिल मुनि, महंत जसलवदर सिंह, महंत निर्भय सिंह, महंत राघवेंद्र दास, स्वामी शिवानंद, महंत गोविंददास, महंत जयेंद्र मुनि, महंत कैलाश मुनि, स्वामी संतोषानंद, स्वामी ऋषि रामकृष्ण, स्वामी राममुनि, स्वामी अनंतानंद, स्वामी रविदेव शास्त्री, महंत सुतिश्रु मुनि, स्वामी कृष्णानंद, महंत सूर्यमोहन गिरी सहित बड़ी संख्या में संत और श्रद्धालु मौजूद रहे।

पुलिस जवान ने नेशनल गेम्स में कांस्य पदक जीता

एसएसपी ने की पांच हजार रुपये का इनाम देने की घोषणा

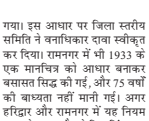

हरिद्वार। हाल ही में उत्तराखंड में आयोजित 38वें नेशनल गेम्स में पदक जीतकर लौटे जवान को एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल ने बधाई ओर पांच हजार रूपए का ईनाम देने की घोषणा की। राष्ट्रीय खेलों में जूड़ो के मिक्स्ड डबल इवेंट में कांस्य पदक जीतने वाले हरिद्वार पुलिस के हेडकांस्टेबल वीरेंद्र सिंह कैंप कार्यालय में एसएसपी प्रमेंद्र सिंह डोबाल से भेंट की। वीरेंद्र सिंह की शानदार उपलब्धि पर खुशी जताते हुए एसएसपी ने उन्हें और अधिक मेहनत करने के लिए प्रेरित करते हुए भविष्य के लिए शुभकामनाएं और पांच हजार रूपए का नगद ईनाम देने की घोषणा की।

आधा दर्जन गांवों में लो वोल्टेज

बागेश्वर। बनलेख के पास बिजली की लाइन में चीड़ का पेड़ गिरने से दुग-नाकुरी तहसील के करीब आधा दर्जन गांव लो वोल्टेज की समस्या से जूझ रहे हैं। तीन दिन से लोगों के फ्रिज और कंप्यूटर शोपीस बने हुए हैं। हालांकि विभाग ने विजयुर उप केंद्र से लाइन जोड़ी है, लेकिन इसका भी लाभ ग्रामीणों को नहीं मिल रहा है। ग्रामीणों ने जल्द समस्या का समाधान करने की मांग की है।

गोवंशीय गोसदन भेजे

बागेश्वर। नगरपालिका अध्यक्ष खेतवाल ने पदभार ग्रहण करते ही समस्याओं पर काम करना शुरू कर दिया है। उन्होंने चुनवा के दौरान अपने संकल्प पत्र में शामिल नगर से आवारा पशुओं को सुरक्षित गौ सदन भेजने का वादा नगरवासियों से किया गया था। उन्होंने शुक्रवार नगर पालिका के कर्मचारियों के साथ मिलकर करीब 16 गाय व गौ वंश को श्री राधा कृष्ण गौ सदन बाजपुर भेजा गया है। चेयरमैन सुरेश खेतवाल ने नगरवासियों व नगर की सीमाओं से लगे ग्रामसभाओं के लोगों से अपील करते हुए कहा कि वे अपने गौवंश को नगर में न छोड़ें। इससे नगर की यातायात व्यवस्था से लेकर लोगों के कृषि व अन्य कार्य प्रभावित हो रहे हैं। उन्होंने कहा कि नगर पालिका आने वाल दिनों में आवारा छोड़ जाने वाले गायों को उनके कान पर लगे टैग के आधार पर ट्रक करने का काम भी शुरू करेंगी।

वन मंत्री को नहीं कानून की जानकारी, लोगों में रोष

शाह टाइम्स संवाददाता

बिंदुखत्ता। वन अधिकार अधि. नियम 2006 के तहत बिंदुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित करने की प्रक्रिया आठ माह से लंबित है, लेकिन वनाधिकार कानून नेताओं और अधिकारियों की लाप. रवाही और नियमों की गलत व्याख्या के कारण 80 हजार की आबादी बुनियादी सुविधाओं से वंचित है। इस गंभीर मुद्दे को लेकर पूर्व सैनिक संगठन और वन अधिकार समिति ने आज उपजिलाधिकारी के माध्यम से राज्य स्तरीय वनाधिकार निगरानी समिति को एक तीखा ज्ञापन सौंपा। इस मामले को विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य और विधायक हरीश धामी ने उठाया था, लेकिन वन मंत्री सुबोध उनियाल ने जवाब देते हुए कहा कि 75 वर्ष पूरे होना आवश्यक है, जबकि वना.

धिकार अधिनियम में ऐसी कोई बाध्यता नहीं है। यह जवाब ही इस बात का सबूत है कि सरकार को इस कानून की सही जानकारी नहीं है। वनाधिकार अधिनियम 2006 की धारा 2(ण) और जनजाति मंत्रालय के स्पष्ट निर्देशों के अनुसार अन्य परंपरागत वन निवासी (ओटीएफडी) समुदाय को तीन पीढ़ियों से बनाश्रित होने का प्रमाण देना होता है, न कि किसी विशेष स्थान पर 75 वर्ष से रहने का। हरिद्वार और रामनगर में इसी आधार पर वना. धिकार दावे स्वीकृत किए गए हैं, लेकिन बिंदुखत्ता के मामले में मनमाने ढंग से अलग नियम लागू किए जा रहे हैं।

इस संबंध में नैनीताल की जिला. धिकारी ने भी अपनी रिपोर्ट में स्पष्ट रूप से लिखा है कि वनाधिकार अधिनियम में 75 वर्षों से एक ही स्थान पर निवास करना आवश्यक नहीं है। फिर भी शासन इस मुद्दे पर कोई ठोस कदम नहीं उठा रहा। हरिद्वार की वनाधिकार पत्रावली में, 1952 में कुछ छात्रों के स्थानांतरण प्रमाण पत्र को आधार बनाकर उनकी दूसरी पीढ़ी को मान्यता दी गई और वर्तमान पीढ़ी को तीसरी पीढ़ी माना गया। इस आधार पर जिला स्तरीय समिति ने वनाधिकार दावा स्वीकृत कर दिया। रामनगर में भी 1933 के एक मानचित्र को आधार बनाकर बसासत सिद्ध की गई, और 75 वर्षों की बाध्यता नहीं मानी गई। अगर हरिद्वार और रामनगर में यह नियम लागू हो सकता है, तो फिर बिंदुखत्ता में क्यों नहीं? क्या सरकार जानबूझकर बिंदुखत्ता के नागरिकों के साथ भेदभाव कर रही है? वना. धिकार समिति ने अपने ज्ञापन में चेतावनी दी है कि यदि बिंदुखत्ता को राजस्व ग्राम घोषित नहीं किया गया, तो जनता आंदोलन के लिए बाध्य होगी। 80,000 की आबादी पिछले आठ महीनों से बिजली, पानी, सिंचाई, पंचायती राज, कृषि, सड़क और बैंक ऋण जैसी बुनियादी सरकारी योजनाओं से वंचित है।

पुलिस आरक्षी भर्ती 24 फरवरी को

बागेश्वर। पुलिस अधीक्षक ने आगामी पुलिस आरक्षी भर्ती को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता से सम्पन्न कराये जाने को लेकर समीक्षा बैठक ली। बैठक में उन्होंने कर्मचारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

एसपी चन्द्र शेखर घोड़के ने आगामी 24 फरवरी को पुलिस लाइन बागेश्वर में होने वाली पुलिस आरक्षी पुरुष भर्ती परीक्षा से सम्बन्धित (शारीरिक मानक/दक्षता परीक्षा) को निष्पक्ष एवं पारदर्शिता से आयोजन के निर्देश दिए। उन्होंने पुलिस के आलाधिकारियों की बैठक लेते हुए कहा कि भर्ती हेतु आने वाले अभ्यार्थियों को उनके चेस्ट नम्बरों का आवंटन समय से किये जाए। भर्ती प्रक्रिया में पारदर्शिता लाने के लिये शारीरिक मानक/दक्षता परीक्षा की सभी स्पर्धाओं की वीडियोग्राफी के सम्बन्ध में आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। ड्यूटी पर लगे सभी अधिकारी/कर्मचारी अपने दायित्वों/कर्तव्यों का निष्पक्षता से निर्वहन कर पुलिस भर्ती को शान्तिपूर्ण ढंग से सम्पन्न करवाने को कहा गया। पुलिस भर्ती मैदान के आस पास अराजक तत्वों, भर्ती करवाने का प्रलोभन देने वालो पर विशेष नजर रखने को कहा गया। उन्होंने कहा कि भर्ती प्रक्रिया के दौरान किसी भी अधिकारी व कर्मचारी द्वारा की गई लापरवाही कतई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। बैठक में पुलिस उपाधीक्षक बागेश्वर, प्रतिसार निरीक्षक पुलिस लाइन बागेश्वर एवं अन्य अधिकारी, कर्मचारी रहे।

अधिवक्ताओं ने जलाई बिल की प्रतियां

राष्ट्रपति व कानून मंत्री को ज्ञापन भेजा

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। प्रस्तावित एडवोकेट एमेंडमेंट बिल के खिलाफ शुक्रवार को नैनीताल जिला न्यायालय परिसर में अधिवक्ताओं ने जोरदार प्रदर्शन करते अपना विरोध दर्ज कराने के साथ ही बिल की प्रतियां जलाई। अधिवक्ताओं ने न्यायिक कार्य से विरत रहने के साथ ही अपर जिला. धिकारी फिंचा राम चौहान के माध्यम से राष्ट्रपति व कानून मंत्री को ज्ञापन भेजा। इस दौरान जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्ष ओंकार गोस्वामी ने कहा कि बिल में जो संशोधन लाए जा रहे हैं वे अधिवक्ता समुदाय के हित में नहीं हैं इसलिए तब तक प्रोटेस्ट करना होगा जब इसे वापस नहीं लिया जाता वहीं सचिव संजय सुयाल ने कहा कि बिल अधिवक्ताओं की

आजादी छीन रहा है कहा कि एसोसिएशन अब तक एक स्वतंत्र निकाय के रूप में कार्य करती आ रहा है लेकिन अब केंद्र सरकार बिल के माध्यम से इस पर ऑब्जर्वर नियुक्त करने की कोशिश कर रही है जो बीसीआई के कार्य मे भी दखल देंगे और एसोसिएशनों को कंट्रोल करेंगे। कहा कि हड़ताल व प्रस्ताव वकीलों की फ्री वॉइस (अभिव्यक्ति की आजादी) होती है और उनकी इसी आजादी को छीन लिया जाएगा तो वो क्या करेगा इसे भी मिसकंडक्ट में लाया जा रहा है। वहीं मनीष मोहन जोशी ने कहा कि क्या न्यायाधीशों द्वारा गलत फैसले देने पर भी शिकायत पर कार्यवाही की जाएगी? अधिवक्ता राजेन्द्र कुमार पाठक ने कहा की यदि उनके मांगे नहीं मानी गयी तो आगे अनिश्चितकालीन हड़ताल व आंदोलन को बाध्य होंगे। सभा को वरिष्ठ अधिवक्ता व जिला बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष ज्योति प्रकाश बोरा समेत भगवत प्रसाद, बलवंत सिंह तथा अनिल बिष्ट सुंदर ने संबोधित किया। इस दौरान प्रीति साह, अनिल बिष्ट, भरत भट्ट, अखिल साह, पंकज सिंह बिष्ट, अशोक मौलखी, भानुप्रताप मौनी, मनीष कांडपाल, यशपाल आर्या, कमल चिलवाल, पंकज कुमार, शंकर चौहान, सुभाष जोशी, शिवांशु जोशी, निखिल बिष्ट, कैलाश बल्यूटिया, गिरीश चंद्र जोशी, तरुण चंद्रा, शारिक अली, नीरज गोस्वामी, चंद्रकांत बहुगुणा, निर्मल कुमार, पंकज कुमार, यशपाल आर्य, प्रमोद तिवारी, मोहम्मद खुर्शीद, दिग्विजय सिंह, राजेन्द्र भैसोड़ा, उमेश कांडपाल, दीपक दानू, कैलाश रावत, दीपक पांडेय, गौरव भट्ट, सरिता बिष्ट, तारा आर्या, मुन्नी आर्या, आकांक्षा आर्या, सिम्मी कपूर, भारती आर्या, किरन आर्या व जया आर्या आदि मौजूद रही।

अधिवक्ता हित के खिलाफ है संशोधन बिल

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। हाईकोर्ट बार एसोसिएशन व बार काउंसिल उत्तराखंड में पहुंचे विभिन्न जिला बार एसोसिएशन के अध्यक्षों तथा पदाधिकारियों ने नैनीताल हाईकोर्ट बार एसोसिएशन के अध्यक्ष डी.एस. मेहता की अध्यक्षता में बैठक कर केंद्र सरकार द्वारा अधिवक्ता अधिनियम 1961 में किये जा रहे संशोधन बिल 2025 के विरुद्ध अपना रोष प्रकट करते हुए संशोधन बिल को अधिवक्ता हित के दृष्टिगत तत्काल प्रभाव से हटाने की मांग की है। अधिवक्ताओं का कहना था कि केंद्र सरकार के अधिवक्ता (संशोधन विधेयक 2025) में धारा 45बी के जरिए अधिवक्ता के कदाचार के लिए उत्तरदायित्व तय किए गए हैं। अगर किसी व्यक्ति को अधिवक्ता के कदाचार से नुकसान होता है तो वह बीसीआई के नियमों के मुताबिक शिकायत दर्ज कर सकता है। जो अधिवक्ताओं के स्वतंत्र रूप से कार्य करने में एवं अपनी बात को प्रभावी रूप से प्रदर्शित करने में कुठाराघात है। संशोधन बिल की धारा 45 बी अधिवक्ताओं को स्वतंत्र रूप से कार्य करने में बाधा उत्पन्न करती है। बिल संसोधन का विरोध कर रहे अधिवक्ताओं का करना है कि कदाचार एवं झूठी गवाही इत्यादि देने के लिए पूर्व से ही आपराधिक अधिनियम में प्राविधान है धारा 45 बी सम्पूर्ण न्याय जगत में प्रभावी न्याय देने एवं न्याय को अंतिम छोर तक पहुँचाने में बाधा उत्पन्न करेगी।

लिव इन रिलेशन पर सुनवाई 1 अप्रैल को

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। राज्य सरकार द्वारा लागू की गई समान नागरिक संहिता (यूसीसी) में लिव इन रिलेशनशिप के रजिस्ट्रेशन की अनिवार्यता व रजिस्ट्रेशन के फॉर्मेट को असंवैधानिक ठहराए जाने को लेकर दायर याचिका की सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट ने इस याचिका को भी अन्य याचिकाओं के साथ सम्बद्ध कर दिया है। इन सभी याचिकाओं की सुनवाई की तिथि 1अप्रैल (मंगलवार) निर्धारित है। बता दें कि लिव इन रिलेशनशिप में रह रहे एक जोड़े की याचिका की 18 फरवरी को हुई सुनवाई के दौरान मुख्य न्यायधीश न्यायमूर्ति जी. नरेंद्र व न्यायमूर्ति आशीष नैथानी की खंडपीठ ने केंद्र व राज्य सरकार को दो दिन के भीतर जबाव दाखिल करने को कहा था। इसी क्रम में शुक्रवार को राज्य व केंद्र सरकार की ओर से सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने वीडियो

कॉन्फ्रेंसिंग के जरिये राज्य व केंद्र सरकार का पक्ष रखा। इस दौरान याचिकाकर्ता जोड़े की तरफ से बहस करते हुए सुप्रीम कोर्ट के वरिष्ठ अधिवक्ता राजू रामचन्द्रन ने बताया कि लिव इन रजिस्ट्रेशन के लिये कई तरह का विवरण मांगा जा रहा है जो कि व्यद्रि की निजता का हनन है। कहा कि सरकार को किसी व्यक्ति की निजता को जानने का अधिकार नहीं है। रजिस्ट्रेशन में इस तरह के प्रावधान पक्षपातपूर्ण भी है क्योंकि शादी के रजिस्ट्रेशन में ऐसी सूचनाएं नहीं मांगी जा रही हैं जैसी लिव इन रिलेशन के रजिस्ट्रेशन के लिये मांगी जा रही हैं।

छेड़छाड़ का आरोपी दोषमुक्त

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट नैनीताल रवि प्रकाश की अदालत ने एक महिला के साथ छेड़छाड़ करने के आरोपी टैक्सी चालक को दोषमुक्त करार दिया है। इस मामले में आरोपी टैक्सी चालक द्वारा घटना के समय की वीडियो फुटेज कोर्ट में पेश करना अहम कारक रहा। अभियोजन पक्ष के अनुसार 12 फरवरी 2022 को खैरना से पिलखोली रानीखेत जाने के लिये एक महिला टैक्सी में बैठी लेकिन टैक्सी में अन्य सवारियों के न होने के कारण टैक्सी चालक ने दूसरी बुकिंग ले ली और महिला से टैक्सी से उतरने को कहा लेकिन महिला ने टैक्सी से उतरने से इंकार कर दिया। इसी मामले में हुए विवाद में महिला ने टैक्सी चालक अशोक के खिलाफ आईपीसी की धारा 323 व 354 के तहत मुकदमा दर्ज कराते हुए आरोप लगाया कि टैक्सी चालक ने उसे अपने वाहन में बैठाया और 50 मीटर दूर ले जाकर उसके साथ छेड़छाड़ की। इस मामले में पुलिस रिपोर्ट व गवाहों के बयानों के साथ ही टैक्सी चालक अशोक द्वारा कोर्ट में पेश की गई पेन ड्राइव (वीडियो फुटेज) ने आरोपी के पक्ष में अहम भूमिका निभाई। इस पेन ड्राइव में घटना के समय की रिकॉर्डिंग है जिसमें टैक्सी चालक गाड़ी में बैठी महिला से गाड़ी से उतरने को कह रहा है लेकिन महिला गाड़ी से उतरने को अपनी प्रतिष्ठा के खिलाफ मानते हुए टैक्सी चालक से भला बुरा कहते सुनाई दे रही है। आरोपी के अधिवक्ता पंकज कुलौरा ने इस मामले में मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट की कोर्ट में सुप्रीम कोर्ट के आदेश, घटना के समय मौके पर मौजूद भीड़ व टैक्सी ड्राइवर द्वारा स्वयं पुलिस को बुलाने आदि तथ्यों को भी प्रस्तुत किया।

गांव आबाद रहेंगे तो कुमाऊंनी भी बची रहेगी

कुमाऊंनी भाषा और संस्कृति के संरक्षण पर जोर

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर 'राग-भाग-थाती से माटी तक' लोक सांस्कृतिक मंच द्वारा फूलदेई वेंकट हाल में आयोजित परिचर्चा में वक्ताओं ने कुमाऊंनी भाषा और संस्कृति के संरक्षण पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि कुमाऊं में बढ़ते गांवों के पलायन से कुमाऊंनी भाषा और सांस्कृतिक विरासत को खतरा है। वक्ताओं ने कुमाउनी भाषा के मानकीकरण की आवश्यकता पर बल दिया ताकि इसे संविधान की आठवीं अनुसूची में शामिल करने में

कोई समस्या न हो। कुमाउनी कवि जगदीश जोशी और गायिका बीना तिवारी ने कुमाउनी बोलने और लिखने के महत्व पर चर्चा की। कुमगढ़ पत्रिका के संपादक दामोदर जोशी देवांशु ने कहा कि कुमाउनी लेखन में सुधार की आवश्यकता है। हिंदी के कवि अनिल कार्की ने बताया कि भाषा अपनी धरती, समय और समाज से पल्लवित होती है, और यह गांव से ही आती है। पत्रकार चारु तिवारी ने कहा कि अगर गांव नहीं रहेंगे तो कुमाउनी भाषा के असली स्रोत भी खत्म हो जाएंगे। कार्यक्रम में शोध छात्र, प्रोफेसर, लेखकों और कवियों ने अपनी राय व्यक्त की। कार्यक्रम का संचालन वरिष्ठ पत्रकार जगमो. हन रौतेला द्वारा किया। इस मौके पर मुकेश को. हली, प्रोफेसर दीपा गोबाड़ी, डा.प्रदीप उपाध्याय, बची सिंह बिष्ट, गोविंद बल्लभ बहुगुणा, यतीश पंत, भास्कर उप्रेती, दयाल पांडे, रिस्की पाठक, मोहन कांडपाल, हर्षिता रौतेला बुल. बुल, केएन चंदोला, पूरन सिंह बिष्ट, शिवराज भंडारी, हरीश पंत, मदन सिंह मेर, मेघा बृजवाल, भावेश, शिवराज भंडारी, प्रदीप कोठारी आदि अनेक लोग मौजूद थे।

मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। हक की बात अभियान के तहत शुक्रवार को जिला कारागार नैनीताल में 6 दिवसीय फास्ट फूड प्रशिक्षण कार्यक्रम एवं मानसिक स्वास्थ्य शिविर का आयोजन किया गया। बता दें कि राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल के दिशा निर्देशानुसार एवं जिला न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल सुबीर कुमार के मार्गदर्शन में जिला नैनीताल में सामा. जिक न्याय दिवस के मौके में 20 से 26 फरवरी तक हक की बात अभियान चलाया जा रहा है जिसके अंतर्गत सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण नैनीताल श्रीमती बीनू गुलयानी द्वारा जिला कारागार नैनीताल में आरसीटी बैंक ऑफ बड़ौदा के सहयोग से आयोजित छह दिवसीय फास्ट फूड खाना बनाने का कौशल विकास प्रशिक्षण कार्यक्रम का दीप प्रज्वलित कर शुभारंभ किया, साथ ही मनोन्याय मानसिक बीमारी वाले व्यक्तियों और बौद्धिक विकलांग व्यक्तियों के लिए कानूनी सेवा इकाई सदस्य डिप्टी चीफ लीगल एड डिफेन्स कॉउन्सिल हेमा शर्मा, अधिकार मित्र यशवंत कुमार द्वारा मानसिक बीमारी वाले व्यक्ति एवं बौद्धिक दिव्यांग व्यक्तियों के लिये कानूनी सेवा योजना 2024 पर जागरूकता शिविर व मानसिक बीमारी वाले बंधियों के लिए चिकित्सा शिविर का भी आयोजन गया। शिविर में मनोचिकित्सक डा. गरिमा काण्डपाल द्वारा बंदियों का स्वास्थ्य परीक्षण भी किया गया तथा आवश्यकता अनुसार दवाइयां भी उपलब्ध कराई गई। शिविर में चीफ एड डिफेंस काउंसिल व अधिवक्ता सोहन तिवारी, डिप्टी चीफ एड डिफेंस काउंसिल अधिवक्ता हेमा शर्मा, डिप्टी चीफ एड डिफेंस काउंसिल अधिवक्ता राजेंद्र असवाल द्वारा मानसिक रूप से स्वस्थ व्यक्तियों के संबंधित कानून न्यायालय संबंधित वादों के प्रकरण के संबंध में अवगत कराया गया।

नरेंद्र ने बढ़ाया गौलापार का मान

कृषि विज्ञान सम्मेलन में सीएम ने किया सम्मानित

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। प्रगतिशील किसान नरेंद्र सिंह मेहरा ने एक बार फिर उत्तराखंड समेत गौलापार क्षेत्र का मान बढ़ाया है। शुक्रवार को पंतनगर कृषि विश्वविद्यालय में आयोजित 17वें कृषि विज्ञान सम्मेलन समारोह में नरेंद्र सिंह मेहरा को मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने अंगवस्त्र एवं प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया। बता दें कि एक प्रयोगधर्मी किसान के रूप में अपनी पहचान बनाने वाले गौलापार निवासी किसान नरेंद्र मेहरा ने कृषि क्षेत्र में अनेक अभिनव प्रयोग किए हैं। गेहूं की एक नई प्रजाति नरेन्द्र-9 को विकसित

करने के साथ ही जैविक खेती के प्रति समर्पण समेत तमाम अभिनव प्रयोग कर उन्नतशील खेती के प्रति जागरूकता लाने के लिए सम्मान पाने वाले कृषक को मिले सम्मान पर क्षेत्रवासियों ने हर्ष व्यक्त करते हुए कृषि के क्षेत्र में तमाम अभिनव प्रयोग कर सर्वश्रेष्ठ प्रगतिशील कृषकों के श्रेणी प्राप्त करने पर उन्हें बधाइयां प्रेषित की हैं। प्रगतिशील किसान नरेंद्र मेहरा ने जैविक खेती के द्वारा हल्दी के एक पौधे से 25 किलोग्राम हल्दी पैदा कर विश्व रिकॉर्ड कायम किया था। उनकी इस उपलब्धि पर आज देश विदेश के तमाम कृषि विश्वविद्यालयों के वैज्ञानिकों और किसानों की मौजूदगी में उन्हें इस सम्मान से नवाजा गया।

पथराव और फायरिंग मामले में मुकदमा, जांच शुरू

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भीमताल से शुरू हुए जुए के विवाद के बाद भोटियापड़ाव क्षेत्र में पथराव और फायरिंग की घटना सामने आई है। पुलिस ने मामले में पीड़ित की तहरीर के आधार पर मुक. दमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है और सीसीटीवी फुटेज की सहायता से आरोपियों की पहचान करने का प्रयास कर रही है। बता दें कि 19 फरवरी को पुरानी आईटीआई तल्ली हल्द्वानी निवासी घनश्याम पंत ने पुलिस को बताया कि वह भीमताल से अपनी कार में घर लौट रहे थे। रात करीब साढ़े 10 बजे भोटियापड़ाव के पास तीन कार सवारों ने उनकी कार का पीछा करना शुरू किया। आरोप है कि पीछा करते हुए उन्होंने घनश्याम की कार पर पत्थर फेंके और फायरिंग भी की। अपनी जान बचाने के लिए घनश्याम ने सिंधी चौराहा से मंडी के पास इंदिरा नगर की ओर मुड़ने की कोशिश की और फिर गौलापार रोड पर गलत साइड आंवला चौकी की ओर चले गए, जहां उनकी कार डिवाइडर से टकरा गई। इसके बाद हमलावरों ने कार पर पत्थर मारे। घनश्याम का दोस्त संजय जायसवाल कार से बाहर निकलकर भाग गया, जबकि घनश्याम कार लेकर बरेली रोड पर आईटीआई तक पहुंचे और वहां गाड़ी छोड़कर भाग गए। घनश्याम ने बताया कि जब वह एक घंटे बाद वापस लौटे, तो उनकी कार के पीछे और बायीं ओर दो गोलियों के निशान पाए गए।

वर्दी में रील बनाने पर एसएसपी सख्त

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। वर्दी में रील बनाने का मामला तूल पकड़ने के बाद एसएसपी पीएन मीणा ने कड़ी नाराजगी जताई है। उन्होंने इस मामले की गंभीरता को देखते हुए एसपी क्राइम डा. जगदीश चन्द्र को पूरे मामले की जांच सौंप दी है। एसपी क्राइम की रिपोर्ट आने के बाद मामले में कार्रवाई की बात की जा रही है। गौरतलब है कि कुछ समय से एक व्यक्ति के इंस्टाग्राम अकाउंट पर कई रील्स वायरल हो रही थीं, जिसमें वह खुद को दुबई किंग बताकर पुलिस अधिकारियों और कर्मचारियों के साथ वीडियो बनाता था। वर्दीधारी पुलिसकर्मियों को इस पर कोई आपत्ति नहीं थी, और कथित दुबई किंग अपनी पहचान चमकाने की कोशिश कर रहा था। जब यह मामला मीडिया में आया तो आरोपी ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से सारे वीडियो डिलीट कर दिए। उस रील्स में पुलिस के आलाधिकारी से लेकर कांस्टेबल और होमगार्ड तक नजर आए थे, जिसने पुलिस महकमे में हलचल मचा दी। हालांकि रील्स डिलीट की जा चुकी हैं, लेकिन इंस्टाग्राम स्टोरी में खाकी का जलवा अब भी बरकरार है। दुबई किंग ने एक स्टोरी में शहर के तेजतर्रार थानाध्यक्ष की सरकारी गाड़ी को अपनी दुकान के बाहर खड़ा दिखाया है। इस वीडियो में कथित दुबई किंग अपने प्रतिष्ठान का प्रचार करते हुए थानाध्यक्ष की सरकारी गाड़ी का जिक्र करता है। अब सवाल उठता है कि पुलिसकर्मी वर्दी में इस तरह की रील और वीडियो किस उद्देश्य से बनवा रहे थे। एसएसपी पीएन मीणा ने इस मामले में गंभीरता से कदम उठाते हुए एसपी क्राइम डा. जगदीश चंद्र को जांच सौंप दी है, और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई किए जाने की बात कही जा रही है।

छात्राओं को दी जानकारी

शाह टाइम्स संवाद्दाता

नैनीताल। कुमाऊं विवि के डीएसबी परिसर स्थित वाणिज्य विभाग में बिग 4 और मल्टीनेशनल कंपनियों (एमएनसी) में उच्च वेतन वाली नौकरी कैसे प्राप्त करें विषय पर वेबिनार का आयोजन किया गया। वेबिनार में मुख्य वक्ता ऑडिट प्रोफेशनल खुशी गैड़ा ने छात्रों को कई अहम जानकारियां साझा की। उन्होंने वित्त समेत लेखा, विपणन तथा प्रबंधन, ऑडिटिंग व मानव संसाधन प्रबंधन तथा आयकर आदि क्षेत्रों में करियर बनाने के अवसरों की जानकारी दी। शुक्रवार को वाणिज्य विभाग की ओर से ऑनलाइन आयोजित वेबिनार में दो सौ से अधिक छात्र-छात्राओं ने हिस्सा लिया। छात्रों ने वेबिनार को अत्यंत लाभकारी बताया और कहा कि इससे उन्हें उच्च वेतन वाली नौकरियों के लिए आवश्यक कौशल और मार्गदर्शन प्राप्त हुआ।

एक नजर

सरकार पर गैरसैंण की उपेक्षा का लगाया आरोप

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। पूर्व विस अध्यक्ष गोविंद सिंह कुंजवाल ने शुक्रवार को जिला कांग्रेस कार्यालय में प्रेस वार्ता की। प्रेस वार्ता के दौरान उन्होंने कहा कि देहरादून में आयोजित बजट सत्र के दौरान राज्यपाल के अभिभाषण में गैरसैंण का जिक्र तक नहीं किया गया। वही सरकार का वादा था कि ग्रीष्मकालीन राजधानी गैरसैंण को बनाया जाएगा। ऐसे में बजट सत्र को देहरादून में आयोजित कराने से सरकार की पहाड़ विरोधी मानसिकता उजागर होती है। कहा कि गैरसैंण में राजधानी बन जाने से राज्य के पर्वतीय क्षेत्रों का विकास होता। लगातार हो रहे पलायन को रोकने में भी मद्द मिलती। उन्होंने सरकार पर गैरसैंण की उपेक्षा करने का भी आरोप लगाया। कहा कि आज भाजपा सरकार ने कांग्रेस के भू-कानून नियम का गलत इस्तेमाल कर पहाड़ों की जमीन को बाहरी व्यक्तियों की बिकवा दी। उन्होंने कहा कि अगर सरकार की नियत साफ है तो यह खुलासा करे कि किसकी सरकार में कितनी भूमि बिकी। यहां प्रेस वार्ता में जिलाध्यक्ष भूपेंद्र सिंह भोज, महिला जिलाध्यक्ष राधा बिष्ट, नगर अध्यक्ष तारा चंद्र जोशी, यूथ कांग्रेस जिलाध्यक्ष दीपक कुमार, निर्मल रावत आदि मौजूद रहे।

खेल मैदान निर्माण की कवायद फिर शुरु

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। रानीखेत में खेल मैदान निर्माण के लिए कवायद एक बार फिर शुरु हो गई है। शुक्रवार को जिला क्रीड़ा अधिकारी महेशी आर्या द्वारा विभागीय टीम के साथ मिलकर खेल मैदान के लिए भूमि चयन को लेकर स्थलीय निरीक्षण किया गया। डीएसओ महेशी आर्या ने बताया कि रानीखेत में स्टेडियम निर्माण को लेकर भूमि चयन को लेकर निरीक्षण किया गया। बताया कि भूमि चयन हो जाने के बाद अग्रिम कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। वर्ष 2014 में तत्कालीन मुख्यमंत्री हरीश रावत ने रानीखेत में स्टेडियम निर्माण की घोषणा की थी। निर्माण कार्यो के लिए 10 करोड़ रुपय भी स्वीकृत किए थे।

पूर्ण ईमानदारी और निष्ठा से करें कार्य: डीएम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। राजस्व एवं भूलेख प्रशिक्षण संस्थान के प्रशिक्षु सब रजिस्ट्रारों द्वारा शुक्रवार को जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय से मुलाकात की। कलेक्ट्रेट में हुई बैठक में जिलाधिकारी ने सभी सब रजिस्ट्रारों को कहा कि व्यक्ति की सभी गतिविधियां भूमि से जुड़ी होती हैं। भूमि का हम सभी के जीवन में बहुत महत्व है। कहा कि आप जिस पद पर हैं, वह पद भूमि के पंजीकरण एवं उसके उपयोग जैसी गतिविधियों से जुड़ा पद है। सरकार के राजस्व में पंजीकरण शुल्क का बड़ा हिस्सा शामिल है। उन्होंने कहा कि सभी अधिकारी पूरी ईमानदारी एवं निष्ठा से कार्य करें। कहीं भी भूमि धोखाधड़ी जैसे मामले सामने न आए। इस कार्य को गहनता के साथ संपादित करें। उन्होंने कहा कि जमीन के फर्जी पंजीकरण, बंटवारे आदि को लेकर बहुत सारे मामले सामने आते रहते हैं, लेकिन यदि हम अपना कार्य त्रुटिरहित एवं निष्पक्षता से करेंगे तो ऐसे मामले सामने नहीं आएंगे। उन्होंने सभी अधिका. रियों को शुभकामनाएं प्रेषित की तथा अपने कार्य क्षेत्र में निष्ठा भाव से कार्य करने की बात कही। यहां कार्यकारी निदेशक राजस्व एवं भूलेख प्रशिक्षण संस्थान अल्मोड़ा चंदन सिंह डोबाल समेत अन्य मौजूद रहे।

छात्रों ने किया ब्रॉन्ज फैक्ट्री ताड़ीखेत का भ्रमण किया

शाह टाइम्स संवाद्दाता

रानीखेत। केंद्रीय विद्यालय रानीखेत के छात्रों ने ताड़ीखेत स्थित ब्रान्ज फैक्ट्री का भ्रमण किया। शैक्षणिक भ्रमण मानक क्लब के अंतर्गत करवाया गया था। यात्रा का उद्देश्य छात्रों को ब्रान्ज पाउडर की उत्पादन प्रक्रिया और इसके प्रयोग से परिचित कराना था। इस यात्रा के दौरान छात्रों ने ब्रान्ज पाउडर बनाने की विधि, कच्चे माल से लेकर तैयार उत्पाद तक की प्रक्रिया को देखा। कारखाने के विशेषज्ञों ने छात्रों को इसके विभिन्न उपयोगों और उद्योग में उसकी महत्ता के बारे में जानकारी दी। छात्रों ने कारखाने के विभिन्न विभागों का दौरा किया और यहां की कड़ी मेहनत को समझा। मानक क्लब की रिसोर्स पर्सन नीतिका बिष्ट अग्रवाल ने इस प्रकार की शैक्षिक यात्राओं के महत्व को रेखांकित किया और बताया कि इस तरह के भ्रमण से छात्रों को केवल ज्ञान ही नहीं, बल्कि उद्योग से जुड़ी वास्तविक जानकारी भी मिलती है, जिससे उनका समग्र विकास होता है। इस अवसर पर क्लब के मेंटर करिश्मा चंदेल ने छात्रों के उत्साह को सराहा और आगे भी ऐसे शिक्षाप्रद भ्रमण आयोजित करने का आश्वासन दिया। इस दौरान विद्यालय के शिक्षक दीपक जोशी, जीवन कुमार, विनय, आराधना आदि विद्यार्थियों के साथ रहे।

नारी स्वावलंबन के लक्ष्यों को प्राप्त करें: डीएम

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के अंतर्गत जनपद में गठित जिला टास्क फोर्स समिति की बैठक जिलाधिकारी आलोक कुमार पांडेय की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट में आयोजित हुई। बैठक में बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम को बेहतर तरीके से संचालित करने एवं इस कार्यक्रम के उद्देश्य को प्राप्त करने के संबंध में विस्तृत चर्चा हुई। बैठक में जिलाधिकारी ने कहा इस कार्यक्रम के मिशन शक्ति के अंतर्गत नारी शक्ति, नारी सम्मान एवं नारी स्वावलंबन के लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए प्रभावी कार्यवाही की जाए। जिलाधिकारी ने संबंधित अधिका. रियों को निर्देश दिए कि इस अभियान की जागरूकता को बढ़ाने एवं इसका लाभ पात्रों तक पहुंचना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने कहा कि जनपद की बेटियां जिस क्षेत्र में भी

बेहतर कार्य कर रही हों, उनका चयन कर बेटी बचाओ बेटी पढ़ाओ कार्यक्रम के तहत उनको पुरस्कृत करें एवं उनका उत्साहवर्धन किया जाए। उन्होंने कहा कि राष्ट्रीय खेलों के अंतर्गत अल्मोड़ा में आयोजित योगा. सन प्रतियोगिता के दौरान स्कूली छात्राओं ने अद्भुद सांस्कृतिक कार्यक्रम किए। उन्हें भी इस कार्यक्रम के तहत सम्मानित एवं पुरस्कृत करें। जिलाधिकारी ने कहा कि खत्याड़ी में स्थलीय मंगलदीप विद्यामंदिर की बालिकाओं के लिए भी प्रोत्साहन कार्यक्रम किए जाएं एवं इन्हें सहायता दी जाए। महिला सुरक्षा एवं सम्मान के संबंध में जागरूकता बढ़ाई जाए। जिला कार्यक्रम अधिकारी पीतांबर प्रसाद ने बैठक में योजना के बारे में विस्तृत जानकारी दी तथा इस अभियान के अंतर्गत आयोजित होने वाले कार्यक्रमों के संबंध में समिति के सदस्यों से सुझाव भी लिए, जिससे उन सुझावों पर कार्य योजना बनाकार उनका कार्यान्वयन किया जा सके। बैठक में मुख्य चिकित्साधिकारी डा. आरसी पंत, बाल विकास समिति की सदस्या मीता उपाध्याय, जिला पंचायत राज अधिकारी राजेंद्र सिंह समेत अन्य संबंधित अधिकारी मौजूद रहे।

एसएसजे के विभागों का निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाद्दाता

अल्मोड़ा। एशियन डेवलपमेंट बैंक की ओर से नरेंद्र कुमार चांडिल्य ने शुक्रवार को एसएसजे विवि के अल्मोड़ा परिसर में मूलभूत आवश्यकताओं को लेकर विभिन्न विभागों, प्रयोगशालाओं, कंप्यूटर लैब का निरीक्षण किया। उन्होंने परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट से परिसर से संबंधित जानक. ारी ली। परिसर निदेशक प्रो. प्रवीण सिंह बिष्ट ने बताया कि निरीक्षण के दौरान परिसर की प्रयोगशालाओं, परिसर के विभागों, भवनों व कक्षों की स्थिति एवं मूलभूत संसाधनों की आवश्यकता, संचालित रोजगारपरक पाठ्यक्रमों की स्थिति, विवि में छात्रों की संख्या आदि की जानकारी दी गई। इस दौरान परीक्षा नियंत्रक डा. नंदन सिंह बिष्ट ने परीक्षा और विद्यार्थियों से संबंधित और कुलानुशासक डा. दीपक ने परिसर में प्रवेश लिए हुए विद्यार्थियों से संबंधित जानकारी दी। निरीक्षण के दौरान विवि व परिसर की स्थापना, कक्षाओं और कक्षों की उपलब्धता, विद्यार्थियों से संबंधित आंकड़े, परिसर में संचालित पाठ्यक्रमों की स्थिति, रोजगारपरक पाठ्यक्रमों के संचालन की प्रक्रिया, प्लेसमेंट कमेटी की स्थिति, नवीन शिक्षा नीति के तहत संचालित पाठ्यक्रमों के क्रियान्वयन और विद्यार्थियों के फीडबैक, परिसर में कार्यरत फैकल्टीज पर अतिरिक्त कार्यभार, स्किल डेवलपमेंट कोर्स के संचालन की स्थिति, 12 बी स्टेटस की स्थिति, कॉलेज संबंधी मान्यता, परिसर को मिलने वाले सरकारी ग्रांट की स्थिति, विभिन्न स्रोतों से मिलने वाले ग्रांट, बी वोक कोर्स के संचालन, विद्यार्थियों से लिये जा रहे शुल्क की स्थिति, शुल्क निर्धारण कमेटी एवं प्लेसमेंट कमेटी की स्थिति, विद्यार्थियों को प्रदत्त विभिन्न छात्रवृत्तियां, नवीन पाठ्यक्रमों के संचालन और विभाग खोलने की प्रक्रिया आदि से संबंधित विषयों पर विस्तार से बात. चीत हुई। नरेन्द्र कुमार ने जानकारी प्राप्त कर परिसर के जंतु विज्ञान, वनस्पति विज्ञान, भूगोल, भौतिक, कंप्यूटर लैब, रसायन विज्ञान आदि विभागों का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान प्रो ज्योति जोशी, प्रो. रुबीना अमान, डा. मुकेश सामंत, डा. आर सी मौर्य, डा. धनी आर्या, डा. बलवंत कुमार, डा. पारुल सक्सेना, विवि मीडिया प्रभारी डा. ललित चंद्र जोशी, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी देवेंद्र सिंह धामी, पूरन कनवाल, गणेश तिवारी मौजूद रहे।

6624 परीक्षार्थी परीक्षा में शामिल हुए

अल्मोड़ा। उत्तराखंड विद्यालयी शिक्षा परिषद की बोर्ड परीक्षाएं शुक्रवार से शुरू हो गई हैं। पहले दिन हाईस्कूल हिन्दुस्तानी संगीत व टंकण, इंटरमीडिएट में हिन्दी और कृषि हिन्दी की परीक्षा हुई। परीक्षा में कुल 6624 परीक्षार्थी शामिल हुए। शाम करीब 05 बजे बोर्ड परीक्षा नियंत्रण कक्ष प्रभारी जनार्दन तिवारी ने बताया कि पहले दिन हाईस्कूल हिन्दुस्तानी संगीत व टंकण कुल पंजीकृत 13 छात्राओं ने परीक्षा दी। जबकि इंटर हिन्दी में कुल पंजीकृत 6655 में से 6593 परीक्षार्थी परीक्षा शामिल हुए और 62 अनुपस्थित रहे। वहीं, हिन्दी कृषि में कुल 20 में से 19 परीक्षार्थियों ने परीक्षा दी। एक परीक्षार्थी गैरहाजिर रहा। सचल दल ने सीईओ अत्रेश सयाना के नेतृत्व में जीजीआईसी बग्वालीपोखर, मिशन इंटर कालेज द्वाराहाट, जीजीआईसी द्वाराहाट, जीआईसी चित्रेश्वर और पटलगांव का निरीक्षण किया।

भाजपा महिला मोर्चा की नगर महामंत्री आशा शुक्ला ने मेयर से की मुलाकात

शाह टाइम्स ब्यूरो

हल्द्वानी। भाजपा महिला मोर्चा की नगर महामंत्री आशा शुक्ला ने महानगर हल्द्वानी के नवनिर्वाचित महापौर गजराज बिष्ट से मुलाकात कर उन्हें मेयर बनने की शुभकामनाएं दीं। इस दौरान उन्होंने महापौर को शहर की विभिन्न समस्याओं से अवगत कराया और उम्मीद

जताई कि उनके पांच साल के कार्यकाल में हल्द्वानी में अभूतपूर्व विकास कार्य होंगे। आशा शुक्ला ने कहा हल्द्वानी में अब ट्रिपल इंजन की सरकार है, जिसमें केंद्र और राज्य सरकार का पूरा फोकस विकास कार्यों पर है। इसका सीधा लाभ शहर को मिलेगा। उन्होंने महापौर गजराज बिष्ट की सराहना करते हुए कहा कि अतिक्रमण हटाओ अभियान को धाकड़ तरीके से चलाने की दिशा में जो प्रयास किए जा रहे हैं, वे शहर के यातायात व्यवस्था को सुधारने में मददगार होंगे। आशा शुक्ला ने यह भी विश्वास जताया कि मेयर के नेतृत्व में हल्द्वानी शहर में नए आयाम छुएंगे और विकास कार्यों की गति तेज होगी।

भारत भाषाई विविधता का अप्रतिम उदाहरण: प्रो. प्रीति सागर

कन्या गुरुकुल देहरादून में मनाया गया अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस

महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय वर्धा की प्रो. प्रीति सागर हुईं शामिल

छात्राओं ने गढ़वाली, कुमाऊनी, नेपाली, अंगिका, मुंडारी, भदरवाई, पंजाबी, अहीरवाटी बोली-भाषाओं पर चर्चा

शाह टाइम्स संवाददाता

देहरादून। गुरुकुल कांगड़ी समविश्वविद्यालय के देहरादून कन्या परिसर के हिंदी विभाग द्वारा अंतरराष्ट्रीय मातृभाषा दिवस के अवसर पर श्मातृभाषा एवं समावेशी शिक्षा' विषय पर अतिथि व्याख्यान (वर्चुअल माध्यम) तथा सांस्कृतिक कार्यक्रम का आयोजन किया गया। मुख्य वक्ता के रूप में महाराष्ट्र के वर्धा में स्थित महात्मा गांधी अंतरराष्ट्रीय हिंदी विश्वविद्यालय की प्रो. (डॉ) प्रीति सागर ने मातृभाषा एवं समावेशी शिक्षा विषय से जुड़े महत्वपूर्ण बिंदुओं से स्नातक, स्नातकोत्तर और पीएचडी शोध छात्राओं को अवगत कराया। कार्यक्रम की आयोजक डॉ. निशा यादव ने बताया कि संयुक्त राष्ट्र ने मातृभाषा, समावेशी व गुणवत्तापूर्ण शिक्षा को सतत विकास लक्ष्यों 2030 व नई शिक्षा नीति 2020 में महत्वपूर्ण स्थान दिया गया है। अतः यह आवश्यक है कि इसके सकारात्मक पक्षों से छात्राओं को अवगत कराया जाए। परिसर की समन्वयक प्रो हेमन पाठक ने छात्राओं को बताया कि आधुनिकता की दौड़ में हमने कहीं न कहीं अपनी भाषाओं को पीछे छोड़ दिया है लेकिन हमें समय रहते जागरूकता का परिचय देते हुए अपनी भाषाओं के संरक्षण व संवर्धन के लिए आगे आना चाहिए।

मुख्य वक्ता प्रोफेसर प्रीति सागर ने कहा कि 21 फरवरी एक ऐतिहासिक दिन है जिसकी पृष्ठभूमि में बांग्लादेश की शहादत की कहानी है। उन्होंने बताया कि मातृभाषा मनुष्य के सामाजिक व बौद्धिक विकास के साथ ही मनुष्य की सामाजिक व सांस्कृतिक आधार प्रदान करती है। उन्होंने कहा कि बताया भारत भाषाई विविधता का अप्रतिम उदाहरण है अतः हमें कुछ ही भाषाओं के इर्द गिर्द सिमटने के बजाय अपनी मातृभाषाओं को अपने ज्ञान विज्ञान एवं चिंतन मनन का माध्यम बनाना चाहिए। उन्होंने बताया कि भाषाओं के संरक्षण हेतु राष्ट्रीय व अंतरराष्ट्रीय स्तर अनेक सराहनीय प्रयास किए जा रहे हैं लेकिन सभी भी बहुत सारी भाषा व बोलियां हैं जो लिपिबद्ध नहीं हैं इसके लिए भी हमें समय रहते प्रयास करने चाहिए।

इस अवसर आयोजित सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान छात्राओं ने गढ़वाली, कुमाऊनी, राजस्थानी, अंगिका, नेपाली, मुंडारी, भदरवाई, अहीरवाटी व पंजाबी भाषा में लोक नृत्य, लोकगीत, भाषागत शब्दावली व लोकोक्तियों व मुहावरों द्वारा भाषा संबंधी अपने विचारों को प्रस्तुत किया। कार्यक्रम में छात्राओं ने पूरे उत्साह के साथ भाग लिया। कार्यक्रम में प्रो. निपुर सिंह, डॉ नीना गुप्ता, डॉ. सविता सिंह, डॉ ममता यादव, डॉ रीना वर्मा, डॉ अर्चना डिमरी, डॉ रचना चौहान, डॉ अंजुलता, डॉ नेहा के साथ ही शोधार्थी व छात्राएं उपस्थित रहीं।

निरंकारी मिशन के प्रोजेक्ट अमृत का तृतीय चरण कल

हल्द्वानी। संत निरंकारी मिशन की सेवा भावना और मानव कल्याण के संकल्प को साकार करने हेतु 'प्रोजेक्ट अमृत' के अंतर्गत 'स्वच्छ जल, स्वच्छ मन' परियोजना के तृतीय चरण का भव्य शुभारंभ रविवार, 23 फरवरी 2025 को परम श्रद्धेय सतगुरु माता सुदीक्षा जी महाराज एवं सत्कार योग्य निरंकारी राज. पिता रमित जी के पावन सान्निध्य में एक विशेष सफाई अभियान पुरे भारत वर्ष में उस दिन चलाया जायेगा इसी क्रम में 23 फरवरी 2025 दिन रविवार को प्रातः 8 बजे से 12 बजे तक हल्द्वानी के चित्रशिला घाट गार्गी नदी और विद्युत शवदाह गृह पर सफाई अभियान किया जाएगा इस परियोजना का उद्देश्य जल संरक्षण एवं स्वच्छता के प्रति जागरूक करना है, ताकि भावी पीढ़ियों को निर्मल जल और स्वस्थ पर्यावरण का वरदान प्राप्त हो सके।

आंगनबाड़ी कार्यकत्रियों का प्रदर्शन

बागेश्वर। आधे दर्जन से अधिक मांगों को लेकर आंगनबाड़ी कार्यकर्ता एक बार फिर मुखर हो गई हैं। नाराज कार्यकर्तियों ने शुक्रवार को विकास भवन परिसर में प्रदर्शन किया। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि उनकी मांग लंबे समय से लंबित है। कई बार अपनी समयों कामनग पत्र वे उच्चाधिकारियों को भेज चुकी है। लेकिन समस्या जस की तस बनी हुई है। शुक्रवार को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता विकास भवन में पहुंचे। यहां नरोबाजी के साथ प्रदर्शन किया। यहां हुई सभा में वक्ताओं ने कहा कि सेवानिवृत्त वाली बहनों के महिला कल्याण कोष से अभी तक कोई भी धनराशि नहीं दी गई है।

इसका कारण स्पष्ट किया जाए। एमपीआर की बैठक या अन्य कार्य के लिए कार्यालय में न बुलाकर सेक्टर मीटिंग की जाए। इसके अलावा आंगनबाड़ी केंद्र में कार्यकर्ताओं के बैठने के लिए कुर्सी तथा बच्चों के लिए दरी देने, केंद्र की पंजिकाओं को सुरक्षित रखने के लिए अलमारी उपलब्ध कराने, टेक होम राशन में किलोमीटर न देखते हुए प्रत्येक केंद्र को ढुलान का पैसा देने, पोषण ट्रेक में विकास द्वारा जो तय किया गया था व धनराशि पोषण ट्रैकर को न देकर धनराशि सबके खातों में डालने की मांग की गई।

Mahindra & Mahindra Ltd. SYNISE e-Sale & Sourcing

E-Auction

Disposal of Arising Scrap and Hazardous Material (Licence/EPR Mandatory) through E-Auction (All Plants)

Auction Dates : Auto Division 28.02.2025 to 06.03.2025
Farm Division 08.03.2025 to 13.03.2025
Registration will close 1 day prior to auction.

For Contract Period & other details Please visit - synise.com
Cont: Sanjiv 7499157671 / 8308810318, sanjivl@synise.com

यूजेवीएन लिमिटेड
मुख्यालय : "उज्जवल" महारानी बाग, जी.एम.एस. रोड, देहरादून–248006
दूरभाष 0135–2763808, फैक्स सं0 0135–2763508
सी.आई.एन. सं0 – U40101UR2001SGC025866, वेबसाइट : www.ujvnl.com

पत्रांक सं. 138 **ई–निविदा सूचना** दिनांक 21.02.2025

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता (अनु0), चीला विद्युत गृह द्वारा निम्नलिखित आपूर्ति/कार्य हेतु अनुभवी ठेकेदारों से मोहरबन्द निविदायें आमंत्रित की जाती है:–
निविदा सूचना सं० –31/अ0अ0अनु.0/2024–25
1– कार्य का नाम – चीला, विद्युत गृह में विभिन्न स्पेयर एंव Consumable सामग्री की आपूर्ति का कार्य।
2– अनुमानित लागत: रू0 9,18,800.00 (कर अतिरिक्त)
3– वैब साइट पर निविदा की उपलब्धता की तिथि: 21.02.2025 (16:00 बजे)
4– वैब साईट पर निविदा जमा करने की तिथि: 13.03.2025 (16:00 बजे तक)
निविदा से सम्बन्धित विस्तृत जानकारी ई–प्राक्योरमेंट पोर्टल uktenders.gov.in पर देखी जा सकती है।
अधिशासी अभियन्ता (अनु0), चीला विद्युत गृह
"बिजली के दुरूपयोग से बचें"

खोया-पाया सूचना

मेरा श्री देव भूमि इंस्टिट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी देहरादून से फार्मेसी वर्ष 2013 अनुक्रमांक 1044160052 का डिप्लोमा कहीं खो गया है।
सतीश चन्द्र पुत्र शम्भू प्रसाद बाजपेयी,
ग्राम/पोस्ट - लमगोंडी,
तहसील-ऊखीमठ, जिला-रुद्रप्रयाग

न्यायालय श्रीमान सिविल जज (सी०डि०) टिहरी गढवाल, नई टिहरी।

प्रर्कीण वाद सं०– सन–2024

प्रार्थिनी– श्रीमती बीना देवी पत्नी स्व० धर्मबीर सिहं आयु 39 वर्ष निवासी ग्राम व पो०–कठूड़, पट्टी–धारअकरिया, तहसील–गजा, जिला–टिहरी गढवाल।

बनाम

विपक्षीगण– 1. अभिलाषा पुत्री स्व० धर्मबीर सिंह आयु 20 वर्ष।
2. विपिन पुत्र स्व० धर्मबीर सिंह आयु 19 वर्ष दोनो निवासी गाम व पो०–कठूड, पट्टी–धारअकरिया, तहसील–गजा, जिला–टिहरी गढवाल।
3. समस्त रिस्तेदारान स्व० धर्मबीर सिंह पुत्र स्व० कर्म सिंह निवासी ग्राम व पो०–कठूड़, पट्टी–धारअकरिया, तहसील–गजा, जिला–टिहरी गढवाल।

नोटिस बनाम– समस्त रिस्तेदारान आम व खास।

चूंकि प्रार्थिनी श्रीमती बीना देवी पत्नी स्व० धर्मबीर सिंह आयु 39 वर्ष निवासी ग्राम व पो०–कठूड़, पट्टी–धारअकरिया, तहसील–गजा, जिला–टिहरी गढवाल के द्वारा अपने स्व० पति धर्मबीर सिहं पुत्र स्व० कर्म सिंह के पोस्ट आफिस गजा के खाता सं०–8309015008 में मु०–5,41,322–00 रुपये जमा है जिसको पाने के लिये प्रार्थिनी ने उत्तराधिकार प्रमाण पत्र का प्रार्थना पत्र पेश किया है जिसमें सुनवाई हेतु दिनांक 04 माह 03 सन–2025 को नियत की गई है यदि जिस किसी को उक्त सम्बन्ध में कोई आपत्ति हो तो इस न्यायालय में दिनांक 04 माह 03 सन 2025 को 10:30 बजे सुबह प्रस्तुत करें, अन्यथा उक्त प्रार्थना पत्र प्रार्थिनी के हक में एक पक्षीय सुना जायेगा।

आज दिनांक 14 माह 02 सन–2025 को मुहर अदालत व मेरे हस्ताक्षरो से जारी।

आज्ञा से
प्रबंधक
सीनियर सिविल जज
टिहरी गढ़वाल

न्यायालय श्रीमान सिविल जज महोदय, नई टिहरी, टिहरी गढवाल।

मूल वाद सं०–44 सन–2024

प्रार्थीगण– 1. जय सिंह उम्र लगभग 60 वर्ष।
2. राय सिंह, उम्र लगभग 54 वर्ष।
3. गब्बर सिंह उम्र लगभग 49 वर्ष, तीनों पुत्रगण श्री औतार सिंह।
4. श्रीमती इन्द्रा देवी उम्र लगभग 84 वर्ष, पत्नी श्री औतार सिंह।
5. सोभित उम्र लगभग 19 वर्ष, पुत्र श्री विजय सिंह, बालिग।
6. कु० साक्षी उर्फ सती उम्र 08 वर्ष, द्वारा प्राकृतिक संरक्षिका श्रीमती यशोदा देवी, पुत्री स्व० श्री विजय सिंह।
7. श्रीमती यशोदा देवी उम्र लगभग 44 वर्ष, पत्नी स्व० श्री विजय सिंह सभी निवासी ग्राम तिवाडगांव, पट्टी–जुवा उदयपुर, तहसील–टिहरी, जिला–टिहरी गढवाल, उत्तराखण्ड।

बनाम

प्रतिवादीगण– 1. सरकार उत्तराखण्ड द्वारा कलक्टर, टिहरी गढ़वाल, नई टिहरी, जिला–टिहरी गढ़वाल।
2. समस्त रिश्तेदारान आम व खास सभी निवासी ग्राम तिवाडगांव, पट्टी–जुवा उदयपुर, तहसील–टिहरी, जिला–टिहरी गढवाल, उत्तराखण्ड।

चूँकि प्रार्थीगण के उपरोक्त रिश्तेदार श्री विक्रम सिंह पुत्र स्व० श्री औतार सिंह निवासी ग्राम–तिवाडगांव, पट्टी–जुवा उदयपुर, तहसील–टिहरी, जिला–टिहरी गढ़वाल, उत्तराखण्ड के वास्ते घोषणात्मक वाद दीवानी मृत्यु के सम्बन्ध में एक वाद इस न्यायालय में पेश किया है, जिसकी सुनवाई हेतु दिनांक 05 माह 03 सन–2025 को नियत की गई है, यदि इस सम्बन्ध में जिस किसी को कोई आपत्ति/ऐतराज हो या जिस किसी ने लापता श्री विक्रम सिंह पुत्र स्व० श्री औतार सिंह को जीवित/मृत देखा हो व सुना हो, के सम्बन्ध में कोई आपत्ति/ऐतराज पेश करना हो तो इस न्यायालय में दिनांक 05 माह 30 सन–2025 प्रातः 10:00 बजे आकर पेश करें, अन्यथा वाद पत्र एक पक्षीय सुना जायेगा।

आज दिनांक 21 माह 02 सन–2025 को मोहर अदालत एवं हस्ताक्षर से जारी।

आदेशानुसार
प्रबंधक
सिविल जज
नई टिहरी, टिहरी गढ़वाल

शाह टाइम्स

स्वामी शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक एस.एन. राना द्वारा शाह पब्लिकेशन प्रा. लि. सुजड़ू चुंगी, मेरठ रोड, मुजफ्फरनगर से मुद्रित एवं 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून से प्रकाशित।
सम्पादक:
एस.एन. राना
*कार्यकारी सम्पादक
आनन्द बत्रा 'सुमन'
स्थानीय सम्पादक
चेतन गुरूंग
देहरादून कार्यालय 63/9 ई-राजपुर रोड देहरादून
☎0135-2743363
R.N.I. No.UTT HIN 2001/05656
मोबाइल-9720007290
www.shahtimesnews.com
email:shahtimes2015@gmail.com

*इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु PRB एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी। समस्त विवाद मुजफ्फरनगर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

कार्यालय नगर निगम रूड़की, जनपद हरिद्वार (उत्तराखण्ड)

पत्रांकः– 2267/सूचना/नाम परि0/कर–अनु0/न0नि0रूड़की/2024–25 दिनांकः– 21/02/2025

सार्वजनिक सूचना

नगर निगम अधिनियम 1959 की धारा 213(1)ख के अन्तर्गत नगर निगम रूड़की के भवन कर अभिलेखो में नाम परिवर्तन हेतु निम्न आवेदन प्राप्त हुए है। जिस किसी व्यक्ति को इन नामान्तरण/नामान्तरणो पर आपत्ति हो तो वह मय साक्ष्यों के प्रकाशन की तिथि से 30 दिवस के भीतर आपत्ति प्रस्तुत कर सकता है। समय उपरान्त प्राप्त आपत्ति पर विचार नही किया जायेगा। औरनामान्तरण पर अन्तिम निर्णय उपलब्ध अभिलेखो के अनुसार कर दिया जायेगा।

क्र0सं0	भवन सं0 व मौहल्ले का नाम	आवेदक/ क्रेता का नाम	भवन कर अभिलेखो मे दर्ज नाम जो निरस्त होना है।	स्वामित्व/अधिकार प्राप्ति का अधिकार
01	76(35) सिविल लाईन	एल0टी0डी0ए0 केयर ऑफ अध्यासी श्री जुबैर अली पुत्र श्री नवाब अली	एल0टी0डी0ए0 केयर ऑफ अध्यासी श्री सफदर खान पुत्र मौ0 अली	शपथ–पत्र, कब्जा–नामा
02	116 आवास विकास	श्रीमती शोभा तिवारी पत्नि श्री राजकिशोर	श्रीमती मीना जोशी पत्नि श्री महेश चन्द्र जोशी	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
03	397, नेहरूनगर	डा0 नवीन अग्रोही पुत्र स्व0 श्री मोतीराम	श्री मोतीराम पुत्र श्री स्व0 तुगल सिंह	मृत्य प्रमाण–पत्र, वसीयत
04	98, मौ0 आदर्शनगर	श्री आशुतोष पुत्र स्व0 बिजेन्द्र कुमार उर्फ विजेन्द्र कुमार शर्मा	श्रीमती हरमेश शर्म पत्नि श्री विजेन्द्र कुमार शर्मा	शपथ–पत्र, मृत्य प्रमाण–पत्र पारिवारिक सत्यापन प्रमा0पत्र
05	1399, रामनगर	मौ0 इकबाल पुत्र स्व0 कादम	श्री अब्दुल बारिक पुत्र स्व0 कादम	मृत्यु प्रमाण–पत्र, वसीयत
06	471, गणेशपुर	श्रीमती बबीता पत्नि श्री योगेन्द्र सिंह	श्री ईश्वर सिह पुत्र स्व0 श्री रूड़ा सिंह	शपथ–पत्र, दान–पत्र
07	231, बी0टी0 गंज	श्री ललित कालरा पुत्र नवनीत लला कालरा	श्री नवनीत कालरा पुत्र स्व0 श्री रेमल दास कालरा	शपथ–पत्र, दान–पत्र
08	401, मौ0 सोत	मौ0 शाहिद व श्री आबिद अंसारी पुत्रगण श्री सलामत अली	श्री बाल किशन गिरी पुत्र श्री शम्भू भारती, श्री सत्य प्रकाश उर्फ सोनू पुत्र श्री बाल किशन गिरी, श्रीमती नीलम भारती पत्निस्व0 श्री ललित भारती उर्फ मोनू, श्रीमती ललीता भारती पत्नि श्री अजय गिरी पुत्री श्री बाल किशन गिरी व अल्का भारती पत्नि स्व0 सतेन्द्र भारती व श्री पंकज भारती पुत्र श्री लाल किशन भारती	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
09	333 आवास विकास	श्रीमती अंजीला नेगी पत्नि श्री अरूण नेगी	श्रीमती तुलिका आर्य पत्नि श्री संदीप आर्य	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
10	213, आदर्शनगर	श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि श्री सुनील कुमार	श्रीमती संगीता पत्नि श्री विरेन्द्र	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
11	1017, पुरानी तहसील	श्रीमती गौरव रानी जिन्दल पत्नि श्री अनुज कुमार जिन्दल व रिषभ जिन्दल पुत्र श्री अनुज कुमार जिन्दल	श्रीमती स्नेहलता सिंघल पत्नि श्री राकेश व श्रीमती उर्वशी पत्नि श्री राजीव सिंघल	मृत्य प्रमाण–पत्र, परिवारिक सत्यापन प्रमाण–पत्र, विक्रय–पत्र
12	300, मकतूलपुरी	श्रीमती सुशीला पत्नि श्री पप्पू	श्री आलोक, श्री अशोक कुमार पुत्रगण श्री हरिचन्द धीमान	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
13	1508(5), अ0 ता0 पश्चिमी	श्री हेमन्त मेहन्दीरत्ता पुत्र श्री सत्यानन्द	सरदार जसवन्त सिंह पुत्र स्व0 सरदार पूरण सिंह	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
14	140, मौ0 नेहरूनगर	श्री जग मोहन शर्मा पुत्र श्री दयाल शरण शर्मा	श्री गौरव सिंघल पुत्र स्व0 श्री सुभाष चन्द सिंघल व श्री विनीत सिंघल पुत्र स्व0 श्री सुभाष चन्द सिंघल	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
15	625/बी, आदर्शनगर	श्री अरविन्द कुमार पुत्र श्री गिरवर सिंह	श्री शिवम सैनी पुत्र श्री पिरथी सिंह	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
16	316, मौ0 सोत	श्री शरण अग्रवाल पुत्र त्रिलोक चन्द अग्रवाल	श्री सुबोध कुमार पुत्र श्री ओम प्रकाश	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
17	773, मौ0 पुरानी तहसील	श्रीमती सुनीता वशिष्ट पत्नि सतीश वशिष्ट, श्री सतीश वशिष्ट पुत्र श्री रूपचन्द	श्री संजय कुमार अग्रवाल पुत्र स्व0 श्री अमरनाथ व श्री राजकुमार अग्रवाल पुत्र स्व0 श्री अमरनाथ	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
18	326, पूर्वावल्ली	श्रीमती शशी पत्नि स्व0 श्री भंवर सिंह	श्री राजपाल सिंह पुत्र स्व0 श्री केवल व श्री भंवर सिंह पुत्र स्व0 श्री राजपाल सिंह	मृत्यु प्रमाण–पत्र, पारिवारिक सत्यापन प्रमाण–पत्र
19	1438/1, गणेशपुर	श्रीमती पूनम भारद्वाज पत्नि संजय भारद्वाज	श्री सत्य प्रकाश वर्दीया पुत्र श्री ओम प्रकाश वर्दीया	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
20	97, शेखपुरी	मौ0 अमजद पुत्र मौ0 यासीन	श्रीमती नाजो पत्नि मौ0 इकबाल, श्रीमती गजाला पत्नि श्री अहसान व श्रीमती रूखसाना पत्नि श्री अफजाल	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
21	1231 सिविल लाईन	श्री जसविन्द्र सिंह पुत्र श्री घमिन्द्र सिंह	श्री ओमपाल सिंह नरेशपाल सिंह पुत्र श्री मन्नू सिंह	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
22	943, आदर्शनगर	श्री निशांत अरोड़ा व श्री साहिल अरोड़ा पुत्रगण श्री रामकुमार अरोड़ा	मौ0 अजमल पुत्र मौ0 अफजाल	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
23	636 पुरानी तहसील	श्री खुशनसीब पुत्र श्री यूसुफ	श्री मुस्तकीम अहमद पुत्र श्री मुन्फैत अली	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
24	1379 सिविल लाईन	रितू जैन पुत्री स्व0 सुशील कुमार अग्रवाल	श्रीमती अनीता अग्रवाल पत्नि स्व0 श्री सुशील कुमार अग्रवाल	शपथ–पत्र, मृत्यु प्रमाण–पत्र पारिवारिक सत्य0 प्रमाण–पत्र
25	815/1, चावमण्डी	श्रीमती प्राची अग्रवाल पत्नि मनोज कुमार	श्री गौरव वडेहरा पुत्र श्री अशोक कुमार वडेहरा	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
26	140, अ0 ता0 पूर्वी	श्री नवीन कुमार पुत्र श्री भूषण लाल	श्री ईश्वरी लाल शास्त्री पुत्र श्री गिरधारी लाल	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
27	1524, चावमण्डी	श्री संदीप सैनी पुत्र श्री जगपाल सिंह	श्री राजेन्द्र प्रसाद पुत्र श्री विष्णु दत्त	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
28	241, मौ0 सत्ती का जुज भाग	श्री जमाल अख्तर पुत्र श्री अय्यूब अली	श्री अय्यूब अली पुत्र श्री रहीमुददीन	शपथ–पत्र, मृत्यु प्रमाण–पत्र, व्सीयत, पारिवारिक सह स्वामी अन्तरण विलेख–पत्र
29	410(1–9), 411(1–7), का जुज भाग पुरानी तहसील	श्री सलीम अहमद पुत्र स्व0 श्री अकिल अहमद	श्री अकिल अहमद स्व0 शौकत अली	शपथ–पत्र, मृत्यु प्रमाण–पत्र पारिवारिक सत्य0 प्रमाण–पत्र
30	1423 सिविल लाईन	श्री कुंवर जावेद इकबाल पुत्र अब्दुल हमीद	श्रीमती अजरा जावेद पत्नि श्री कुंवर जावेद इकबाल,	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
31	70ए, मौ0 चावमण्डी	श्रीमती पुष्पा देवी पत्नि श्री इन्द्र गिरी	(अध्यासी) चाँद पत्नि श्री नन्द लाल	मृत्यु प्रमाण–पत्र, विक्रय–पत्र
32	723, अ0 ता0 पूर्वी	श्रीमती नूर फात्मा पत्नि स्व0 महबूब हसन	श्रीमती नूर फात्मा पत्नि स्व0 श्री महबूब हसन	शपथ–पत्र, मृत्यु प्रमाण–पत्र पारिवारिक सत्य0 प्रमाण–पत्र
33	324, 324(1), मौ0 नेहरूनगर	मौ0 इकबाल पुत्र स्व0 श्री कादम	श्री अब्दुल बारिक पुत्र स्व0 श्री कादम	शपथ–पत्र, मृत्यु प्रमाण–पत्र, वसीयत
34	315, मौ0 माहीग्रान	श्रीमती इफ्फत पत्नि मौ0 अन्जार व श्रीमती लायबा नूर पत्नि श्री अब्दुल्ला सईद	(अध्यासी) श्रीमत हबीब फात्मा पत्नि नूर मौहम्मद	शपथ–पत्र, मुख्यारनामा, विक्रय–पत्र
35	463/1, सिविल लाईन	श्री राकेश अग्रवाल, श्री रोमेश कुमार अग्रवाल श्री नरेश अग्रवाल पुत्रगण स्व0 महेन्द्र अग्रवाल	श्रीमती विनोद अग्रवाल पत्नि श्री महेन्द्र अग्रवाल	शपथ–पत्र, मृत्यु प्रमाण–पत्र पारिवारिक सत्य0 प्रमाण–पत्र
36	432 का जुज भाग, मौ0 चावमण्डी	श्री ओम प्रकाश व श्रीरमा कान्त पुत्रगण श्री जय भगवान	श्री कान्त गोयल व श्री प्रवीन कुमार पुत्रगण श्री जय भगवान गोयल	शपथ–पत्र, दान–पत्र, विभाजन विलेख–पत्र
37	1502, अम्बर तालाब पश्चिमी	श्री देवेन्द्र पाल सिंह पुत्र स्व0 श्री आलम चन्द	श्री आलम चन्द पुत्र श्री इन्दुरथ सिंह	शपथ–पत्र, मृत्यु प्रमाण–पत्र पारिवा0 सत्यापन प्रमाण–पत्र
38	827, रामनगर	श्री सौरभ सिंह पुत्र अशोक कुमार	श्रीमती किरण गोयल पत्नि श्री भूमेश गोयल	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
39	503/7, गणेशपुर	श्री गजपाल सिंह रावत पुत्र स्व0 श्री पंचम सिंह	श्रीमती आभा आर्य पत्नि श्री कपिल सैनी	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
40	141(1), राजपूताना पश्चिमी	श्री राकेश अरोड़ा पुत्र श्री कृष्ण लाल अरोड़ा श्रीमती मोनिका अरोड़ा पत्नि राकेश अरोड़ा	श्रीमती आशा अरोड़ा पत्नि श्री राकेश अरोड़ा	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
41	447, अम्बर तालाब पूर्वी	श्री रितेश कुमार, श्री आशीष कश्यप व श्री हिमांशु पुत्रगण स्व0 विक्रम सिंह व श्रीमती संगीता पुत्री स्व0 विक्रम सिंह	श्रीमती कुसुम लता पत्नि श्री विक्रम सिंह	शपथ–पत्र, मृत्यु प्रमाण–पत्र पारिवा0 सत्यापन प्रमाण–पत्र
42	779 का जुज भाग अम्बर तालाब पश्चिमी	श्रीमती संध्या पत्नि श्री रवि	श्रीमती लक्ष्मी गुप्ता पत्नि स्व0 श्री कैलाश चन्द गुप्ता	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
43	287, सिविल लाईन	श्री विपुल सचदेवा पुत्र श्री सुनील सचदेवा	श्रीमती कृष्णा रानी पत्नि श्री कृष्ण पाल	दान–पत्र, विक्रय–पत्र,
44	1335, सिविल लाईन	श्रीमती किरन हान्डा पत्नि सुभाष चन्द्र हान्ड	श्रीमती प्रमिला पत्नि श्री विजेन्द्र	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
45	264, मलकपुर	श्रीमती शाहनवाज फातिफा नजामुददीन पत्नि श्री नजामुददीन	श्री नजामुददीन पुत्र श्री हमीदूदीन	शपथ–पत्र, मृत्यु प्रमाण–पत्र, पारिवा0 सत्यापन प्रमाण–पत्र
46	485, चावमण्डी का जुज भाग	श्रीमती बेबी पत्नि श्री पवन	श्री अश्वनी कुमार पुत्र श्री सुरेन्द्र कुमार	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
47	698/9, मौ0 सत्ती	श्रीमती रूबीना आसिम पत्नि मौह0 आसिम	श्री जमशेद इकबाल पुत्र स्व0 श्री हामिद मियॉं	शपथ–पत्र, दान–पत्र
48	487, आवा विकास	श्री प्रमोद कुमार पुत्र श्री अतर सिंह	श्री रणवीर सिंह पुत्र श्री अतर सिंह	शपथ–पत्र, दान–पत्र
49	297, मौ0 नेहरूनगर	श्री हेमन्त गुप्ता पुत्र श्री राजकुमार गुप्ता व श्री अंकुर जिन्दल पुत्र श्री रमेश चन्द जिन्दल	कर्नल जीतपाल सिंह रावत, श्री हुकम सिंह रावत, श्री राजेन्द्र पाल सिंह रावत व श्री तेजपाल सिंह रावत पुत्रगण स्व0 श्री मेजर चन्द्र सिंह रावत	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
50	818(2), रामनगर	श्री मनीष मदान पुत्र श्री मदन लाल	सं0 मंजीत सिंह पुत्र स0 मस्तान सिंह व श्रीमती पूनम अरोड़ा पत्नि श्री हरीश कुमार	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
51	1041, सिविल लाईन	श्री संजीव भटेजा पुत्र श्री प्रदीप भटेजा	श्री प्रदीप कुमार पुत्र श्री नर सिंह	शपथ–पत्र, विक्रय–पत्र
52	1439/1, गणेशपुर	श्री अनुज कमार मौर्य पुत्र स्व0 नरेश कुमार	श्री नरेश कुमार पुत्र श्री चन्दरूप सिंह	शपथ–पत्र, मृत्यु प्रमाण–पत्र,, परिवा0 सत्यापन प्रमाण–पत्र

कर–लिपिक
नगर निगम रूड़की

कर–अधीक्षक
नगर निगम रूड़की

उत्तराखण्ड पॉवर कारपोरेशन लिमिटेड
(उत्तराखण्ड सरकार का उपक्रम)
कारपोरेट आईडेन्टीटी संख्या : **U40109UR2001SGC025867,** कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, विद्युत वितरण खण्ड, (ग्रामीण), रूडकी, दूरभाषः 01332–275979

विद्युत बन्दी सूचना

सभी सम्मानित उपभोक्ताओं को सूचित किया जाता है कि 132/33 के0वी0 उपसंस्थान मंगलौर से पोषित 33के0वी0 उत्तम शुगर मिल पोषक पर अनुरक्षण सम्बन्धित कार्य प्रस्तावित होने के कारण 132/33 के0वी0 उपसंस्थान मंगलौर से पोषित निम्न पोषक की तालिका में वर्णित दिनांक एवं समय के अनुसार विद्युत आपूर्ति बाधित रहेगी।

उपसंस्थान का नाम	दिनांक	समय	प्रभावित पोषक
132/33 के0वी0 उपसंस्थान मंगलौर	22.02.2025	प्रातः 10 बजे से शाम 02.00 बजे तक	33 के0वी0 उत्तम शुगर

समस्त सम्मानित उपभोक्ताओं से सहयोग की अपील की जाती है।
No.:- 81/EE(CM)/UPCL/A-2 Date:- 21.02.2025 अधिशासी अभियन्ता

राष्ट्र हित में बिजली बचायें, बिजली बचाने हेतु एल0ई0डी0 बल्ब का प्रयोग करें। (टोल फ्री नं0 1912) विद्युत बिलों के 24x7 ऑनलाइन भुगतान हेतु www.upcl.org पर जाए। (विद्युत चोरी की सूचना टोल फ्री नं0 18001804185/फैक्स संख्या– 0135–2760911 पर दें।)

द. अफ्रीका ने अफगानिस्तान को 107 रनों से हराया

● रायन रिकलटन ने 103 रनों की शतकीय पारी खेली, रबाडा ने तीन विकेट हासिल किए

कराची, वार्ता। रायन रिकलटन (103) की शतकीय, कप्तान तेम्बा बवूमा (58), एडन मारक्रम (नाबाद 52) रासी वान दर दुसें (52) की अर्द्धशतकीय पारियों के बाद गेंदबाजों के शानदार प्रदर्शन की बदौलत दक्षिण अफ्रीका ने शुक्रवार को चैंपियंस ट्रॉफी के तीसरे मैच में अफगानिस्तान को 107 रनों से हरा दिया।

316 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी अफगानिस्तान की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 50 रन के स्कोर पर अपने चार विकेट गवां दिये। रहमानउल्लाह गुरबाज (10), इब्राहिम जदरान (17), सेदिकुल्लाह अटल (16) और हशमतउल्लाह शहीदी (शून्य) पर आउट हुए। इस दौरान रहमत शाह एक छोर थामे रन बनाते रहे। आलम यह रहा कि दक्षिण अफ्रीकी गेंदबाजी आक्रमण के आगे अफगानिस्तान के विकेट अंतराल पर गिरते रहे। अजमतउल्लाह ओमरजई (18) को कगिसो रबाड़ा ने आउट किया। मोहम्मद नबी (आठ) को यानसन ने अपना शिकार बनाया। गुलब. दीन नईब (13) और राशिद खान (18) रन बनाकर आउट हुए। 43 ओवर की तीसरी गेंद पर कगिसो रबाड़ा ने रहमत शाह को आउटकर अफगानिस्तान की पारी का 208 के स्कोर पर अंत कर दिया। रहमत शाह ने अफगानिस्तान के लिए 92 गेंदों में नौ चौके और एक छक्का लगाते हुए (90) की पारी खेली। दक्षिण अफ्रीका की ओर से कगिसो रबाडा ने तीन विकेट लिए। वियान मुल्डर और लुंगी एन्गिडी ने दो-दो विकेट लिए। यानसन, और केशव महाराज ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां अफ्रीका के कप्तान तेम्बा बवूमा ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी अफ्रीका की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने 28 के स्कोर पर टोनी डीजार्जी (11) का विकेट गवां दिया। उन्हें मोहम्मद नबी ने आउट किया। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये कप्तान बवूमा ने रायन के साथ पारी को संभाला।

खेल विशेष

BSF ने बॉर्डरमेन 'मैराथन 2025' के चौथे संस्करण का किया आयोजन

अमृतसर, वार्ता। सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) आगामी 23 फरवरी को अमृतसर में 'बॉर्डरमेन मैराथन 2025' के चौथे संस्करण का आयोजन करने जा रही है। 'हैंड इन हैंड विद वॉर्डर पॉपुलेशन' थीम के आधार पर यह मैराथन न केवल एक खेल आयोजन है, बल्कि सीमावर्ती युवाओं को सशक्त बनाने और स्वस्थ भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल है। बीएसएफ ने शुक्रवार को यहां जारी विज्ञप्ति में बताया गया है कि इस भव्य आयोजन की गरिमा को बढ़ाने के लिए भारतीय पुलिस सेवा (आईपीएस) बीएसएफ के महानिदेशक दलजीत सिंह चौधरी मुख्य अतिथि होंगे। वर्ष 2022 से आरंभ हुई यह वार्षिक मैराथन, जो एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया के तत्वावधान में आयोजित की जाती है, हर वर्ष अपनी भव्यता और लोकप्रियता में वृद्धि कर रही है। इस वर्ष, यह आयोजन और भी विशाल होने जा रहा है, जिसमें 5200 से अधिक धावक भाग ले रहे हैं, जिनमें भारत के साथ-साथ अंतर्राष्ट्रीय पेशेवर एथलीट भी शामिल हैं। पंजाब के छह सीमावर्ती जिलों के युवाओं की बढ़ती भागीदारी इस मैराथन की सफलता और महत्व को और भी मजबूत बनाती है। इस मैराथन में फुल मैराथन (42.195 किमी), हाफ मैराथन (21.097 किमी) और 10 किमी दौड़ जैसी प्रमुख श्रेणियां शामिल हैं, जो अनुभवी एथलीटों और शौकिया धावकों, दोनों के लिए एक बेहतरीन अवसर प्रदान करती हैं। इस वर्ष विशेष रूप से महिलाओं को खेलों के प्रति प्रोत्साहित करने के लिए, बीएसएफ ने सभी श्रेणियों में महिलाओं के लिए निष्शुल्क पंजीकरण की घोषणा की है, जिससे उनकी भागीदारी को और अधिक बढ़ावा मिलेगा। एथलेटिक्स फेडरेशन ऑफ इंडिया द्वारा मान्यता प्राप्त यह मैराथन गोल्डन गेट, अमृतसर से जेसीपी अटारी तक के खूबसूरत और ऐतिहासिक मार्ग पर आयोजित की जाएगी। इसमें विभिन्न आयु वर्गों (पुरुष और महिला, 40 वर्ष से कम व अधिक) के प्रतिभागी शामिल होंगे, जिसमें प्रथम आने

भारत-पाक महामुकाबला

हम भारत से कमजोर हैं: अफरीदी

● मैच से पहले बोले शाहिद अफरीदी, कहा: हमारे पास खिलाड़ी कंसिस्टेंट नहीं हैं

दुबई, वार्ता। भारत और पाकिस्तान के बीच 23 फरवरी को महामुकाबला खेला जाना है। इस मैच को लेकर फैंस बेहद उत्साहित हैं। मुकाबले से पहले ऑफिशियल ब्रॉडकास्टर ने एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया, जिसमें शाहिद अफरीदी, युवराज सिंह, इंजमाम उल हक और नवजोत सिंह सिद्धू जैसे दिग्गज शामिल हुए। इस दौरान अफरीदी ने भारत की तुलना में अपनी टीम को कमजोर बताया है। उन्होंने कहा है कि उनके खिलाड़ी कंसिस्टेंट नहीं हैं। अफरीदी ने कहा हा अगर हम मैच-विजेताओं के बारे में बात करते हैं, तो मैं कहूंगा कि भारत के पास पाकिस्तान की तुलना में अधिक मैच-विजेता हैं। एक मैच-विजेता वह है जो अकेले दम पर खेल जीतना जानता हो। अभी हमारे पास पाकिस्तान में ऐसे

खिलाड़ी नहीं हैं। भारत की ताकत उसके मध्य और निचले क्रम के खिलाड़ी हैं, जो उन्हें मैच जिता रहे हैं। लंबे समय से हम खिलाड़ियों को मौके दे रहे हैं, लेकिन कोई भी लगातार आगे नहीं बढ़ पाया है। कुछ ने कुछ मैचों में अच्छा प्रदर्शन किया है, लेकिन हमारे पास ऐसे खिलाड़ी नहीं हैं जो लगातार ऐसा कर सकें। उन्होंने अपने प्रदर्शन को एक या दो साल या 50-60 मैचों तक कायम रखा। यहीं पर हम भारत की तुलना में थोड़े कमजोर हैं, जो इस क्षेत्र में बहुत मजबूत है। लेकिन भारत के खिलाफ जीत की कुंजी सामूहिक प्रदर्शन है। चाहे वह बल्लेबाज हों, गेंदबाज हों या स्पिनर हों, हर किसी का योगदान महत्वपूर्ण है। अफरीदी ने कहा कि एक कप्तान के रूप में रिजवान को दूसरों के लिए एक उदाहरण स्थापित करना होगा। यह बहुत महत्वपूर्ण है। उन्हें हर मैच में प्रदर्शन करना होगा और उनका रवैया, शारीरिक भाषा और नेतृत्व बहुत मायने रखता है। एक कप्तान होने के नाते प्रशंसा और आलोचना समान मात्र में मिलती है। उनका प्रदर्शन महत्वपूर्ण होगा, क्योंकि वह टीम को एक साथ रखने वाले गोंद है। वह सभी के साथ समान व्यवहार करते हैं, वह एक जुझारू खिलाड़ी हैं और मैदान पर उनकी ऊर्जा शानदार है।

केरल-विदर्भ रणजी के फाइनल में

● गुजरात पर दो रन की बढ़त के आधार पर केरल को व मुंबई को 80 रन से हराकर विदर्भ फाइनल में पहुंची

अहमदाबाद, वार्ता। आदित्य सरवटे और जलज सक्सेना (चार-चार विकेट) की शानदार गें. दबाजी की बदौलत केरल और गुजरात के बीच खेला गया पहला सेमीफाइनल मुकाबला शुक्रवार को ड्रा रहा और केरल ने पहली पारी में मिली दो रनों की मामूली बढ़त के आधार पर रणजी ट्रॉफी के फाइनल में जगह पक्की कर ली है।

गुजरात ने कल के सात विकेट पर 429 के स्कोर से आगे खेलना शुरु किया। आज सुबह के सत्र में सरवटे ने जयमीत पटेल (78) को मोहम्मद अजहरूद्दीन के हाथों स्टंप करवाकर केरल को 436 के स्कोर पर आठवीं सफलता दिलाई। इसके बाद सरवटे ने सिद्धार्थ देसाई (30) को पगबाधा आउट कर पवेलियन भेज दिया। अरजान नागवासवाला (10) भी सरवटे का शिकार बने। केरल के गेंदबाजों ने गुजरात की पूरी टीम 174-4 ओवर में 455 के स्कोर पर समेट कर दो रनों की बढ़त ले ली। केरल की ओर से आदित्य सरवटे और जलज सक्सेना (चार-चार विकेट) लिए।

एम डी निधीष और एनपी बासिल ने एक-एक बल्लेबाज को आउट किया। इसके बाद दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने उतरी केरल ने अपने दो विकेट 32 के स्कोर पर गवां दिए। अक्षय चंद्रन (नौ), वरुण नयनार (एक) रन बनाकर आउट हुए। सिद्धार्थ देसाई ने रोहन कुन्नुमल (32) को आउटकर केरल को तीसरा झटका दिया। केरल का चौथा विकेट सचिन बेबी (10) रन के रूप में गिरा। मैच को ड्रा घोषित किये जाने के समय केरल का दूसरी पारी में स्कोर चार विकेट पर 114 रन था। गुजरात की ओर से सिद्धार्थ देसाई और मनन हिंगराजिया को दो-दो विकेट मिले। उल्लेखनीय है कि केरल ने पहली पारी में 457 का स्कोर खड़ा किया था। रणजी ट्रॉफी का फाइनल मैच केरल और विदर्भ के बीच होगा।

विदर्भ-हर्ष दुबे (पांच विकेट), यश ठाकुर और पार्थ रेखड़े (दो-दो विकेट) की शानदार गेंदबाजी की बदौलत विदर्भ ने रणजी ट्रॉफी के दूसरे सेमीफाइनल मुकाबले के पांचवें दिन शुक्रवार को मुम्बई को 325 रन पर समेटकर 80 रनों की जीत के साथ टूर्नामेंट के फाइनल में जगह बना ली हैं। मुम्बई ने कल के तीन विकेट पर 83 रन से आगे खेलना शुरु किया। सुबह के सत्र में यश ठाकुर ने शिवम दुबे (12) को आउट कर विदर्भ को पांचवीं सफलता दिलाई। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये सूर्यकुमार यादव ने आकाश आनंद के साथ पारी को संभालने का प्रयास किया।

हर्ष दुबे ने सूर्यकुमार यादव (23) को आउटकर इस साझेदारी को तोड़ा। हर्ष का अगला शिकार आकाश आनंद (39) रहे। इसके बाद शम्स मुलानी और शार्दुल ठाकुर मुम्बई की धूमिल होती उम्मीद को फिर से जगा दिया। शम्स मुलानी (46) के रनआउट होने पर मुम्बई को बड़ा झटका लगा। इसके बाद यश ठाकुर ने शार्दुल ठाकुर (66) को बोल्डकर पवेलियन भेज दिया। तनुष कोटियान (26) रन बनाकर आउट हुए। हर्ष दुबे ने मोहित अवस्थी (34) को पगबाधा आउटकर मुम्बई की दूसरी पारी का 97-5 ओवर में 325 रन पर समेटकर 80 रनों से जीत दर्ज कर टूर्नामेंट के फाइनल में प्रवेश कर लिया है। विदर्भ की ओर से हर्ष दुबे ने पांच विकेट लिए। यह ठाकुर और पार्थ रेखड़े को दो-दो विकेट मिले। विदर्भ ने पहली पारी में 383 रन का स्कोर बनाया था। उसके बाद मुम्बई की पहली पारी 270 के स्कोर पर सिमट गई थी। विदर्भ ने दूसरी पारी में 292 रन बनाए थे।

गिल ने बनाया करियर का सबसे धीमा शतक

■ 2019 विश्व कप बाद यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज के द्वारा वनडे में सबसे धीमा शतक है

दुबई, वार्ता। भारतीय टीम के सलामी बल्लेबाज शुभमन गिल ने गुरुवार को बांग्लादेश के खिलाफ परिस्थितियों के अनुसार अपने एकदिवसीय करियर का सबसे धीमा नाबाद शतक बनाया।

शुभमन गिल का यह शतक ऐसे समय में आया जब भारत विराट कोहली, श्रेयस अय्यर और अक्षर पटेल का विकेट गंवा कर मुश्किल में था। ऐसे कठिन समय में गिल समझदारी से बल्लेबाजी करते हुए भारत को जीत दिलाई। यह उनका आठवां एकदिवसीय शतक है। 2019 विश्व कप के बाद यह किसी भी भारतीय बल्लेबाज के द्वारा एकदिवसीय में सबसे धीमा शतक है। गिल ने उनकी विजयी शतकीय पारी के लिए 'प्लेयर ऑफ द मैच' से नवाजा गया। मैच के बाद गिल ने कहा कि यह निश्चित रूप से मेरे सबसे अच्छे शतकों में से एक था।आईसीसी टूर्नामेंट में यह मेरा पहला शतक है। मैं बेहद खुश हूं। पिच आसान नहीं था। शुरुआत में ऑफ स्टंप के बाहर की गेंद बल्ले पर ठीक से नहीं आ रही थी। इसलिए मैंने तेज गेंदबाजों के खिलाफ क्रीज का इस्तेमाल कर गेंद को सर्कल के ऊपर से खेलने का प्रयास किया। फिर जब स्पिनर्स आए, तो मैंने और कोहली ने इस बारे में बात की कि फ्रंट फुट पर सिंगल लेना आसान नहीं हो रहा था, इसलिए मैंने बैक फुट पर खेलने पर ध्यान केंद्रित किया।

ममता जी व प्रेक्षा जैन की जोड़ी ने जीता महिला युगल आईडीएएस खिताब

लखनऊ, वार्ता। पीसीडीए (ओ) पुणे की ममता जी और सीडीए आरटीसी एनएडीएफएम, पुणे की प्रेक्षा जैन की जोड़ी ने 11वां अखिल भारतीय डीएडी बैडलमटन टूर्नामेंट में महिला युगल आईडीएएस खिताब जीत लिया है। सूर्या खेल परिसर, करियप्पा रोड, कैंट, लखनऊ में आयोजित टूर्नामेंट के महिला युगल आईडीएएस फाइनल में ममता जी- व प्रेक्षा जैन की जोड़ी ने अभिनीत ढिल्लन व एस-संगीता को सीधे गेम में 21-11, 21-14 से हराया। वहीं पुरुष युगल खेल कोटा में पीसीडीए आर्मी लखनऊ के अजय कुमार व शैलेंद्र पावा और महिला युगल ओपन में पीसीडीए आर्मी लखनऊ की मधु ज्ञानचंदानी व पूनम यादव ने फाइनल में जगह पक्की की। पुरुष युगल आईडीएएएस सेमीफाइनल में पीसीडीए आर्मी-पुणे के विक्रम ए-राजापुरे व सीडीए आरटीसी एनएडीएफएम, पुणे के आनंद अग्रवाल ने सीडीए सिकंदराबाद के डा-श्रीनिवास रेड्डी व टी-रामा मूर्ति को 21-13, 21-12 से हराया। पुरुष एकल आईडीएएस सेमीफाइनल में, पीसीडीए -आर्मी-पुणे के विक्रम ए-राजा. पुरे ने सीडीए आरटीसी एनएडीएफएम, पुणे

● हिन्दुस्तान की बड़ी जीत, तरुणसंघा को पूरे अंक

नई दिल्ली, वार्ता। डीएसए प्रीमियर लीग के एकतरफा मुकाबले में हिंदुस्तान फुटबाल क्लब ने यूनाइटेड भारत एफ सी को 4-1 से हरा कर पूरे अंक अर्जित किए। यहां नेहरू स्टेडियम परिसर में खेले गए मुकाबले में विजेता टीम हिन्दुस्तान के लिए किलोंग, प्लेयर ऑफ द मैच होकिप, आशिफ और मिसाओ ने गोल जमाए स पराजित टीम का इकलौता गोल घ्हाँन शपोर्जी ने किया। वहीं दिन के दूसरे मुकाबले में तरुण संघॉ ने नेशनल यूनाइटेड सपोर्टिंग क्लब को ओलेन सिँह के गोल से परास्त किया। आज के मुकाबले में यूनाइटेड भारत ने पहले खाता खोला लेकिन एक बार फार्म मे आने के बाद हिन्दुस्तान ने खेल पर पकघ्‌ बना ली और पाला बदलते ही विजेता टीम के तेवर भी बदल गए। आशिफ, होकिप, सूरज मेटी ने बेहतर तालमेल के साथ प्रतिद्वन्दवी पर दबाव बनाया और दर्शनीय गोल जमाए। हिंदुस्तान के 17 मैचों में 20 अंक हो गए हैं। अंक तालिका में सबसे नीचे चल रहे यूनाइटेड भारत के बचने के मौके बहुत

भारत का 49 सदस्यीय दल स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स में शिरकत करेगा

नई दिल्ली, वार्ता। इटली के ट्यूरिन में आठ मार्च से शुरु होने वाले स्पेशल ओलंपिक वर्ल्ड विंटर गेम्स 2025 में भारत का 49 सदस्यीय दल शिरकत करेगा। इटली के ट्यूरिन में आठ से 15 मार्च होने वाली इस प्रतियोगिता में भारत के 30 एथलीट और 19 लोगों का सपोर्ट स्टाफ शामिल हैं।

विराट कोहली ने कैच पकड़ने के अजहर के रिकॉर्ड की बराबरी की

दुबई, वार्ता। भारत के स्टार बल्लेबाज और चुस्त क्षेत्ररक्षक विराट कोहली ने एकदिवसीय अंतर्राष्ट्रीय मैचों में सबसे अधिक कैच पकड़ने के पूर्व भारतीय कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन के लंबे समय से चले आ रहे रिकॉर्ड की बराबरी कर ली है। कोहली ने गुरुवार को दुबई में बांग्लादेश के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में यह उपलब्धि हासिल की। उन्होंने आज के मैच में नजमुल शान्तो और जाकेर अली के कैच पकड़े। कोहली और अजहरुद्दीन अब 156 कैच लेकर संयुक्त रूप से शीर्ष पर हैं। उन्होंने एकदिवसीय मैचों में 140 कैच पकड़ने वाले महान सचिन तेंदुलकर को पीछे छोड़ दिया है। इसके अलावा राहुल द्रविड़ 124 कैच के साथ चौथे स्थान पर हैं। शानदार क्षेत्ररक्षण करने वाले सुरेश रैना 102 कैच के साथ शीर्ष पांच में शामिल हैं। इस बीच, भारत के तेज गेंदबाज मोहम्मद शमी ने 200 एकदिवसीय विकेट लेने वाले संयुक्त दूसरे सबसे तेज गेंदबाज बनकर इतिहास में अपना नाम दर्ज करा लिया है।उन्होंने पाकिस्तान के सकलैन मुश्ताक की बराबरी करते हुए महज 104 मैचों में यह उपलब्धि हासिल की। मोहम्मद शमी ने आज बांग्लादेश के पांच बल्लेबाजों को आउट किया।

चहल-धनश्री का हुआ तलाक

■ 18 महीने से अलग रह रहे थे दोनों, दिसम्बर 2020 में हुई थी शादी

नई दिल्ली, वार्ता। भारतीय क्रिकेटर युजवेंद्र चहल और उनकी पत्नी धनश्री वर्मा का तलाक हो गया है। कानूनी कार्यवाही पूरी करने के बाद दोनों ने आधिकारिक तौर पर अलग होने का फैसला किया है। एक मीडिया हाउस की रिपोर्ट के अनुसार, मामले से परिचित एक वकील ने बताया गुरुवार को बांद्रा फैमिली कोर्ट में अंतिम सुनवाई और सभी आवश्यक औपचारिकताएं पूरी हुईं, जिसमें दोनों सुबह 11:00 बजे से मौजूद थे। रिपोर्ट के अनुसार, सुनवाई के दौरान जज ने इस कपल को काउंस. लिंग सेशन में शामिल होने का निर्देश दिया, जो करीब 45 मिनट तक चला। जज के पूछे जाने पर चहल और धनश्री दोनों ने पुष्टि की कि वे आपसी सहमति से तलाक चाहते हैं। बांद्रा फैमिली कोर्ट में चर्चा के बाद जज ने शाम 4:30 बजे आधिकारिक तौर पर तलाक को मंजूरी दे दी। युजवेंद्र और धनश्री की शादी 11 दिसम्बर 2020 को हुई थी। दोनों 18 महीने से अलग रह रहे थे वकील ने यह भी खुलासा किया कि अंतिम फैसला लेने से पहले दोनों पिछले 18 महीनों से अलग रह रहे थे। चहल और उनकी पत्नी धनश्री के तलाक की अफवाहें काफी समय से सोशल मीडिया पर चल रही थीं। हालांकि, चहल और धनश्री का अभी तक अक्फिशियल बयान सामने नहीं आया है। झलक दिखला जा-11 शो में लव स्टोरी सुनाई थी धनश्री वर्मा ने झलक दिखला जा-11 के एक एपिसोड के दौरान युजवेंद्र चहल के साथ अपनी लव स्टोरी के बारे में खुलासा किया था।

कोहली को खुद पर दबाव बनाने से फार्म में लौटने में आ रही दिक्कत : कुंबले

दुबई, वार्ता। भारत के पूर्व कप्तान व कोच अनिल कुंबले का मानना है कि विराट कोहली खुद पर जरुरत से ज्यादा दवाब बना रहे है इस वजह से उन्हें फॉर्म में लौटने में दिक्कत आ रही है। बांग्लादेश के खिलाफ मैच जीतने के बाद कोहली के प्रदर्शन को लेकर कुंबले ने कहा कि खराब फॉर्म से गुजरते हुए विशेषकर सफेद गेंद की क्रिकेट में कोहली को इतने लंबे समय तक ऐसी मुश्किलों का सामना नहीं करना पड़ा। मुझे लगता है कि वह अपने ऊपर जरुरत से ज्यादा दवाब बना रहे हैं।

आपके पास ऐसे खिलाड़ी हैं जो पहले भी ऐसा कर चुके हैं और हर कोई आपसे उम्मीद रखता है कि यह वो व्यक्ति है जो खेल को हमसे दूर ले जाएगा और ये टीम में महत्वपूर्ण है। जब आपके ऊपर इस तरह का दबाव हो और आपसे इस तरह की उम्मीदें होती हैं तो अचानक आप और कई सारी चीजो को अहमियत देने लगते हैं और बहुत अधिक प्रयास करने लगते हैं। जब आप ऐसा करते हैं तो आप तनावमुक्त नहीं होते हैं। मेरा मानना है कि वह अपनी सर्वश्रेष्ठ पारी और सर्वश्रेष्ठ गेंदबाजी प्रदर्शन के बारे में नहीं सोच रहे हैं। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि वह बहुत अधिक प्रयास कर रहा है। आप देख सकते हैं कि वह अपनी पारी किस तरह से खेल रहा है। उसे बस इसके बारे में चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। रोहित शर्मा वहां आता है, उसे आजादी मिलती है क्योंकि बहुत सारी बल्लेबाजी होती है और वे सभी शानदार फॉर्म में हैं। इसी तरह विराट के लिए, उसे बस मैदान में आने के बाद किसी और चीज़ के बारे में चिंता करने की जरूरत नहीं है। उन्होंने कहा कि जब वह फार्म में होता है, जब वह सिर्फ़ सिंगल लेना चाहता है और स्ट्राइक रोटेट करता रहता है, तो वह स्पिन को बहुत अच्छी तरह से खेलने वाला खिलाड़ी है। अब वह केवल नियंत्रण करने के बजाय रन बनाने के लिए बहुत अधिक प्रयास कर रहा है, और यही उसका गेम प्लान रहा है।

लक्सर विधायक ने विधानसभा सत्र में मजबूती से उठाया विकास व आपदा से नुकसान का मुद्दा

आपदा से नुकसान की भरपाई नहीं कर पाई सरकार: शहजाद

सूबे के पीडब्ल्यूडी व सिंचाई मंत्री ने दिया लादपुर कला पुल के जल्द निर्माण का आश्वासन

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। लक्सर विधायक हाजी मौ शहजाद ने विधानसभा सत्र में लक्सर विधानसभा क्षेत्र की समस्याओं के अलावा विकास के मुद्दों को जोर-शोर से उठाया वहीं आपदा के दौरान हुए नुकसान की भरपाई के मुद्दे को भी मजबूत तरीके से सदन में रखा जिस पर सरकार ने अब जल्द कार्रवाई का आश्वासन दिया है ।

विधानसभा सत्र के दौरान लक्सर विधायक हाजी शहजाद ने सदन में क्षेत्र के समस्याओं व विकास के मुद्दे को पुरजोर तरीके से उठाते हुए 2023 में बरसात से आई आपदा में हुए नुकसान की बाबत भी मुद्दे को उठाते हुए सरकार का ध्यान दिलाया कि सरकार आज तक अपना वादा पूरा नहीं कर पाई है शाहजहां विध ायक ने सदन मैं पुरजोर तरीके से अपनी बात रखते हुए कहा कि बरसात से आपदा में क्षेत्र के लादपुर कला गांव में पुल का एक हिस्सा पानी से बह गया था जिससे करीबदो दर्जन गांवों के लोगों को भारी परेशानी हो रही है दूर से चक्कर काट कर आना पड़ रहा है ।उन्होंने कहा कि इस मुद्दों को कई बार उठा चुके हैं यहां पीडब्ल्यूडी मंत्री व गनना मंत्री व सीएम ने भी आपदा ग्रस्त क्षेत्र का दौरा करकिसानों को मुआवजा व अन्य भरपाई करने का आश्वासन दिया था लेकिनना तो कम ना सिंचाई मंत्री और गन्ना मंत्री आज तक कोई अपना वादा पूरा कर पाए हैं।

शहजाद विधायक ने विध ानसभा सत्र के दौरान आपदा क्षेत्र में हुए नुकसान की अप और ध्यान दिलाते हुए कहा किवह क्षेत्र की समस्याओं को लगातार उठाते रहे हैं उठाते रहेंगे लेकिन सरकार अपने वादे पर खड़ा नहीं उतर रही है उन्होंने कहा कि बरसात से आई आपदा के दौरान लक्सर के पिछले क्षेत्र में भारी नुकसान हुआ । आमजन के अलावा किसानों को भी बड़ा नुकसान उठाना पड़ा उस दौरान राज्य के मुख्यमंत्री खुद निरीक्षण करने आए थे और लोगों को जल्द उनके नुकसान की भरपाई का वादा किया था लेकिन वह

आज तक मात्र आश्वासन रहा सजाया विधायक ने कहा कि पीडब्ल्यूडी व सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज भी निरीक्षण को आए थे आपदा से हुए नुकसान का उन्होंने जायज लिया वह भी साथ थे

❖आपदा के दौरान मुख्यमंत्री-सिंचाई मंत्री व गन्ना मंत्री ने जनता से किया वादा आज तक नहीं निभाया

लेकिन उन्होंने आज तक कोई काम नहीं कराया उन्होंने कहा कि गन्ना मंत्रीभावना भी उसे समयक्षेत्र में आए थे नुकसान का आकलन किया था लेकिन आज तक किसानों को या गरीब लोगों को कोई मदद नहीं मिली।

शहजाद विधायक ने कहा कि सरकार केवल आश्वासन दे रही है धरातल पर कोई काम नहीं कर रही है । लक्सर विधानसभा क्षेत्र एक पिछड़ा हुआ विधानसभा क्षेत्र है आपदा में क्षेत्र के आमजन और किसानों को भारी नुकसान हुआ है घरों में पानी ने तबाही मचाई थी किसानो की फैसले बर्बाद हो गई थी जिस बाबत राज्य के मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी से लेकर अन्य मंत्रियों ने मौके पर जाकर आकलन किया लोगों को नुकसान की भरपाई का आश्वासन दिया केंद्र के एक सचिव भी मौके पर पहुंचे थे सभी ने आश्वासन दिया था लेकिन आज तक भी सरकार ने लक्सर क्षेत्र में आपदा से हुए नुकसान की बाबत कोई ठोस कदम नहीं उठाया है केवल आश्वासन दिए हैंआपदा के दौरान एक तरह से मुख्यमंत्री व अन्य मंत्रियों ने पिकनिक स्पॉट समझकर दौरे किए लेकिन जनता को उसका कोई लाभ नहीं मिला है।

लकसर विधायक हाजी शहजाद ने विधानसभा सत्र के दौरान लक्सर विधानसभा क्षेत्र के किसानों के गन्ना बकाया के अलावा गाने के मूल्य व अन्य नुकसान की भरपाई हेतु जोर-शोर से उठाया तो क्षेत्र के विकास की बाबत भी सरकार में से मांग रखी ।इस बार फिर सदन में पीडब्ल्यूडी व सिंचाई मंत्री सतपाल महाराज ने लादपुर कला के पुल के जल्द निर्माण का आश्वासन दिया है उन्होंने कहा है कि सिंचाई विभाग व पीडब्ल्यूडी मिलकर लातपुर कल वाले पुल का जल निर्माण कार्य शुरू करवायेगी । शहजाद विधायक ने कहा कि वह अपने विधानसभा क्षेत्र के बुनियादी विकास व समस्याओं को लेकर लगातार सदन में उठाते रहे हैं और सरकार से मांग करते रहे हैंऔर वह आगे भी पूरी ईमानदारी जिम्मेदारी के साथ अपने क्षेत्र के बुनियादी विकासआम गरीब किसान लोगों की समस्याओं को हर स्तर पर उठाते रहेंगे और उन्हें हल करने का ईमानदारी से प्रयास करते रहेंगे ।

लंढौरा में 426 लोगों पर है जल संस्थान का डेढ़ करोड़ रुपये बकाया

31 मार्च तक बकाया बिल जमा न करने पर कटेंगे कनेक्शन

शाह टाइम्स संवाददाता

लंढौरा। कस्बे में जल संस्थान के 426 उपभोक्ताओं पर विभाग का करीब डेढ़ करोड़ रुपए बकाया है। जल संस्थान द्वारा ऐसे बड़े बकायादारों को अंतिम अवसर देते हुए 31 मार्च तक बकाया राशि पर लगे ब्याज में छूट दी जा रही है। साथ ही विभागीय अधिकारी बिल जमा न करने वाले उपभोक्ताओं के कनेक्शन काटने के साथ साथ उनके खिलाफ कानूनी कार्रवाई की बात भी कह रहे हैं।

लंढौरा में जल संस्थान द्वारा साल 1984 में लंढौरा नगर पंचायत कार्यालय परिसर में पानी की टंकी का निर्माण कराया था। कस्बे के लोगों को पीने का पानी उपलब्ध कराने के लिए तीन नलकूपों भी निर्माण किया गया है। जिनसे कस्बे के 1150 पेयजल उपभोक्ताओं को कनेक्शन

दिया हुआ है। जल संस्थान के अवर अभियंता दीपक भट्ट ने बताया कि लंढौरा कस्बे के 426 उपभोक्ताओं के ऊपर लगभग 14405739 (एक करोड़ चालीस लाख पांच हजार सात सौ उंतालीस रुपए) बिल बकाया है। उन्होंने बताया कि लगातार बकाया बिल जमा करने के लिए उपभोक्ताओं को कहा जाता है। लेकिन उसके बाद भी उपभोक्ताओं द्वारा बिल जमा नहीं कराए जा रहे हैं। उन्होंने बताया कि अभी पिछले दिनों शासनादेश जारी हुआ है कि जिन उपभोक्ताओं का बिल रुका हुआ है। उस उपभोक्ता से सरकार द्वारा जुर्माना नहीं वसूला जाएगा। दीपक भट्ट ने बताया कि उपभोक्ताओं को चाहिए कि वह जल्द से जल्द मार्च के महीने में अपना बकाया बिल जमा कर दे, अगर उपभोक्ताओं द्वारा सरकार द्वारा दी गई छूट के दौरान भी बिल जमा नहीं किया जाता है तो उसके बाद उपभोक्ताओं को नोटिस जारी कर उनके पानी के कनेक्शन काटे जाएंगे। साथ ही बिल वसूली के लिए आरसी जारी कर कानूनी कार्रवाई भी की जाएगी।

सपा नेता ने बोला यूपी भाजपा के नेताओं पर हमला

संवैधानिक पदों पर बैठे लोग कर रहे बांटने की राजनीति: समीर

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। समाजवादी पार्टी के नेता समीर आलम ने बोला योगी अदित्यनाथ और खुश्बों पांडे पर हमला उन्होंने कहा कि कुछ लोग भारत की गंगा जमुना तहजीब को खघ्त्म करना चाहते हैं ऐसे लोगो को हौसला उन लागों से मिलता है जो आज संवैधानिक पदों पर बैठे हैं जैसे उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने विधानसभा के अंदर मुसलमानों के लिए हाँ बेहद अफसोस जनक शब्दों का प्रयोग किया उन्होंने विधानसभा के अंदर मुसलमानों कठमुल्ला बोला आगे बोलते हुए उन्होंने कहा कि क्या तुम मदरसे खोलकर वहाँ से बच्चों को मौलवी बनाना चाहते हो मैं योगी को को कहना चाहता हूँ कि देश के अंदर बहुत से मंदिरों में संस्कृत पढ़ाई जाने के बाद मंदिरों से बहुत विद्वान पंडित निकलते हैं या बनते हैं । आगे चलकर लोगों को धर्म के बारे में

बताते हैं मानवता के बारे में बताते हैं और धर्म की अच्छाइयों के बारे मे में बताते हैं ऐसे ही मदरसों से भी मौलवी उर्दू सीखते हैं और अपने धर्म की सही जानकारी लेकर वो अपने धर्म को मानने वाले लोगों से अच्छाई और सच्चाई के रास्ते पर चलने के लिए बताते हैं और बताते हैं कि मानवता ही सबसे बड़ा धर्म है और बुरे लोगों का इस्लाम से कोई ताल्लुक नहीं यही हिंदू धर्म के गुरु कहते हैं लोकतांत्रिक देश में सबको हकघ् है कि वे अपने धर्मों को अपने रीति रिवाज के हिसाब से मानें जो समाज में द्वेष फैलता है वो योगी हो ही नहीं सकता जो समाज में नफरत फैलाता है वो मोलवी हो ही नहीं सकता और न ही हमें ऐसे योगी और मौलवी की जरूरत है जो दो धर्मो के शांति

समाजवादी पार्टी इसकी निंदा कर ती है कि समाजवादी पार्टी ध र्म जाति मजहब की राजनीति नहीं करती समाजवादी पार्टी शिक्षा की बात करती है समाजवादी पार्टी सरकार में बच्चों को लैपटॉप वितरण किया गया था और इतने एडवांस टेक्नोलॉजी के लैपटॉप उनको दिए गए थे जो आज भी चल रहे हैं योगी आदित्यनाथ के वार्ड में भी बोहोत बच्चे ऐसे होंगे जिनके हाथों में समाजवादी पार्टी के द्वारा दिए गए लैपटॉप होंगे समाजवादी पार्टी ये माँग करती है योगी सरकार को तत्काल प्रभाव से बर्खास्त करें ।

स्मार्ट मीटर से आमजन पर बढ़ेगा बिजली का बोझ : तबरेज आलम

लंढौरा। बुक्कनपुर के पूर्व प्रधान व समाजसेवी तबरेज आलम ने कहा कि राज्य सरकार पहले से ही महंगाई की मार झेल रही जनता पर स्मार्ट मीटर के नाम पर बिजली का बोझ लादने की तैयारी कर रही है। ऐसी क्या स्थिति बनीं कि दो साल के अंदर फिर से इलेक्ट्रानिक मीटर हटाने पड़ रहे हैं। समाजसेवी व बुक्कनपुर के पूर्व ग्राम प्रधान तबरेज आलम ने प्रेस की जारी विज्ञप्ति में कहा कि सरकार जनता की सुविधा के लिए चुनी जाती है। न कि किसी व्यापारी को लाभ पहुंचाने के लिए। ऐसी क्या स्थिति बनीं कि दो साल के अंदर फिर से इलेक्ट्रानिक मीटर हटाने पड़ रहे हैं। सरकार फिलहाल लोगों का भरोसा जीतने की कोशिश में सरकारी भवनों में स्मार्ट मीटर लगाने की बात कर रही है। जाहिर है उनका बिल सरकार के खजाने से भरा जाएगा। वह बिल कम आए या ज्यादा, उससे कोई फर्क पड़ने वाला नहीं है। सरकारी अफसरों के घरों का बिल हो या मंत्री या संतरी के घर का बिजली का बिल हो, उसका भुगतान तो सरकार करेगी। लोगों को भरोसा एक ही स्थिति में हो सकता है जब दुनिया की सबसे बड़ी पार्टी का हर कार्यकर्ता बोले कि पहले हमारे घर पर स्मार्ट प्रीपेड बिजली मीटर लगाया जाए ऐसा नहीं होता तो उत्तराखंड सरकार ने पूर्व विधायकों की पेंशन 40 हजार रुपए से बढ़ा कर 60 हजार रुपए नहीं करती।

छात्रों ने दर्शक दीर्घा में बैठकर देखी विस सत्र की कार्यवाही

सूचना उपनिदेशक मनोज ने छात्रों को विस्तार से दी कार्यवाही की जानकारी

शाह टाइम्स संवाददाता

कलियर/धनौरी। कॉलेज के छात्र-छात्राओं ने शुक्रवार को देहरादून में विधानसभा की कार्यवाही देखी। इस दौरान सूचना उपनिदेशक मनोज श्रीवास्तव ने कार्रवाई की बाबत छात्रों को विस्तार से जानकारी दी। छात्रों का पक्ष विपक्ष को वाद प्रतिवाद करते देखना अलग तरह का अनुभव रहा। उच्च शिक्षा मंत्री से मिलकर छात्र छात्राएं खुश दिखाई दिए।

धनौरी क्षेत्र के कॉलेज की ओर से शैक्षिक भ्रमण का आयोजन किया गया। महाविद्यालय प्रबंध समिति की अध्यक्ष व उप प्राचार्य ने हरी झंडी दिखाकर छात्र-छात्राओं को देहरादून के लिए रवाना किया। संयोजक डॉ. निशा रानी के नेतृत्व में छात्र-छात्राओं और प्राध्यापकों का 20 सदस्य दल विधानसभा की कार्यवाही देखने के लिए देहरादून पहुंचा। छात्र छात्राओं ने दर्शक दीर्घा में बैठकर विधानसभा सत्र की कार्यवाही देखी। सत्र की कार्यवाही देखने के बाद भोजनावकाश में छात्र-छात्राओं ने उच्च शिक्षा

मंत्री डॉ. धन सिंह रावत से मुलाकात की। छात्र-छात्राओं ने विभागीय मंत्री को महाविद्यालय आने के लिए आमंत्रित किया। छात्र-छात्राओं ने अपने जनपद सहित कई विध ायकों के अलावा उच्च शिक्षा विभाग के संयुक्त निदेशक डॉ एएस उनियाल से भी मुलाकात की। सूचना विभाग के उपनिदेशक मनोज श्रीवास्तव ने छात्र-छात्राओं को विध ानसभा की कार्यवाही के बारे में अवगत कराया। इस अवसर पर डॉ. निशा रानी, डॉ अंजु शर्मा, डॉ भूपेंद्र सिंह, डॉ अंजलि राठौर आदि उपस्थित रहे।

रुड़की ब्लॉक दिव्यांग शिविर में 17 को मिले प्रमाण पत्र

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। खंड विकास कार्यालय में समाज कल्याण विभाग द्वारा संचालित योजनाओं के प्रचार प्रसार और दिव्यांजनो के प्रमाण पत्र बनाने के लिए एक शिविर का आयोजन किया गया जिसमें 53 दिव्यांजनो के पंजीकरण हुए जिसके चलते सरकारी अस्पताल से पहुंचे चिकित्सकों की टीम ने 17 दिव्यागों के प्रमाण पत्र शिविर में ही जारी कर दिए गए। शिविर में सहायक समाज कल्याण अधि कारी संध्या शर्मा द्वारा विभागीय योजनाओं की विस्तार से जानकारी दी गई उन्होंने कहा कि समाज कल्याण विभाग लगातार विभागीय योजनाओं का लाभ गांव गांव और लाभार्थियों तक पहुंचा रहा है संध्या शर्मा ने कहा कि विधवा पेंशन, वृद्ध पेंशन,दिव्यांग पेंशन और किसान पेंशन जैसी महत्वपूर्ण योजनाओं का लाभ भी आम आदमी तक पहुंच रहा है वहीं अन्य योजनाओं की जानकारी भी उनके द्वारा दी गई।इस मौके पर सहायक खंड विकास अधिकारी के के कर्णपाल द्वारा ग्राम विकास

विभाग की भी जानकारी दी गई।शिविर में जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की टीम भी पहुंची थी। इस मौके पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र की टीम और स्वास्थ्य विभाग से डॉक्टर्स की टीम भी इस कैंप में शामिल रही।इस मौके पर जिला दिव्यांग पुनर्वास केंद्र से प्रबंधक तनवीर आलम, अंजली सैनी,आसिफ,शकील और स्वास्थ्य विभाग से आर्थो डॉ सतीश,डॉ सुब्रत अरोड़ा,डॉ धीरेन्द्र नेगी,सुनील यादव,और विजय शर्मा आदि मुख्य रूप से शामिल रहे।

लोजमो ने रुड़की को जिला बनाने को व्यापार मंडल व सर्राफा व्यापार से मांगा समर्थन

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की। लोकतांत्रिक जनमोर्चा रुड़की के रुड़की जिला बनाने की मुहिम को लेकर 23 फरवरी को होने वाले विशाल धरना प्रदर्शन में महानगर व्यापार प्रतिनिधि मंडल एवं देवभूमि सर्राफा एसोसिएशन रुड़की ने भी लोजमो संयोजक सुभाष सैनी को अपना समर्थन देकर प्रदर्शन में बढ़ चढ़कर भाग लेने का भरोसा दिलाया है।

मोर्चा संयोजक सुभाष सैनी ने बताया कि रुड़की जिला बनाने की दो दशक से शुरू की गई मुहिम को सभी वर्गों के साथ विशेष रूप से व्यापारियों का समर्थन अनवरत मिलता आ रहा है । व्यापारियों ने लोजमो रुड़की के आह्वान पर इस मांग के समर्थन में कई बार ष्रुड़की बंदष् में भी अपनी दुकानें बंद समर्थन दिया है उन्होंने कहा कि रुड़की जिला बनाने की मांग को लेकर 23 फरवरी को शहीद चंद्रशेखर चौक पर किए जाने वाले विशाल धरना प्रदर्शन में विभिन्न संगठनों का समर्थन मिल चुका है। इसी कड़ी में आज प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल रुड़की ने भी समर्थन पत्र सौंपा है इसके साथ ही साथ देवभूमि सर्राफा एसोसिएशन रुड़की के पदाधिकारीयों ने भी मोर्चा संयोजक को समर्थन पत्र सौंपकर धरना प्रदर्शन में हिस्सा लेने का विश्वास दिलाया है। इस मौके पर प्रांतीय उद्योग व्यापार प्रतिनिधि मंडल के महानगर अध्यक्ष अरविंद कश्यप, महानगर महामंत्री कमल चावला, प्रांतीय संगठन मंत्री प्रवीण मेहंदीरता ,युवा व्यापारी नेता ओम वाधवा, युवा नेता हेमंत जुल्का, विमल कुमार व शशांक वर्मा शामिल रहे जबकि देवभूमि सर्राफा एसोसिएशन रुड़की के अध्यक्ष विनोद सोनी, महामंत्री अमित वर्मा, कोषाध्यक्ष अजय वर्मा, सचिव प्रमोद वर्मा, मोहित सोनी व अमित वर्मा शामिल रहे।

एआरटीओ के चेकिंग अभियान से वाहन स्वामियों में मची खलबली

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। एआरटीओ के द्वारा लक्सर बालावली रायसी रोड पर चेकिंग अभियान चालाया है जिससे अवैध रूप से वाहन चलाने वालों में खलबली मच गई है ।

एआरटीओ के द्वारा बताया गया कि पैदल कावड़ यात्रा चल रही है उन्होंने कहा किसी तरह की शिव भक्तों को कोई परेशानी ना हो उसके लिए चेकिंग की जा रही है उन्होंने यह भी कहा कि छह वाहनों के चालान किए गए हैं जिनमें से एक वाहन लक्सर कोतवाली में भेज दिया गया है उन्होंने कहा सड़क सुरक्षा सप्ताह के तहत भी हमने कई स्कूलों में गांव में मीटिंग कर स्कूली बच्चे छात्र-छात्राओं एवं ग्रामीणों को बताया है कि आप सभी हेलमेट लेकर गाड़ी चलाएं और अपने आप को सुरक्षित रखें उन्होंने कहा सभी को चाहिए कि अपनी गाड़ी के कागज पूर्ण कर ले जिससे कोई किसी भी किस्म की परेशानी उनको ना हो उन्होंने कहा कि हमारा फोकस नोटिफाई साइलेंसर बगैर नंबर प्लेट की गाड़ियों पर ज्यादा रहता है उन्होंने कहा कोई भी अपने नाबालिक बच्चे पर गाड़ी ना चलवाए अन्यथा नाबालिक बच्चों के परिजनों पर भी नियम अनुसार कार्यवाही की जाती है।

रुड़की विकासखंड के भारापुर में जनता दरबार लगाकर जिलाधिकारी ने सुनी जन समस्याएं

जन समस्याओं का गंभीरता से निस्तारण करें अधिकारी: डीएम

शाह टाइम्स संवाददाता

रुड़की/भारापुर। मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी की प्राथमिकताओं में शामिल सरकार जनता के द्वार कार्यक्रम के अंतर्गत जिलाधिकारी कर्मेंद्र सिंह ने राजकीय प्राथमिक विद्यालय भारापुर,विकास खंड रुड़की में जनता दरबार लगाकर क्षेत्र की समस्याएं सुनी।

जनता दरबार में जमीन कब्जा मुक्त कराने, राशन कार्ड बनवाये जाने, सड़क मरम्मत एवं पेंशन आदि से सम्बन्धित कुल 33 शिकायतें एवं मांग प्राप्त हुई, जिसमें से अधिकांश समस्याओं का मौके पर ही निस्तारण किया गया। ग्राम प्रधान कविता रानी ने जिलाधिकारी को बुके देकर स्वागत किया। ग्रामवासियों ने समस्या बताई कि बरसात होने से रतमऊ नदी से बाढ़ आ जाती है, बाढ़ रोकने हेतु तटबन्ध बनाया जाये जिस पर जिलाधिकारी ने

सिंचाई विभाग को निरीक्षण कर तटबंध बनाने हेतु निर्देश दिये तथा सिंचाई विभाग द्वारा तटबंध के लिए शासन में प्रस्ताव भेजा जाने को बताया गया । सोनू पुत्र शहीद और रशीद पुत्र मुनसाब ने विगलांग पात्रता के द्वारा बैटरी रिक्शा की मांग की जिसपर जिलाधिकारी ने पात्र व्यक्तियों को रिक्शा दिलवाने के निर्देश जिला समाज कल्याण अधिकारी को दिये। अकबर पुत्र नजीर ने अपने खेत में बिजली की तार ओर रविदास मंदिर से कला के घर तक बिजली की तार बहुत नीचे होने की शिकायत की, जिस पर जिलाधिकारी ने जांच करने के निर्देश सम्बन्धित विभाग के अधिकारियों को दिये। असलम ने भारापुर गांव के पानी की निकासी के लिए नाकार निर्माण की मांग की साथ ही हाइवे से बाईपास रोड की मांग जिसपर जिलाधिकारी ने पीडब्लूडी विभाग को निर्देशित किया। उप प्रधान मोहम्मद अली शेर ने रतमऊ नदी पर पुल बनवाने को लेकर जिलाधिकारी को ज्ञापन दिया।

महबूब ने नदी से किसानों के खेत की कटान होने की शिकायत की जिसपर जिलाधिकारी ने सिंचाई विभाग को जांच करने के निर्देश दिए। ग्रामवासियों ने गांव में वाल्मीकि समाज का मंदिर बनवाने को लेकर मांग की जिसपर जिलाधिकारी ने जमीन के लिए प्रस्ताव होने की बात कही। महिलाओ द्वारा गांव में नशे के खिलाफ कारवाई करवाने को लेकर शिकायत की जिसपर पुलिस विभाग को करवाई करने के निर्देश दिए साथ ही 15 दिन के अंदर करवाई करे और रिपोर्ट दे। जिलाधिकारी ने कुछ व्यक्तियों की मांग पर सीएमओ को गांव में चिकित्सा के लिए मोबाइल वैन उपलब्ध करवाने के निर्देश दिए साथ ही कैंप भी लगवाने के निर्देश दिए। शाहनूर ने राशन कार्ड से नाम कटने की शिकायत की जिसपर जिलाधिकारी ने डीएसओ को जांच करने की निर्देश दिए। जमील निवासी भरपूर ने चक रोड को कब्जा मुक्त करवाने को लेकर शिकायत की जिसपर पटवारी को जांच करने के निर्देष दिए। जिलाधिकारी ने वीडीओ, वीपीडीओ तथा लेखपाल की क्षेत्र में उपस्थिति के बारे में भी जानकारी ली।बैठक में ज्वॉइंट मजिस्ट्रेट आशीष मिश्रा,परियोजना निदेशक केएन तिवारी, विकास अधिकारी वेद प्रकाश, मुख्य चिकित्साधिकारी डॉ.आरके सिंह, उप जिलाधिकारी प्रेमलाल, मुख्य वेयक्तिक अधिकारी सुदेश कुमार, जिला समाज कल्याण अधिकारी टीआर मलेठा, जिला क्रीडाधिकारी शबाली गुरूंग, डीएसओ तेजबल, ड़ीपीआरओ अतुल प्रताप सिंह आदि उपस्थित थे।

लक्सर पालिका चेयरमैन ने मुख्य तिराहे शिव चौक का किया निरीक्षण

शाह टाइम्स संवाददाता

लक्सर। नगर पालिका परिषद अध्यक्ष संजीव कुमार ने अधिशासी अधिकारी मोहम्मद कामिल के साथ शिव चौक तिराहे का निरीक्षण किया है नगर पालिका परिषद लक्सर अध्यक्ष संजीव कुमार ने कहा कि शिव चौक पर स्थित शिव मूर्ति पर पानी के फुहार पानी के फव्वारा बंद पड़ा हुआ है जिसको तत्काल चालू करने तथा लाइट व्यवस्था सफाई व्यवस्था एवं सौंदर्य करण का कार्य कराया जाने के लिए अधि शासी अधिकारी मोहम्मद कामिल को आदेश दिए गए हैं उन्होंने यह भी कहा कि नगर पालिका परिषद लक्सर में जो भी जनहित विकास के मुद्दे होंगे उनको प्राथमिकता के आधार पर किया जाएगा किसी को भी विकास के बारे में निराश नहीं किया जाएगा वही अधिशासी अधि कारी मोहम्मद कामिल के द्वारा बताया गया कि नगर पालिका परिषद लक्सर अध्यक्ष द्वारा जो भी कार्य करने के आदेश दिए गए हैं उनको बहुत जल्द कर दिया जाएगा उन्होंने यह भी कहा कि जो विकास के मुद्दे अटके हुए हैं उनको भी अध्यक्ष की अनुमति से बहुत जल्द करने की कोशिश की जाएगी वहां पर जो मुख्य रूप से शामिल रहे उनमें नगर पालिका अध्यक्ष संजीव कुमार अधिशासी अधिकारी मोहम्मद कामिल मोहम्मद गुलशनव्वर आदेश पवार अश्वनी कुमार अजय नारायण खाती रविंद्र सफाई नायक लोकेश कुमार माजिद अली सुरेंद्र कुमार लक्ष्मण सिंह मोनू चौहान आदि मौजूद रहे।

सम्पादकीय

शनिवार, 22 फरवरी 2025

रेखा की लक्ष्मण रेखाएं

सियासी परम्परों पर चलते हुए दिल्ली में मुख्यमंत्री पद की शपथ लेने के एक दिन बाद सीएम रेखा गुप्ता ने पूर्व सीएम आतिशी और उनके मंत्रियों के पर्सनल स्टाफ को हटा दिया है। इतना ही नहीं आतिशी सरकार ने जिन अधिकारियों- कर्मचारियों को दूसरी जगह नियुक्त किया था, उन्हें फौरन अपने मूल विभाग में रिपोर्ट करने का आदेश दिया गया है। राजनीति में सब कुछ जायाज वाली कहावत पर गौर करते हुए इस पर ज्यादा टीकर-टिप्पणी ठीक नहीं, यह भी ठीक है कि दिल्ली को संपन्न, विकसित, आत्मनिर्भर बनाकर राज्य की जनता की आकांक्षाओं को पूरा करने का संकल्प जताया। वे सुषमा स्वराज, शीला दीक्षित व आतिशी के बाद चौथी महिला मुख्यमंत्री बनी हैं। निस्संदेह, हाल के वर्षों में महिला वोटरों ने राजनीतिक परिदृश्य बदलने में निर्णायक भूमिका निभाई है। फलत: राजनीतिक दलों ने महिला मतदाताओं को लुभाने के लिये लुभावनी योजनाएं घोषित की हैं। ऐसी योजनाओं का असर मध्य प्रदेश, महाराष्ट्र व झारखंड के हालिया चुनावों में देखने को भी मिला है। ऐसे में रेखा गुप्ता को मुख्यमंत्री बनाकर भाजपा ने महिला मतदाताओं को यह संदेश देने का प्रयास भी किया है कि महिलाएं उसकी राजनीतिक प्राथमिकताओं में शामिल हैं। विधानसभा चुनाव में भी भाजपा ने महिलाओं को हर माह पच्चीस सौ रुपये देने का वायदा इसी मकसद से किया था। वैसे ऐसी ही घोषणाएं कांग्रेस व आप ने भी की थी। उल्लेखनीय तथ्य है कि भाजपा शासित राज्यों व केंद्रशासित प्रदेशों में रेखा गुप्ता पहली महिला मुख्यमंत्री हैं। वहीं दूसरी ओर एक बार उनके चयन से भाजपा ने फिर साबित किया कि संघ व उसके आनुषंगिक संगठनों से आए नेताओं को ही शीर्ष पदों के चयन में वरीयता दी जाती है। वहीं रेखा गुप्ता इस मायने में भाग्यशाली हैं कि वे पहली बार विधायक बनने के बावजूद मुख्यमंत्री का ताज हासिल करने में सफल रही हैं। हालांकि, वह भाजपा के विभिन्न संगठनों में पिछले तीन दशकों से सक्रिय रही हैं और तीन बार दिल्ली नगर निगम पार्षद भी रही हैं। हालांकि, इससे पहले दिल्ली के पूर्व मुख्यमंत्री साहिब सिंह वर्मा के पुत्र प्रवेश वर्मा को मुख्यमंत्री बनाए जाने को लेकर खूब चर्चा रही। इसकी वजह उनकी राजनीतिक विरासत के अलावा, उनका आप सुप्रीमो अरविंद केजरीवाल को हराना भी था। जनता ने भी उन्हें पूर्व मुख्यमंत्री की टक्कर का मानकर जिताया। कयास लगाये जा रहे थे कि कई कारणों से नाराज जाट समुदाय को मनाने की कोशिश में उन्हें यह पद मिल सकता है। लेकिन जैसा कि भाजपा की रणनीति रही है, वह राजनीति में परिवारवाद के तमगे से बचने का प्रयास करती रही है। राष्ट्रीय स्तर पर परिवारवाद का विरोध भाजपा का मुख्य एजेंडा भी रहा है। कुछ विवाद भी प्रवेश वर्मा की बयानबाजी को लेकर रहे हैं। वहीं दूसरी ओर राजनीतिक मर्यादा को लांघने वाले रेखा गुप्ता के पुराने ट्वीट भी सोशल मीडिया पर खासे वायरल हो रहे हैं। वैसे तो भाजपा कह सकती है कि डबल इंजन की सरकार दिल्ली के विकास को नई दिशा देगी, लेकिन नई मुख्यमंत्री को आप सरकार के शैक्षिक सुधारों, मुफ्त बिजली-पानी, मोहल्ला क्लीनिक व अन्य लोककल्याण के कार्यक्रमों के बड़े विकल्प देने होंगे। दिल्ली की जनता लगातार प्रदूषण, जल भराव, विकास, कूड़े के ढेरों तथा ट्रैफिक जाम की समस्या से जूझ रही है। पूर्व मुख्य मंत्रियों व एलजी से टकराव के चलते दिल्ली के विकास की गति थम सी गई थी। एक महिला मुख्यमंत्री होने के नाते उन्हें बेटियों की सुरक्षा की अतिरिक्त जिम्मेदारी निभानी होगी, ताकि फिर दिल्ली में निर्भया कांड जैसे हादसे न हों। वहीं चुनाव के दौरान भाजपा के प्रमुख एजेंडे में शामिल रही यमुना की सफाई को भी उन्हें अपनी प्राथमिकता बनानी होगी। वहीं उन्हें ध्यान रखना होगा कि भले की आम आदमी पार्टी सत्ता से बाहर हुई हो,लेकिन अच्छे-खासे विधायकों के साथ वह एक मजबूत प्रतिरोधी विपक्ष के रूप में विधानसभा में मौजूद है। दिल्ली के सियासी तापमान के दृष्टिगत सीएम रेखा गुप्ता को भी अपनी सीमाएं/लक्ष्मण रेखाएं तय करनी होंगी। विपक्ष उनके अनुभव हीन होने का फायदा उठाने की फिराक में लगा रहेगा।

कांग्रेस की बदौलत दिल्ली में भाजपा सत्ता में आई

कांग्रेस के वरिष्ठ सांसद और लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गाधी को बसपा पर उंगुली उठाने से पहले अपने गिरेबान में झांक कर देख लेना चाहिए था, दिल्ली विधानसभा चुनाव में कांग्रेस भाजपा की बी टीम बन कर चुनाव मैदान पर उतरी, जिसके कारण भाजपा को दिल्ली की सत्ता में आने का मौका मिला, यह आम चर्चा है, जिसके कारण यहां बीजेपी सत्ता में आ गई है, वरना इस चुनाव में कांग्रेस का इतना बुरा हाल नहीं होता, यह पार्टी अपने ज्यादातर उम्मीदवारों की जमानत भी न बचा पाए, राहुल गांधी को किसी भी मामले में दूसरों पर व खासकर बीएसपी की प्रमुख पर उंगली उठाने से पहले अपने गिरेबान में भी जरूर झांक कर देखना चाहिए, यह बेहतर होगा।

मायावती
अध्यक्ष, बसपा

सर्वसमावेशी संस्कृति का प्रतीक महाकुंभ

यदि आप भारत के गांव-कस्बों से गुजरें तो ऐसे असंख्य लोग मिल जाएंगे, जो प्रात: स्नान करते समय 'गंगे च यमुने चौव गोदावरी सरस्वती। नर्मदे सिंधु कावेरी जले स्मिन संनिधि कुरु।। का मंत्रोच्चार कर रहे होंगे। इस मंत्र का अर्थ है-हे यमुना, गोदावरी, सरस्वती, नर्मदा, सिंधु, और कावेरी हमारे जल में उपस्थित होकर इसे पवित्र करो। स्नान के नित्यकर्म में राष्ट्र की सभी पवित्र नदियों का आह्वान यह बताता है कि भारतभूमि के लोगों की नदियों के प्रति कितनी गहरी श्रद्धा है।

विश्व की लगभग सभी सभ्यताओं का जन्म नदी तटों पर हुआ है, लेकिन भारत तो नदी संस्कृति का ही देश है। उत्तर में सिंधु से लेकर दक्षिण में कृष्णा-कावेरी तक और पूर्व में ब्रहमपुत्र से लेकर पश्चिम में नर्मदा तक भारत की ये पुण्य सलिलाएं अनंतकाल से कोटि-कोटि भारतवासियों के जीवन का उद्धार करती रही हैं। ये नदियां मां की तरह ही हमारा भरण-पोषण करती हैं। हम जब भी समस्याओं में उलझे होते हैं तो इन नदी रूपी माताओं के निकट आकर शांति की तलाश करते हैं और अपनी इहलौकिक यात्रा को समाप्त कर पारलौकिक यात्रा के लिए भी इन्हीं नदियों की गोद में पहुंचते हैं। इन नदियों का न केवल हमारे धार्मिक-आध्यात्मिक जीवन में विलक्षण महत्व है, अपितु ये सामाजिक, आर्थिक, वैज्ञानिक तथा अन्य कई रूप से भी सहायक मानी जाती हैं।

यही कारण है कि हमारे धार्मिक ग्रंथों में नदियों को माता का दर्जा दिया गया है। ऋग्वेद के नदी सूक्त से लेकर आधुनिक साहित्य तक, नदियों की महिमा को व्यापक रूप से दर्शाया गया है। महाभारत, मत्स्य पुराण, ब्रह्म पुराण और कालिदास के ग्रंथों में भी नदियों की पवित्रता को रेखांकित किया गया है। कुंभ महापर्व, नदियों के महात्म्य का ही महापर्व है, जो विविधतता में एकता प्रदर्शित करने में केंद्रीय भूमिका निभाता है। कुंभ मेला भारत की सांस्कृतिक एवं आध्यात्मिक परंपराओं का सबसे बड़ा पर्व है। यह महापर्व खगोल विज्ञान, आध्यात्मिकता, कर्मकांड की परंपराओं और सामाजिक तथा सांस्कृतिक ज्ञान-विज्ञान की बहुवर्णीयता से सभी को आकर्षित करता है।

अथर्ववेद में उल्लेख मिलता है कि भगवान ब्रह्मा ने हरिद्वार, प्रयागराज, उज्जैन और नासिक चार कुंभ स्थापित किए, जिससे यह आयोजन पवित्र माना जाता है। स्कंद पुराण में कुंभ योग बताते हुए कहा गया है 'मेषराशिगंते जीवे मकरे चन्द्र भास्करी। अमावास्या तदा योग: कुम्भाख्यस्तीर्थनायके।। 'अर्थात' जिस समय बृहस्पति मेष राशि पर स्थित हो तथा चंद्रमा और सूर्य मकर राशि पर हों तो उस समय तीर्थराज प्रयाग में कुंभ-योग होता है।

विश्व की लगभग सभी सभ्यताओं का जन्म नदी तटों पर हुआ है, लेकिन भारत तो नदी संस्कृति का ही देश है, उत्तर में सिंधु से लेकर दक्षिण में कृष्णा-कावेरी तक और पूर्व में ब्रहमपुत्र से लेकर पश्चिम में नर्मदा तक भारत की ये पुण्य सलिलाएं अनंतकाल से कोटि-कोटि भारतवासियों के जीवन का उद्धार करती रही हैं ये नदियां मां की तरह ही हमारा भरण-पोषण करती हैं

कुंभ का आयोजन समाज, धर्म और संस्कृति के समन्वय का प्रतीक है। इसमें प्रमुख अखाड़ों के संत, महात्मा और नागा संन्यासी संसार के संपूर्ण कष्टों के निवारण हेतु तथा समाज, राष्ट्र, और धर्म आदि के कल्याण के लिए अमूल्य दिव्य उपदेश प्रदान करते हैं। प्रयाग में कुंभ के तीन प्रमुख स्नान होते हैं। मकर संक्रांति, मौनी अमावस्या और वसंत पंचमी पर। इन तीनों स्नानों में सर्वप्रथम स्नान निर्वाणी अखाड़े का, द्वितीय स्नान निरंजनी अखाडे का और तृतीय स्नान जूना अखाड़े का होता है। इसके पश्चात् समस्त संप्रदाय के लोगों का होता है। कुंभ-पर्व की प्राचीनता के संबंध में तो किसी संदेह कीआवश्यकता ही नहीं, किंतु यह बात अवश्य महत्त्वपूर्ण है कि कुंभ मेले का धार्मिक रूप में श्रीगणेश किसने किया ? विद्वानों ने यह सिद्ध किया है कि कुंभ मेले के प्रवर्तक आदि शंकराचार्य हैं। उन्होंने कुंभ-पर्व के प्रचार की व्यवस्था धार्मिक संस्कृति को सुदृढ़ रखने के लिए तथा जगत कल्याण की दृष्टि से की थी। उन्हीं के आदर्शानुसार आज भी कुंभपर्व के

गजेंद्र सिंह शेखावत

चारों सुप्रसिद्ध तीर्थों में सभी संप्रदाय के साधु-महात्मागण देश-काल-परिस्थिति अनुरूप लोककल्याण की दृष्टि से धर्म-रक्षार्थ धर्म का प्रचार करते हैं, जिससे सर्वजन कल्याण होता है।

कुंभ का इतिहास कान्यकुब्ज के शासक सम्राट हर्षवर्धन के साथ भी जुड़ा है। हर्षवर्धन कुंभ के अवसर पर प्रयाग में ही रहकर सर्वधर्म सम्मेलन का आयोजन करते और सभी मतावलंबियों के विचार सुनते थे। धार्मिक सहिष्णुता के साथ-साथ महाराज हर्षवर्धन इस अवसर पर अपनी दानशीलता का भी परिचय देते थे। चीनी यात्री वेनसांग के यात्रा विवरण के अनुसार कुंभ में वह अपना सर्वस्व मुक्तहस्त से दान कर देते थे। सम्राट हर्षवर्धन ने अपना समूचा कोष प्रयाग कुंभ के अवसर पर दान कर दिया। जब दान के लिए कुछ और शेष नहीं रहा, तब उन्होंने अपने वस्त्राभूषण तथा मुकुट तक उतार कर दे दिए। जब शरीर पर वस्त्र भी नहीं बचे तो उनकी बहन राज्यश्री ने उन्हें पहनने के लिए वस्त्र दिए। महाराज हर्षवर्धन के त्याग और दान की यह प्रेरक परंपरा कुंभ में अब तक अक्षुण्ण चली आ रही है।

कुंभ केवल धार्मिक आयोजन नहीं, बल्कि इसका वैज्ञानिक और ज्योतिषीय पक्ष भी महत्त्वपूर्ण है। जब सूर्य मकर राशि में और गुरु कुंभ राशि में होते हैं, तब स्नान करने से व्यक्ति के मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। संगम के जल में प्राकृतिक खनिज और औषधीय गुण होते हैं, जिससे यह स्नान शरीर की शुद्धि का माध्यम बनता है।

करोड़ों की संख्या में श्रद्धालुओं के आने के बावजूद यहां आधुनिक तकनीक के प्रयोग और कुशल प्रबंधन ने कुंभ मेले को विश्व का सबसे बड़ा और व्यवस्थित आयोजन बना दिया है। स्वच्छता, सुरक्षा और सुविधा का ऐसा संगम शायद ही कहीं और देखने को मिले। सरकार और प्रशासन ने इसे पर्यावरण अनुकूल बनाने के लिए विशेष प्रयास किए हैं, जिससे यह आयोजन न केवल धार्मिक, बल्कि सामाजिक और पर्यावरणीय संदेश भी देता है।

हाई बीपी की समस्या को कंट्रोल करने के लिए करें ये वर्कआउट

आज के समय में ज्यादातर लोगों को हाई बीपी की समस्या रहती है। इसलिए ऐसे लोगों को अपनी दवा के साथ खानपान और फिजिकल फिटनेस पर भी उतना ही ध्यान देते हैं। ऐसे में आप बीपी को कंट्रोल करने के लिए डेली रूटीन में कुछ छोटे-छोटे बदलाव करते हैं। साथ ही एक्सरसाइज को रूटीन का हिस्सा बनाने से आपको बीपी कंट्रोल करने में काफी फायदा मिलता है। एक्सरसाइज से आपका दिल मजबूत होता है और ब्लड सर्कुलेशन भी इंप्रूव होता है। साथ ही एक्सरसाइज करने से तनाव कम करने में सहायता मिलती है। आप डेली रूटीन में सिंपल वॉक से लेकर लाइट स्ट्रेच तक कुछ भी कर सकते हैं।

हालांकि इस बात में कोई दोराय नहीं है कि हाई बीपी की समस्या से जूझ रहे लोगों के लिए वर्कआउट बेहद फायदेमंद है। इसलिए आपको कुछ बातों का खास ख्याल रखना चाहिए। हाई बीपी के मरीजों को वर्कआउट रूटीन में कुछ बदलाव करने की जरूरत हो सकती है। ऐसे में आज इस आर्टिकल के जरिए हम आपको बताने जा रहे हैं कि हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को वर्कआउट करते समय किन बातों का खास ख्याल रखना चाहिए।

कोर्डियो वर्कआउट...

अगर किसी व्यक्ति को हाई बीपी की समस्या है, तो आपको कार्डियो वर्कआउट करना चाहिए। इस दौरान इंटेसिटी को मॉडरेट ही रखें। आप स्विमिंग से लेकर ब्रिक्स वॉकिंग और साइकिलिंग आदि कर सकते हैं। वहीं अगर आप कार्डियो एक्सरसाइज करते हैं, तो इससे आपका ब्लड सर्कुलेशन इंप्रूव होता है और एक्स्ट्रा कैलोरी बर्न होती है। इससे आपको हेल्दी वजन बनाए रखने में सहायता मिलती है। इससे आपका ब्लड प्रेशर भी कंट्रोल में रहता है।

लाइटवेट करें स्ट्रेंथ ट्रेनिंग

बता दें कि हाई ब्लड प्रेशर के मरीजों को स्ट्रेंथ ट्रेनिंग कभी मिस नहीं करना चाहिए। इसलिए सप्ताह में 2-3 बार आप लाइटवेट के साथ स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करनी चाहिए। आप चाहें तो इसके लिए रेसिस्टेंस बैंड का इस्तेमाल कर सकते हैं। क्योंकि जब आप स्ट्रेंथ ट्रेनिंग करते हैं, तो इससे मसल्स बिल्डअप में सहायता मिलती है। साथ ही इससे मेटाबॉलिज्म बूस्ट होता है और ब्लड सर्कुलेशन में सुधार होता है। वहीं ब्लड प्रेशर को भी कंट्रोल करना आसान हो जाता है।

हाइड्रेशन का रखें ख्याल

वैसे तो हर किसी को वर्कआउट करते हुए अपने शरीर के हाइड्रेशन लेवल का ख्याल रखना चाहिए। लेकिन अगर आपको हाई बीपी की समस्या है, तो यह अधिक जरूरी हो जाता है। दरअसल, डिहाइड्रेशन से आपके दिल पर एक्स्ट्रा दबाव पड़ता है। इससे ब्लड प्रेशर बढ़ सकता है।

खरपतवारनाशी ग्लायफोसेट से शिशुओं के स्वास्थ्य को खतरा

स्रोत फीचर्स

हार्ट हेल्थ

एक हालिया अध्ययन में खरपतवारनाशी ग्लायफोसेट के बढ़ते उपयोग का सम्बंध नवजात शिशुओं के जन्म के समय कम वजन और गर्भावस्था के छोटा होने से देखा गया है। इस रसायन का खेती में खूब उपयोग होता है, खासकर अमेरिका में। यह अध्ययन ओरेगन विश्वविद्यालय के एडवर्ड रुबिन और एमेट रेनियर द्वारा प्रोसीडिंग्स ऑफ दी नेशनल एकेडमी ऑफ साइन्सेज में प्रकाशित किया गया है।

शोधकर्ताओं ने 1990 से 2013 के बीच जन्मे एक करोड़ से अधिक नवजात शिशुओं के डैटा का विश्लेषण किया और अलग-अलग जिलों में ग्लायफोसेट के इस्तेमाल की मात्रा का सम्बंध गर्भावस्था अवधि और जन्म के समय वजन से किया। पाया गया कि जिन जिलों में सोयाबीन, मक्का और कपास की जेनेटिकली मॉडिफाइड (जीएम) फसलें उगाई जाती हैं और भारी मात्रा में ग्लायफोसेट छिड़का जाता है, वहां 2005 तक नवजात शिशुओं का औसत वजन 30 ग्राम कम और गर्भावस्था की अवधि 1.5 दिन कम हो गई थी। ये प्रभाव 1996 से पहले नहीं दिखाई दिए थे क्योंकि तब जीएम फसलों का खूब उपयोग शुरू नहीं हुआ था। ग्लायफोसेट-सह फसलें आने के बाद ग्लायफोसेट का अत्यधिक उपयोग शुरू हुआ था। महज अमेरिका में हर साल यह 127000 टन से अधिक छिड़का जाता है। अमेरिकी पर्यावरण सुरक्षा एजेंसी के अनुसार ग्लायफोसेट का सावधानियों के साथ उपयोग सुरक्षित है, लेकिन कुछ शोध में इसका सम्बंध प्रजनन हार्मोन असंतुलन और अल्प गर्भावधि से देखा गया है।

शोधकर्ताओं के मुताबिक इसके आर्थिक प्रभाव भी गंभीर हैं। जन्म के समय कम वजन और छोटी गर्भावधि का सम्बंध दीर्घकालिक स्वास्थ्य समस्याओं से है, जैसे संज्ञानात्मक विकास में देरी, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली, मधुमेह व हृदय रोग। और शोधकर्ताओं का अनुमान है गर्भावधि में मामूली कमी से नवजात की देखभाल, विशेष शिक्षा, कमजोर प्रतिरक्षा प्रणाली के कारण बीमारी पर खर्च, और प्रभावित व्यक्तियों की कमाई में कमी जैसी समस्याओं से हर साल 1.1 अरब डॉलर से अधिक की हानि होती है।

साहित्यकार जब चाहता है तो सत्ताएं बदल जाती हैं

पवन सिंह

ये हेडलाइन भी लिफाफा पकड़ कवियों की जो भरी कविता जैसे लगी... चीन की चड्डी खैंच देंगे पाकिस्तान की पों निकाल देंगे। अमे. रिका भरेगा पानी अगर हम नदी नहा लेंगे। हमारे देश में कभी एक मौसम हुआ करता था जब साहित्यकार और कवि सत्ताओं के सामने अडिग और निडर होकर कलम के जरिए बात किया करते थे। अब कलम में 'राग तेलाही' की स्याही भरते हैं और सत्ता के कपाल पर कंपकंपी करते हैं। आज के साहित्यकारों और कवियों ने कलम, शब्द और आवाजों को बत्ती बनाकर उसके तैलीयपन से अपने तथाकथित ओज को जलाए रखने में महारथ हासिल कर रखी है। रही बात हेडिंग चेपने की तो इसमें कौन सी जीएसटी लगती है। दरअसल हकीकत तो ये है कि जब सत्ता चाहती है तो साहित्यकार की कलम बदल जाती है। शब्द बदल जाते हैं। शब्दावली बदल जाती है। शब्दार्थ बदल जाते हैं। भाव और अलंकार बदल जाते हैं। कलम रिरियाने लगती है। वह राग दरबारी गाने और लिखने लगती है। इसलिए सत्ताएं जब चाहती हैं तो सुर-ताल-तबला-सरंगी। सब कुछ उसके मुता. बिक ही बदल जाता है।

कौन साहित्यकार है और कौन नहीं पहले समाज तय करता था। अब साहित्यिक ठेकेदार तय करते हैं। नोएडा मीडिया के तथाकथित साहित्यिक सम्मेलन तय करते हैं। सत्ता के साथ गलबहियों का स्तर और सत्ता के साथ गांठ कितनी सालिड जुड़ी है। यह तय करता है। इसलिए मैं अपने विश्वविद्यालय के पुराने दोस्त और मौजूदा उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के उक्त कथन से कदापि सहमति व्यक्त नहीं कर सकता कि साहित्यकार जब चाहता है तो सत्ताएं बदल जाया करती हैं। वर्तमान संदर्भ में यह कथन पूर्णतया अतिशयोक्ति अलंकार से भरा हुआ है। क्योंकि अब साहित्यकार और उसकी कलम मलाई की चाल चलती है। वह मलाई निकालने के खांचे खोदती है और फिर पद, पैसा, प्रतिष्ठान और मंचीय सम्मान से सुशोभित होती है। दरअसल यही आज का सच है। इसे स्वीकार करें न करें। कहते हैं साहित्य समाज का दर्पण होता है लेकिन यह दर्पण कभी हुआ करता था अब तो सब कुछ अर्पण करके साहित्यकार भजन गा रहा है। सब कुछ तुझको अर्पण बस इसी अर्पण और 'कलमीय समर्पण' के भव सागर के संगम में गोता लगा रहा है साहित्यकार! कितने स्वनामधन्य साहित्यकार हैं जो मौजूदा सामा. जिक, आर्थिक, राजनीतिक, सामरिक विषयों पर कलम को बंदूक बनायें हुए हैं। किसी की हिम्मत नहीं है जो आज के परिवेश का दर्पण बन सके। अब तो दर्पण बने साहित्यकारों को कहीं भी किसी पन्ने पर न तो जगह मिलती है और न ही तथाकथित साहित्यिक सम्मेलनों में मंच क्योंकि आइना दिखाने वाले साहित्यकारों की श्रेणी में नहीं आते। अब साहित्यकार और साहित्यिक मंच सम्मान और पुरस्कार आदान-प्रदान का शानदार गिव एंड टेक का माधयम हैं। इस बार तू मुझको दे अगली बार मैं तुझको दूंगा। वैसे अब तो सम्मानोध पुरस्कारों का बाकायदा एक शानदार बिजनेस है। पैसा दे पुरस्कृत हो ले। दुबई से अमेरिका तक पुरस्कार ले। सब कुछ झोलझाल चल रहा है। जब चहुंओर पतन सम्मानित हो रही हो रहा हो तो आवाजों को कौन सुने। आवाजें अब नक्कार खाने की तूतियां हैं और ये तूतियां एक ही गीत गा रही है। तू तक तू तक तूतियां हई जमालो फिलहाल तूतियां शहतूत के फल का पंजाबी नाम है, जो मोरस के पेड़ पर उगता है।

शिक्षा में स्मार्टफोन के प्रचलन से एकाग्रता व हेल्थ खतरे में

शिक्षा में तेजी से बढ़ते स्मार्टफोन के उपयोग और उसके घातक प्रभावों को लेकर दुनियाभर में हलचल है, बड़े शोध एवं अनुसंधान हो रहे हैं, जिनके निष्कर्षों एवं परिणाम को देखते हुए कड़े कदम भी उठाए जा रहे हैं। शोध एवं अध्ययनों के तथ्यों ने चौंकाया भी है एवं चिन्ता में भी डाला हैं। पाया गया कि जो छात्र अपने फोन के करीब रहकर पढ़ाई करते हैं, उन्हें ध्यान केंद्रित करने में बहुत मुश्किल होती है, भले ही वे इसका उपयोग न कर रहे हों। स्मार्टफोन के उपयोग से नींद की गुणवत्ता कम होने, तनाव बढ़ने, एकाग्रता बाधित होने, स्मृति लोप होने, अवांछित सामग्री का अधिक उपयोग करने, मानसिक और शारीरिक स्वास्थ्य पर दुष्प्रभाव पड़ने जैसे खतरे उभरें हैं।

इन बढ़ते खतरों को देखते हुए दुनियाभर में कम से कम 79 शिक्षा प्रणालियों ने स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। जिसे लेकर, कई देशों में बच्चों की शिक्षा और निजता पर इसके प्रभाव को लेकर बहस जारी है।'संयुक्त राष्ट्र शैक्षिक, वैज्ञानिक एवं सांस्कृतिक संगठन' (यूनेस्को) की वैश्विक शिक्षा निगरानी (जीईएम) टीम के अनुसार, 60 शिक्षा प्रणालियां या वैश्विक स्तर पर पंजीकृत कुल शिक्षा प्रणालियों का 30 प्रतिशत ने विशेष कानूनों या नीतियों के माधयम से 2023 के अंत तक स्कूलों में स्मार्टफोन पर प्रतिबंध लगा दिया है। भारत में अभी इस ओर कोई कदम नहीं उठाया गया है। सर्वेक्षण के आंकड़े यह संकेत देते हैं कि डिजिटल शिक्षा और स्मार्टफोन के इस्तेमाल में बच्चों की भागीदारी तेजी से बढ़ रही है। यह बदलाव शिक्षा के क्षेत्र में नए अवसर पैदा कर रहा है, लेकिन साथ ही इसके साथ कई चुनौतियां भी हैं, डिजिटल शिक्षा को संतुलित और सुरक्षित बनाना आने वाले समय में एक प्रमुख चुनौती है। डिजिटल शिक्षा के बढ़ते प्रभाव के साथ, यह आवश्यक हो गया है कि स्मार्टफोन और इंटरनेट का सही, संयमपूर्ण और सुरक्षित उपयोग सुनिश्चित किया जाए ताकि बच्चों का विकास सही दिशा में एवं समग्रता से हो। निस्संदेह, शिक्षा के बाजारीकरण और नए शैक्षिक प्रयोगों में मोबाइल की अपेक्षाओं को महंगे स्कूलों ने स्टेटस सिंबल बना दिया है। लेकिन हालिया वैश्विक सर्वेक्षण बता रहे हैं कि पढ़ाई में अत्यधिक मोबाइल का प्रयोग विद्यार्थियों के लिये मान. सिक व शारीरिक समस्याएं पैदा कर रहा है। सर्वविदित है कि विभिन्न ऑनलाइन शैक्षिक कार्यक्रमों के चलते छात्र-छात्राओं में मोबाइल फोन का इस्तेमाल तेजी से बढ़ा है।

एक बयान और हड़कंप

USAID कैसे काम करता है

यह संस्था देशों की सरकारों, एनजीओ, प्राइवेट सेक्टर और लोकल समुदायों के साथ काम करती है

इसे अमेरिकी संसद से पैसा मिलता है, जिसे यह अलग प्रोग्राम के लिए इस्तेमाल करती है।

यह हेल्थ, एजुकेशन, आर्थिक विकास, लोकतंत्र और गवर्नेंस और डिजास्टर मैनेजमेंट में मदद करती है।

100 देशों में लगभग यह संस्था काम करती है, जिनमें अफ्रीका, एशिया, लैटिन अमेरिका और मिडिल ईस्ट प्रमुख हैं।

इसका मकसद अमेरिकी विदेश नीति को आगे बढ़ाना और दुनियाभर के अलग-अलग संकट से जूझना है।

बाइडेन बदलना चाहते थे मोदी की सरकार!

नई दिल्ली। गुरुवार को अमेरिका के राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की ओर से एक बयान दिया गया। इस बयान के मायने साफ हैं कि कहीं ना कहीं अमेरिका के पूर्व राष्ट्रपति जो बाइडन भारत की मोदी सरकार को गिराना चाहते थे। इस बयान से अमेरिका तो अमेरिका यहां भारत के राजनीतिक गलियारों में हलचल बढ़ गई है। ऐसे में अब सबसे बड़ा सवाल यह है कि आखिर JIO POLITICS में बाइडन भारत को किस रूप में देखते थे क्योंकि अक्सर मीडिया में इस तरह की बातें सामने आती रही हैं कि बाइडन कहीं ना कहीं अंदरखाने पाकिस्तान का समर्थन करते थे।

21 मिलियन डॉलर का है मामला

भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए US एड की तरफ से 21 मिलियन डॉलर लगभग 182 करोड़ रुपये खर्च होने थे। इस मामले पर ट्रम्प ने एक बार फिर से सवाल उठाया है और भारतीय चुनावों में संभावित हस्तक्षेप का संकेत दिया है। ट्रम्प ने बुधवार को बड़ा दावा करते हुए सवाल उठाया कि भारत में मतदान बढ़ाने के लिए अमेरिका को 21 मिलियन डॉलर खर्च करने की क्या जरूरत है। उन्होंने अनुमान लगाया कि पिछली बाइडन सरकार की ओर से किसी और को जिताने की कोशिश की जा रही थी। ट्रम्प ने कहा कि अमेरिकी सरकार इस मुद्दे पर मोदी सरकार से बातचीत करेगी।

मोदी के दौर से पहले आया बयान

यह बयान तब आया हैजब एलन मस्क के नेतृत्व वाले सरकारी दक्षता विभाग DOGE ने 16 फरवरी को खुलासा किया कि USAID के तहत भारत में मतदाता टर्नआउट के नाम पर 21 मिलियन डॉलर आवंटित किए थे। साल 2024 के आम चुनावों में, मोदी सरकार पूर्ण बहुमत के साथ सत्ता में नहीं आ सकी। उसे सरकार बनाने के लिए अपने एनडीए सहयोगियों का सहारा लेना पड़ा। ज्यादातर एग्जिट पोल बीजेपी को लोकसभा चुनाव में जीतता हुआ दिखा रहे थे। लेकिन 4 जून को आए परिणाम में एक अलग तस्वीर देखने को मिली।

कोई बाहरी खर्च किसलिए करता है

ट्रम्प ने FII प्रायोरिटी समिट में कहा, हमें भारत में मतदाता टर्नआउट पर +21 मिलियन खर्च करने की आवश्यकता क्यों है? मुझे लगता है कि वे किसी और को जिताने की कोशिश कर रहे थे। हमें भारतीय सरकार को बताना होगा। यह एक पूरी तरह से नया खुलासा है। हमें भारत सरकार को बताना होगा। क्योंकि जब हम सुनते हैं कि रूस ने हमारे देश में दो हजार डॉलर खर्च किया है तो यह हमारे लिए बड़ा मुद्दा बन जाता है।

पहले भी उठ चुके हैं सवाल

डोनाल्ड ट्रंप ने इससे पहले भी 21 मिलियन डॉलर खर्च करने पर सवाल उठाया था। उन्होंने इस मुद्दे के जरिए भारत के टैरिफ पर निशाना भी साधा था।

मंगलवार को ट्रंप ने कहा, 'हम भारत को 21 मिलियन डॉलर क्यों दे रहे हैं? उनके पास बहुत ज्यादा पैसा है। वे दुनिया के सबसे ज्यादा टैरिफ लगाने वाले देशों में से एक हैं। हम वहां मुश्किल से ही घुस पाते हैं, क्योंकि उनके टैरिफ बहुत ज्यादा है।

भारत में बयानबाजियों का दौर शुरू

भारत में इस खुलासे के बाद राजनीतिक दलों में बयानबाजी शुरू हो गई है। भाजपा ने इसे भारत की लोकतांत्रिक व्यवस्था में बाहरी हस्तक्षेप करार दिया और कांग्रेस पर हमला बोलते हुए कहा कि यह विदेशी ताकतों द्वारा भारत की चुनावी प्रक्रिया को प्रभावित करने की कोशिश थी। भाजपा नेता अमित मालवीय ने कहा कि विदेशी संस्थाओं द्वारा भारतीय संस्थानों में व्यवस्थित घुसपैठ की जा रही है।

राहुल पर क्या बोली कांग्रेस?

इसके अलावा, कांग्रेस के नेताओं ने भाजपा पर यह आरोप लगाया कि वह इस मुद्दे को राजनीतिक हथियार बना रही है। कांग्रेस का कहना है कि अगर विदेशों से कोई मदद दी भी गई है, तो इसकी जांच होनी चाहिए, लेकिन भाजपा इसे राहुल गांधी पर निशाना साधने के लिए इस्तेमाल कर रही है। गौरतलब है कि राहुल गांधी पहले भी कई बार विदेशों में जाकर भारत के लोकतंत्र को मजबूत करने की अपील कर चुके हैं, जिस पर भाजपा ने उन्हें घेरने की कोशिश की थी।

चुनावी प्रक्रिया में हस्तक्षेप का आरोप

इस मामले में भारत सरकार की प्रतिक्रिया आनी बाकी है। हालांकि, भाजपा इस मुद्दे को बड़े पैमाने पर उठा रही है और इसे राष्ट्रीय सुरक्षा और संप्रभुता से जोड़ रही है। अब देखना होगा कि मोदी सरकार इस मामले को लेकर अमेरिका से क्या जवाब मांगती है और क्या इसे लेकर कोई औपचारिक कार्रवाई होती है।

यह हैं कुछ बड़े आंकड़े

मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए भारत को 2.1 करोड़ डॉलर प्रदान करने के उद्देश्य पर सवाल उठाया था। ट्रम्प ने दर्शकों को कुछ उदाहरण दिए कि राष्ट्रपति बनने से पहले उनका पैसा कहां जा रहा था। सूची में भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए 2.1 करोड़ डॉलर शामिल थे। यूएसएड ने भारत में मतदान प्रतिशत बढ़ाने के लिए निर्वाचन आयोग को दी थी यह राशि 16 फरवरी को ट्रंप ने जारी किया था डोजियर। भारत में चुनावी हस्तक्षेप का आरोप भी लगाया।

अमेरिकी सरकारी दक्षता विभाग ने दी थी जानकारी

मुझे भारत और उसके पीएम का बहुत सम्मान है। DOGE, जो बाइडेन प्रशासन के दौरान अमेरिकी मानवीय फंडिंग में अनियमितताओं की जांच के लिए जिम्मेदार है। उनसे घोषणा की कि उसने विभिन्न अंतर्राष्ट्रीय परियोजनाओं के लिए आवंटित फंड को रद्द कर दिया है। पीएम नरेंद्र मोदी के सलाहकार संजीव सान्याल ने पहले USAID के खुलासे पर प्रतिक्रिया दी थी और इसे मानव इतिहास का सबसे बड़ा घोटाला बताया था।

बीजेपी ने उठाए थे सवाल

बीजेपी आईटी सेलप्रमुख अमित मालवीय ने इस मामले में सोशल मीडिया पर लिखा था, यह तेजी से साफ होता जा रहा है कि कांग्रेस के नेतृत्व वाली यूपीए ने देश के हितों के विरोधी ताकतों को भारत के संस्थानों में घुसपैठ करने में व्यवस्थित रूप से सक्षम बनाया है, जो हर मौके पर भारत को कमजोर करने की कोशिश करते हैं।

इस विभाग ने किया खुलासा

दरअसल, ट्रंप की यह टिप्पणी उस समय आई जब अमेरिकी सरकारी दक्षता विभागने हाल ही में खुलासा किया कि यूनाइटेड स्टेट्स एजेंसी फॉर इंटरनेशनल डेवलपमेंट ने भारत में वोटिंग टर्नआउट बढ़ाने के लिए 21 मिलियन डॉलर का अनुदान दिया था।

बांग्लादेश को भी जारी की थी ऐड

इसी रिपोर्ट में यह भी बताया गया कि बांग्लादेश में राजनीतिक हालात मजबूत करने के लिए 29 मिलियन डॉलर खर्च किए गए। बांग्लादेश में हाल ही में पूर्व प्रधानमंत्री शेख हसीना को सत्ता से हटाने की साजिश के आरोप लग चुके हैं, जिससे इस रिपोर्ट की गंभीरता और बढ़ जाती है।

यूक्रेन को भी जारी की गई थी भारी-भरकम राशि

बुधवार को यूक्रेन में चल रहे युद्ध की ओर मुड़ते हुए, ट्रम्प ने यूक्रेनी राष्ट्रपति वोलोडिमिर जेलेंस्की की आलोचना की और उन पर संयुक्त राज्य अमेरिका को एक ऐसे युद्ध में अरबों डॉलर निवेश करने के लिए राजी करने का आरोप लगाया, जिसे वे जीत नहीं सकते। उन्होंने दावा किया कि अमेरिका ने यूरोप की तुलना में काफी अधिक खर्च किया है, लेकिन कोई वित्तीय लाभ नहीं हुआ है।

ट्रंप ने जारी किया पूरा बयान

हमें भारत सरकार को बताना होगा, क्योंकि जब हम सुनते हैं कि रूस ने हमारे देश में लगभग दो हजार डॉलर खर्च किए हैं, तो यह एक बड़ी बात है। उन्होंने दो हजार डॉलर के लिए कुछ इंटरनेट विज्ञापन लिए। यह पूरी तरह से एक बड़ी सफलता है।